विषय सूची

	विवरण	पृष्ठ संख्या
	2013- 14 - एक परिदृष्टि	01
I	कार्यकारी सारांश	06
II	बोर्ड का गठन एवं कार्य	16
III	प्रशासन एवं स्थापना	20
III (क)	अशक्त कर्मचारियों का विवरण	28
IV	कॉफी अनुसंधान	29
V	विस्तरण तथा विकास	41
VI	बाजार विकास औ संसाधन हेतु सहायता	50
VII	निर्यात संवर्धन	54
VIII	बाजार अनुसंधान एवं इंटेलिजेंस	71
IX	लेखा और वित्त	74

2013- 14 - एक परिदृष्टि

मुझे वर्ष 2013-14 के लिए कॉफी बोर्ड की 74 वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हर्ष हो रहा है।

कॉफी की कीमतों ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों स्तरों पर मिला जुला रुझान दर्शाया। वर्ष 2013-14 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें अरेबिका के लिए 214.09 सेन्ट्स/पाउण्ड तथा रोबस्टा के लिए 105.37 सेन्ट्स/पाउण्ड थी। अरेबिका का औसत मूल्य 144.85 सेन्ट्स/पाउण्ड और रोबस्टा का 92.41 सेन्ट्स/पाउण्ड था। वर्ष के दौरान मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में अरेबिका में 14.4% और रोबस्टा में 10.7% गिरावट को दर्शाता है । घरेलू बाजार में भी इसी प्रकार का रुझान रिकार्ड किया गया। अरेबिका के मूल्य 285.25 ₹ प्रति किलो ग्राम तक बढ़ कर औसतन 188.72 रुपए प्रति किलो ग्राम की ऊँचाई को छुआ और रोबस्टा के मूल्यों ने 131.63 रुपए प्रति किलोग्राम की ऊँचाई छू कर औसतन 120.66 रुपए प्रति किलोग्राम रिकार्ड किया। पिछले वर्ष की तुलना में यह ह्रास अरेबिका के लिए 1.72% और रोबस्टा के मामले में 16.66% था।

2013-14 के दौरान, 3,12,454 मेट्रिक टन के निर्यातों के लिए परमिट जारी किए गए। जारी किए गए कुल निर्यात परमिट के सम्मुख पुष्ट नौभरण अनंतिम रुप से 2,98,152 मेट्रिक टन का हुआ है जिसका मूल्य 764.59 यू एस मिलियन डालर तथा 4,532.45 करोड रुपयों का हुआ है और जिसे प्रति मेट्रिक टन 1,52,018 रुपए के इकाई मूल्य के साथ 102 देशों को निर्यात किया।

जहां तक कॉफी उत्पादन का सम्बन्ध है, विश्व उत्पादन में 0.1% से थोडी वृद्धि हुई जो 2012-13 के 145.00 मिलियन बैग्स से 2013-14 में 145.20 मिलियन बैग्स तक बढ़ गई। भारत का उत्पादन 3,04,500 मेट्रिक टन था जिसमें 1,02,200 मेट्रिक टन अरेबिका एवं 2,02,300 मेट्रिक टन रोबस्टा थी। देश के समग्र उत्पादन में 4.31% की कमी हुई। अरेबिका के उत्पादन में 3.65% की वृद्धि हुई जबकि रोबस्टा के उत्पादन में 7.88% की कमी हुई।

मार्च-अप्रैल में 2013 के दौरान कॉफी उगने वाले भूभागों के अधिकांश क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में हुई पुष्पण एवं समर्थन वर्षा के फलस्वरुप 2013-14 सीजन का पुष्पण एवं फसल सेटिंग अच्छी रही। तत्पश्चात, कॉफी क्षेत्रों ने मई 2013 के दौरान लम्बी अनावृष्टि अवधि का सामना किया जिसके परिणामस्वरुप सफेद तना छेदक में काफी संवृद्धि हुई और अरेबिका पौधों को बहुत हानि। सूखा अवधि के बाद जून से अगस्त 2013 तक असामान्य रुप से भारी और लगातार वर्षा से मानसून आया। भारी वर्षा के परिणामस्वरुप गीली मिट्टी परिस्थितियों के कारण ब्लैक रॉट, स्टॉक रॉट जैसे रोग और फलों का गिरना हुआ। लगातार बारिश ने कॉफी पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक दैनिक कॉफी संक्रियाओं को करने का भी अवसर प्रदान नहीं किया। तथापि, उत्तर-पूर्व मानसून अवधि के दौरान हुआ वृष्टिपात तथा मौसम परिस्थितियां फसल के विकास हेतु अनुकूल रहे।

अरेबिका का प्रमुख नाशिकीट वाइट स्टेम बोरर सामान्यतया निम्न से मध्यम रही । रोगों में, अरेबिका का प्रमुख रोग कॉफी पत्ती किट्ट का आपतन निम्न से मध्यम रही और भारी वृष्टिपात क्षेत्रों में ब्लैक रॉट का आपतन उच्च था।

उपजकर्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो वर्ष के दौरान अनुकूल मूल्य रुझान और भारत सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न समर्थन एवं राहत उपायों ने उपजकर्ताओं को अपनी वित्तीय कठिनाइयों से उबरने में सहायता दी। परन्तु श्रमिकों की कमी चिन्ता का कारण बनी रही।

कॉफी बागानों की धारणीयता, उत्पादन, उत्पादकता एवं क्वालिटी में सुधार के लिए बोर्ड ने योजना स्कीमों को

क्रियान्वित करना जारी रखा जो पुनर्रोपण के लिए समर्थन, उत्पादकता सुधारने के लिए जल आवर्धन तथा मूल्य प्राप्ति के लिए गुणता उन्नयन जैसे सुविधाएं देते हैं। कॉफी एस्टेट संक्रियाओं के यंत्रीकरण कार्य पूंजी ऋणों के लिए ब्याज उपदान, छोटे उपजकर्ताओं को वृष्टि बीमा में उपदान जैसे स्कीम कार्यान्वित किए गए। गैर पारम्परिक क्षेत्रों एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों में समेकन, विस्तारण के लिए समर्थन जैसे स्कीम कार्यान्वित किए गए।

केफे संस्कृति के आगमन के फलस्वरुप घरेलू खपत में उन्नति जारी रही और इसका प्राक्कलन 1,15,000 मे. ट. है। उद्योग के भविष्य के लिए, घरेलू कॉफी खपत को उत्तर की ओर बढ़ना होगा। यह अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी बाजार की अस्थिरता के सम्मुख उत्पादकों के लिए एक ढाल के रुप में काम करेगा। घरेलू खपत में बढ़त को एक उत्कट कॉफी उद्योग द्वारा ही महसूस किया जा सकता है। इसकी तरंगे कॉफी उद्योग में सभी अनुभव करेंगे जिसके कारण रोजगार के अच्छे अवसर मिलेगें, उद्यम को प्रेरणा मिलेगी और मूल्य श्रृंखला में उन्नति दिखाई देगी। इसकी प्राप्ति के लिए, बोर्ड ने घरेलू खपत जिसके अन्तर्गत संभावी उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों एवं उपजकर्ता समष्टियों को उपदान देते हुए रोस्टिंग, ग्राइंडिंग एवं पैकेजिंग खण्ड को समर्थन देना आरम्भ किया है।

निर्यात के क्षेत्र में, आमदनी बढ़ाने और मूल्य संवर्धन को समर्थन देने के लिए, बोर्ड दूरस्थ बाजारों को मूल्य संवर्धित कॉफी एवं उच्च मूल्य कॉफी के निर्यात को समर्थन दे रहा है। जिसके बदले में इन बाज़ारों में पहुंच को विस्तार तो मिलेगा ही साथ में अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी समुदाय में उच्च क्वालिटी की एवं उच्च मूल्य की कॉफी के महत्वपूर्ण निर्यातक के रुप में देश की उपस्थिति को बल भी मिलेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार दृष्टिकोण 2013-14

वित्तीय वर्ष अर्थात् 2013-14 (अप्रैल-मार्च) में, औसत आई सी ओ समष्टिक सूचकांक मूल्य 120.79 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड था जिसने 2012-13 के दौरान के 144.61 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में लगभग 16% का घटत दर्शाया।

न्यूयार्क फ्यूचर्स (अरेबिका) औसत मूल्य 2013-14 के दौरान 19% घट गए और ये 2012-13 के दौरान 163.57 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में 131.71 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड थे। लन्दन फ्यूचर्स (रोबस्टा) का मूल्य 2013-14 के दौरान 82.57 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड थे जिसने 2012-13 में 93.22 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में 11% का घटत दर्शाया।

कैलेण्डर वर्ष 2013 का औसत आई सी ओ समष्टिक सूचकांक मूल्य जो कि 119.51 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड था, पिछले वर्ष (2012) के 156.34 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में 23% घट गया। 129.41 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड का न्यूयार्क (अरेबिका) औसत मूल्य 2012 के 179.22 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में 28% घट गया जब कि औसत 2013 के 84.46 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड का लन्दन फ्यूचर्स (रोबस्टा) औसत मूल्य 2012 के 91.86 सेन्ट्स प्रति पाउण्ड की तुलना में 8% घट गया।

घरेलू बाजार में, अरेबिका मुख्य ग्रेड(प्लांटेशन.ए) के लिए 2013 के दौरान आई सी टी ए औसत नीलामी मूल्य 176 रुपए प्रति किलो ग्राम था जिसने 2012 के 211 रुपए प्रति किलो ग्राम की तुलना में लगभग 16% की घटत को दर्ज किया। जबकि 127 रुपए/कि. ग्रा. कि रोबस्टा मुख्य ग्रेड (चेरी ए.बी) के मूल्य ने 2012 के 141 रुपए प्रति किलो ग्राम प्राप्त कर 10% की कमी को दर्शाया।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय एवं घरेलू बाजार में कॉफी मूल्य में आए गिरावट एवं बढ़त को दर्शाता तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :

तालिका- 1

आई सी ओ समष्टिक सूचकांक मूल्य (कॉफी वर्ष औसत) एवं न्यूयार्क तथा लन्दन फ्यूचर्स मार्केट के दूसरे एवं तीसरे स्थान का औसत

वित्तीय वर्ष (अप्रैल/मार्च)	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	11-12	12-13	13-14
आई सी ओ समष्टिक सूचकांक	97.30	114.15	117.96	120.14	169.09	202.16	144.61	120.79
न्यू यार्क फ्यूचर्स (अरेबिका)	113.26	127.19	128.90	133.30	195.32	244.26	163.57	131.71
लन्दन फ्यूचर्स (रोबस्टा)	63.60	87.07	88.83	64.54	82.82	97.25	93.22	82.57

तालिका- 2

आई सी ओ समष्टिक सूचकांक मूल्य (कैलेण्डर वर्ष औसत) एवं न्यूयार्क तथा लन्दन फ्यूचर्स मार्केट के दूसरे एवं तीसरे स्थान का औसत

कैलेण्डर वर्ष	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014*
आई सी ओ समष्टिक सूचकांक	95.75	106.88	124.23	115.67	147.24	210.39	179.65	119.51	137.86
न्यू यार्क फ्यूचर्स (अरेबिका)	112.43	121.91	136.46	128.18	165.20	256.35	209.45	139.53	156.08
लन्दन फ्यूचर्स (रोबस्टा)	59.75	78.55	96.76	67.61	71.97	101.22	88.08	94.16	85.97

***31-03-2014 को यथास्थिती**

तालिका- 3

नीलामी मूल्य-आई सी टी ए(बेंगलूर) में प्राप्त औसत मूल्य

वैश्विक आपूर्ती एवं मांग संतुलन :-

कैलेण्डर वर्ष	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014*
प्लांटेशन ए	109.84	112.70	131.26	175.32	186.36	272.42	211.17	177.41	209.30
रोब. चेरी ए बी	63.02	75.78	96.86	81.16	79.58	111.78	138.17	127.25	113.13

*** जनवरी से मार्च, 2014**

2012-13 के 145.0 मिलियन बैग्स की तुलना में 2013-14 के 145.2 मिलियन बैग्स के वैश्विक उत्पादन ने कुल उत्पादन में 0.1% की बढ़त को दर्शाया। 2012 के 142.3 मिलियन बैग्स की तुलना में 2013 में वैश्विक खपत 145.8 मिलियन बैग्स हुई थी।

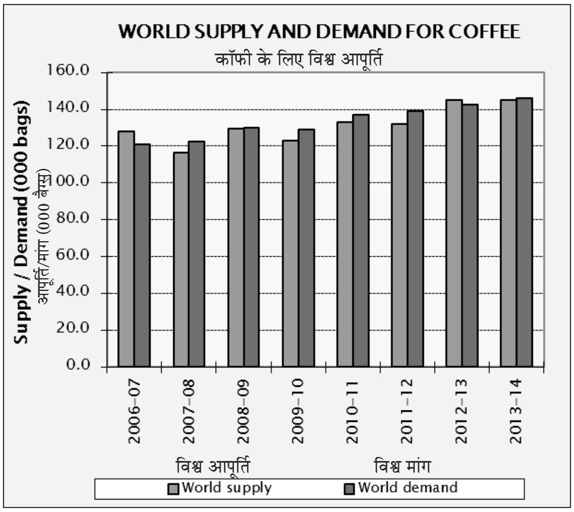

भारत-उत्पादन एवं निर्यात

कॉफी उत्पादन 2013-14 में, 3,04,500 टन आंका गया है जो पिछले वर्ष (2012-13) के 3,18,200 टन के उत्पादन से 4.31% कम है। 2013-14 में भारत ने 2,98,152 मे टन कॉफी (57,026 मे.ट. के पुन: निर्यात को शामिल करते हुए) का निर्यात किया। इस मात्रा में 59,399 मे. टन अरेबिका, 1,54,054 मे. टन रोबस्टा एवं 84,699 मेट्रिक टन इन्स्टंट एवं रोस्टड एवं ग्राउण्ड कॉफी शामिल है जिसे 102 देशों को निर्यात किया गया। इटली, जर्मनी, बेल्जियम, रुस संघ और टर्की सर्वोच्च पांच आयातक देश हैं। 2013-14 के दौरान निर्यात से हुई कमाई यू एस डालर्स के रुप में पिछले वर्ष के 855.46 यू एस मिलियन डालर्स की तुलना में 764.59 यू एस मिलियन डालर्स हुई है। भारतीय रुपए के रुप में, 2012-13 के 4,552.75 करोड रुपए की तुलना में 4,532.45 करोड रुपए हुई है।

तालिका- 4 वैश्विक उत्पादन/खपत

	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
उत्पादन *	128.209	116.614	129.260	123.023	133.065	132.011	145.003	145.202
खपत **	121.087	122.726	130.004	129.100	136.960	139.135	142.300	145.800

(स्रोत : * राष्ट्रीय फसल वर्ष (हाल ही में आई सी ओ द्वारा संशोधित)

** कैलेंडर वर्ष (आई सी ओ सी एम आर अगस्त 2012)

तालिका 5

स्पेशियालिटी एवं मूल्य संवर्धित कॉफी का निर्यात (मात्रा मे. ट. में)

	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
स्पेशियालिटी कॉफी	9476	10688	10363	10002	14897	13390	12666	15169
मूल्य संवर्धित कॉफी	60550	64993	49004	65300	73140	81541	89183	94250
योग	**70026**	**75681**	**59367**	**75302**	**88037**	**94931**	**101849**	**109419**

(*हरी कॉफी समतुल्य में घुलनशील/रोस्ट एवं ग्राउण्ड शामिल)

फ्लेवर ऑफ इण्डिया फाइन कप अवार्डस:

फ्लेवर ऑफ इण्डिया कप्पिंग-2013 का अंतिम राउण्ड 24 जून 2013 को नाइस, फ्रांस में आयोजित किया गया। 221 नमूनों में से, 20 अरेबिका, 6 स्पेशियालिटी अरेबिका, 8 रोबस्टा तथा 6 स्पेशियालिटी रोबस्टा को मिला कर कुल 40 नमूनों को अन्तर्राष्ट्रीय जूरी ने कप्पिंग के अंतिम राउण्ड (दौर) के लिए चुना। फ्लेवर ऑफ इंडिया - द फाइन कप अवार्ड - कप्पिंग प्रतियोगिता 2012 और 2013 के विजेताओं को पुरस्कार, होटल ललित अशोक, बेंगलूर में 24 जनवरी 2014 को ओयाजित आई आई सी एफ के दौरान "कॉफी अवाड्र्स नाइट" में वितरित किए गए।

भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव 2014

बेंगलूरु में 21 से 25 जनवरी 2014 को आयोजित भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव का 5वाँ संस्करण काफी सफल रहा। "कॉफी के बदलते रुख" प्रकरण के साथ उत्सव में 16 देशों अर्थात आस्ट्रेलिया, ब्राज़िल, कैनेडा, दुबई, फिनलैण्ड, जर्मनी, इज़राईल, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, नीदरलैण्ड्स, स्विट्जरलैण्ड, सं रा, सं रा अ और भारत से 400 से भी अधिक उत्सुक व्यक्तियों ने भाग लिया। उत्सव का उद्घाटन कर्नाटक के माननीय मुख्य मंत्री श्री सिद्धरामय्या ने किया। आई सी ओ के कार्यकारी निदेशक श्री रोबेरियो ओलिवीरा सिल्वा सम्मानीय अतिथि थे और डॉ. अनूप पुजारी, डी जी एफ टी ने समापन सत्र को सम्बोधित किया। उत्सव में सम्भावी उद्यमियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला के साथ अविश्वसनीय प्रदर्शनी की भी नुमाइश की गई।

कॉफी के उत्सुक दुनिया में उद्यमी प्रतिभा के लिए अवसर का सृजन करते हुए घरेलू कॉफी दृश्यावली में नई प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए कॉफी बोर्ड, ने एक राष्ट्रीय बारिस्ता चैम्पियनशिप की स्थापना की है। भुनाईकारों, क्यूरिंग स्थापनाओं, केफे और बारिस्ता की श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित करने के लिए सम्मानीय अतिथि श्री एस आर राव, आई ए एस, सचिव, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार थे।

नवंबर 2014

बेंगलूरु

जावेद अख्तर

अध्याय - I

कार्यकारी सारांश

उत्पादन :

- 2013-14 फसल सीजन के लिए अन्तिम फसल प्राक्कलन 3,04,500 मेट्रिक टन था जिसमें 1,02,200 मेट्रिक टन अरेबिका (कुल का 34%) और 2,02,300 मेट्रिक टन रोबस्टा (कुल का 66%) शामिल है।

- कर्नाटक ने 2,11,100 मेट्रिक टन (69.33%) का योगदान दिया। उसके बाद केरल 66,675 मेट्रिक टन (21.90%) और तमिल नाडू 18,775 मेट्रिक टन (6.16%) था। आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर क्षेत्रों को शामिल कर गैर परम्परागत क्षेत्रों ने शेष 7,923 मेट्रिक टन (2.61%) का योगदान किया।

- वर्ष के दौरान कुल फार्म उत्पादकता में 799 कि.ग्रा./हे. था।

- वर्ष 2013-14 के लिए परम्परागत क्षेत्रों से सम्बन्धित उत्पादकता 905 कि.ग्रा./हे है जहां अरेबिका और रोबस्टा की उत्पादकता क्रमश: 733 कि.ग्रा/हे. और 1,015 कि.ग्रा./हे थी।

- कॉफी से कुल रोपित क्षेत्र लगभग 4.18 लाख हेक्टर था जिसमें से कुल फलन क्षेत्र लगभग 3.81 लाख हेक्टर था।

- परम्परागत क्षेत्रों में 1,64,479 जोत, आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा (गै प क्षे) में 1,27,414 जोत और पूर्वोत्तर क्षेत्र में शेष 8,497 जोतों को शामिल कर देश में लगभग 3,00,390 कॉफी जोत हैं जिसमें 10 हेक्टर से भी कम के छोटे जोत लगभग 2,97,732 थे और यह कुल जोत का लगभग 99% है।

निर्यात :

- 2013-14 के दौरान कुल 2,98,152 मेट्रिक टन कॉफी (57,026 मेट्रिक टन के पुन: निर्यात को शामिल कर) का निर्यात किया गया। 59,399 मेट्रिक टन अरेबिका 1,54,054 मेट्रिक टन रोबस्टा और 84,699 मेट्रिक टन इंस्टेन्ट और भुनी व पिसी कॉफी को 102 देशों को निर्यात किया गया। इटली, जर्मनी, रुस संघ, बेल्जियम और टर्की पांच प्रमुख आयातक देश थे।

- 2013-14 के दौरान निर्यात कमाई यू एस डालर में पिछले वर्ष के 855.46 मिलियन यू एस डालर्स की तुलना में इस वर्ष 764.59 मिलियन यू एस डालर्स थी। भारतीय रुपए के रुप में यह पिछले वर्ष के 4,552.75 करोड़ की तुलना में इस वर्ष 4,532.45 करोड़ थी।

- इकाई मूल्य में 2013-14 के दौरान निर्यातित सभी प्रकार की कॉफी का समष्टिक मूल्य 1,52,018/- ₹ प्रति मेट्रिक टन था। जबकि यह 2012-13 के दौरान 1,52,119/- ₹ प्रति मेट्रिक टन था।

- 31 मार्च 2014 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड में पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 538 है जिसमें वर्ष 2013-14 के दौरान हुए 81 नए पंजीकरण शामिल है जो 31 मार्च 2013 को यथा स्थिति 457 था।

- वर्ष 2012-13 में जारी 9,993 परमिटों की तुलना में वर्ष के दौरान 160 पंजीकृत कॉफी निर्यातकों को कुल 10,584 निर्यात परमिट और आई सी ओ के मूल प्रमाण पत्र जारी किए गए। 10,584 परमिटों में से 9,210 परमिट भारतीय मूल कॉफी के निर्यात के लिए और 1374 परमिट कॉफी के पुन:निर्यात के लिए जारी किए गए।

अनुसंधान

- विसंकर एफ$_1$ संकरों को विकसित करने के लिए सी सी आर आई में संकरण के लिए पहली बार कॉफी जीनपूल में पहचाने गए चार नर अनुर्वर पौधों (इथियोपियन कलक्शन्स- एस.2651 व एस 2660 और विश्व कलक्शन एस. 1572 व एस.1573) का प्रयोग किया गया। आनुवंशिक रुप से चार दूरस्थ जीन आकृति सार्चिमोर, पेड कॉफी संकर, एस एल एन 9 और एस 4595 का प्रयोग परागणमूल के रुप में किया गया और 2014 पुष्पण सीजन के दौरान कुल 13 संकर संयोजन किए गए।
- स्थायी किट्ट, प्रतिरोधी के साथ युग्मित प्रभावशाली अर्ध-बौना एफ$_1$ संकर उत्पन्न करने के लिए एस 4903 (कोलम्बिया काटिमोर लाइन) का पराग सेचक के रुप में लम्बे अरेबिका जीन आकृति एस 1934, एस795 और एस एल एन5 बी के साथ संकरण किए गए।
- 2014 रोपण सीज़न के दौरान चन्द्रगिरि, कावीसारी और कावीमोर के बीच संकरण से एफ$_1$ बीज संग्रहित कर एस 3827 (एस एल एन 10) को प्रतिरोधक डोनर्स (एसएच3 जीन) के रुप में प्रयोग किया और खेतों में रोपने के लिए सन्तति उत्पन्न किए गए।
- सफेद तना छेदक सह्यता हेतु प्रजनन के लिए चन्द्रगिरि और पेड़ कॉफी से एक स्वयंस्फूर्त संकर के बीच अन्योन्य संकरों से एफ$_1$ सन्ततियां उत्पन्न कर 2012 के दौरान खेतों में रोपे गए और उनका मूल्यांकन किया जा रहा है ।
- विभिन्न किट्ट प्रतिरोधक के पिरमिडिंग के उद्देश्य से (एस एल एन 7.3 x एस एल एन 6 x एस 3822) x एस एल एन 10, के बीच अन्तर किस्म संकरों से उत्पन्न चार एफ$_1$ संकर सन्ततियों की स्थापना सी सी आर आई के खेतों में की गई।
- प्रवृत्त जीन आकृतियों से उत्पन्न इक्कीस एफ$_1$ सन्ततियां जिसने अच्छा निष्पादन रिकार्ड किया, उनको आगे मूल्यांकन एवं चयन के लिए सी सी आर आई के खेतों में स्थापित किया गया।
- क्षेत्र मूल्यांकन को शीघ्र निबटाने के लिए 2014 सीज़न के दौरान क्षेत्र रोपण के लिए सी सी आर आई में कोलम्बियन काटिमोर संकर (एस.5039, एस 5040, एस 5048, एस 5049 एस 5050 एस 5051) के प्रवृत्त एफ1 पौधों और एस एल एन 10 x (काटुआ x एच डी टी) से नौ एफ2 संततियों से 16 एफ3 सन्ततियां उत्पन्न किए गए।
- सी आर एस एस, चेट्टल्ली में मूल्यांकन अधीन अरेबिका के 12 अन्त: किस्म एफ़$_1$, सन्ततियों (एस.4856 से 4863 और एस 4874 से एस 4877) में एस 4875(एस एल एन 6 x एस एल एन 9) ने 1371 कि.ग्रा/हे. का अधिकतम प्रक्षिप्त निपज रिकार्ड किया उसके बाद एस 4877(एस 795 x एस एल एन 9) में 1164 कि ग्रा/हे.।
- अनावृष्टि सहिष्णु कृन्तकों की सम्भाव्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से एस 880, एस 1932, एस 3399, डी आर -5 के कृन्तक सन्ततियों और दो स्टेशन सेलक्शन एस.274 और सी x आर को पुलपल्ली सम्पर्क क्षेत्र के पेरिक्कल्लूर क्षेत्र जो एक प्रत्यावर्ती रुप से अनावृष्टि प्रवृत्त क्षेत्र है, में रोपे गए।
- विभिन्न स्थानों में उत्तम रोबस्टा लाइन के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए स्टेशन सेलक्शन्स एस 274 और सी x आर के साथ एस 3399, डब्ल्यू टी 2 डब्ल्यू टी 4, एस 3657, और डब्ल्यू टी 6 के कृन्तकों को वायनाड के पुलपल्ली में पातिरीमाडम एस्टेट और वाण्डिपेरियार, इडुक्की जिलों के पोआब्स बागानों में रोपे गए।
- अनावृष्टि सहिष्णु जड़ किस्मों (एस 1932, एस 3399) के साथ साथ विदेशज रोबस्टा संग्रहण (एस 3657) और स्टेशन सेलेक्शन्स (एस 274, सी x आर) को शामिल करते हुए अन्योन्य संकरों से एफ$_1$ संकर आर सी आर एस, चुन्देल के खेतों में स्थापित किए गए।

- किट्ट प्रतिरोध के लिए एस एच$_3$ से सम्बद्ध बी ए 12412 के और एस ए टी 244 मार्कर के साथ एस सी ए आर (सिक्वेंस कैरक्टराइज्ड एम्पलीफाइड रीजियन) ऐसेज़ का प्रयोग एस 1934 के साथ कोलम्बियन काटिमोर संकरों के एफ$_1$ और एफ$_2$ सन्ततियों में एस एच$_3$ के पौधा होमोज़ाइगोज़ का पता लगाने के लिए किया गया।

- 2013-14 सीज़न के दौरान, विभिन्न अनुसन्धान स्टेशनों और प्रौद्योगिक मूल्यांकन केन्द्र में उत्पादित 6,447 कि ग्रा अरेबिका और 2,036 कि ग्रा रोबस्टा को शामिल कर विभिन्न स्टेशन सेलेक्शन्स के 8,483 कि.ग्रा. बीज कॉफी परम्परागत क्षेत्रों के कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाई किया गया। अरेबिका किस्मों में चन्द्रगिरि ने 4252 कि ग्रा का प्रमुख शेयर दिया। 2013-14 सीज़न के दौरान गैर परम्परागत क्षेत्रों में आर सी आर एस, आर वी नगर और प्रौ मू के, मिनीमूलूरु में उत्पादित 3501 कि ग्रा अरेबिका और 7.5 कि ग्रा रोबस्टा को शामिल कर 3508.5 कि ग्रा बीज कॉफी का सप्लाई किया गया।

- रोपण सीजन 2013 के दौरान सी x आर के कुल 20,335 जडित कृन्तक सी सी आर आई, सी आर एस एस, चेट्टल्ली और आर सी आर एस, चुन्देल के उपजकर्ताओं को सप्लाई किया गया। आगे, रोबस्टा कृन्तकों की बढ़ती माँग पर विचार करते हुए, XII योजना के अन्त तक 1.0 लाख कृन्तकों के वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृन्तक उत्पादन को बढ़ाने हेतु एक अग्र कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। तद्नुसार 2013 में 62,000 कृन्तक उत्पन्न किए गए जो 2014 रोपण सीज़न में उपजकर्ताओं को सप्लाई करने के लिए तैयार होगा।

- कॉफी पत्ती किट्ट पर आई सी ओ-सी एफ सी प्रायोजित बहु देशीय परियोजना के अन्तर्गत एक अग्र कार्यक्रम के रुप में विकसित चल आधारित विस्तरण सेवा 'केफे मोवल' का उद्घाटन 22 अगस्त 2013 को किया गया।

- टी0 में गस्स एक्सप्रेशन और ट्रांसजीन एकीकरण का विश्लेषण किया गया और टी$_1$ ट्रांसजेनिक पौधे चावल एण्डोचिटीनेज़ जीन के साथ परिवर्तित हो गए। पी सी आर परिवर्धन ने गस्स ए एच पी टी 35 एस प्रोन्नायक के एकीकरण को प्रकट किया और टी0 के साथ साथ 18 टी$_1$ पौधों में चिटीनेस ट्रांसजीन्स को प्रकट किया।

- विशेषज्ञ समिति के सुझावों के अनुसार संशोधित उपायों से अरेबिका और रोबस्टा कॉफी पर प्रवृत्त अनुसन्धान स्टेशनों और टी ई सी में एकीकृत पोषण प्रबन्धन (आई एन एम) पर बहु स्थान क्षेत्र प्रयोग जारी रहे।

- अरेबिका कॉफी निपज, क्वालिटी और मिट्टी कायिक रसायनिक तत्वों पर जैविक और अजैविक पोषक स्रोतों के प्रभाव के अध्ययन के लिए किए गए क्षेत्र प्रयोग को जारी रखा गया।

- मिट्टी, पत्ते और कृषि रसायन विश्लेषण के जरिए उपजकर्ताओं को सलाहकारी सेवा समर्थन के अधीन 8357 मिट्टी नमूने 104 पत्ती नमूने और 933 कृषि रसायन नमूनों का विश्लेषण कर उपजकर्ताओं को रिपोर्ट किया गया ।

- सी सी आर आई में चन्द्रगिरि किस्म, गुण्डीखान एस्टेट में एस एल एन 5 बी और सी आर एस एस चेट्टल्ली में एस एल एन 5 बी के साथ किए गए अरेबिका कॉफी में भिन्न रोपण डिज़ाइन और कटाई विधि के मूल्यांकन पर क्षेत्र प्रयोग जारी रहा।

- यंत्रीकरण के जरिए श्रम उत्पादकता के सुधार पर कार्यक्रम के अन्तर्गत छिड़काव, रेकिंग आदि जैसे विभिन्न संक्रियाओं के लिए उसकी प्रभावशीलता की जाँच के लिए ट्रेक कैरियर मशीन पर चलने का मूल्यांकन किया गया।

- आर सी आर एस, चुन्देल में पत्ती क्षेत्र और विशेष पत्ती भार, सी x आर, एस.274, वायनाड रोबस्टा(वा रो) और अनावृष्टि सहिष्णु (अ स) रोबस्टा कॉफी में

सम्बद्ध जल घटक और मिट्टी नमी जैसे कायिकीय पैरामीटर्स ने 13.82 से 18.80 तक विशेष पत्ती भार के अधिकतम बढ़त को प्रकट किया उसके बाद क्रमश: सी x आर में 13.82 से 17.8, 12.76 से 17.2 और 11.58 से 15.60 मि. ग्रा/से मी^{2} और एस 274 में था।

- विभिन्न कॉफी क्षेत्रों में किट्ट प्रजाति वनस्पति को मानीटर करने के लिए नौ स्थानों- सात कर्नाटक में और दो तमिल नाडु में, पैंतीस किट्ट भिन्नता और 24 किस्म के पौधों की स्थापना की गई और किट्ट रोगजनक की सहिष्णुता/सुग्राही के लिए आवधिक निरीक्षण किए गए।
- सी सी आर आई और क्षेत्रीय स्टेशनों में नए अरेबिका (एफ$_1$ और एफ$_2$ संकरों) पर पत्ती किट्ट के क्षेत्र आपतन का मूल्यांकन किया गया।
- तीन स्थानों में अरेबिका कॉफी के एस 795 कल्टीवर पर पत्ती किट्ट के नियंत्रण हेतु विभिन्न सान्द्रता (0.005, 0.075, 0.01, 0.015 और 0.02% ए आई) पर नए फफूँदनाशी नैटिवो 75% डब्ल्यू जी (टेबुकोनाज़ोल 50% ट्रायफ्लॉक्सिसट्राबिन 25%) की क्षेत्र प्रभाविता का मूल्यांकन अनुशंसित फफूँदनाशी अर्थात कोन्टाफ 5 ई सी (0.01%), फोलिकर 25 ई सी (0.02%) और बोर्डो मिश्रण (0.5%) की तुलना में किया गया।
- सी सी आर आई के म्यूज़ियम ब्लॉक में रोपे गए अरेबिका कॉफी कल्टीवर्स पर कोमल कॉफी पत्तों के मुरझाने और पीलिया होने की नई समस्या के रोग निदान को समझने के लिए मई 2013 के दौरान एक प्राथमिक अध्ययन आरम्भ किया गया।
- अरेबिका विश्व संग्रहण (जर्मप्लाज़्म ब्लॉक) जिसका रख रखाव सी सी आर आई में किया जाता है, पर रोग आपतन की चरम अवधि (अक्तूबर और नवम्बर) के दौरान किट्ट आपतन को रिकार्ड किया गया ।
- कॉफी सफेद तना छेदक के प्रभावी प्रबन्धन के लिए एक बाधा के रुप में क्रास वेन फेरोमोन ट्रेप्स के प्रयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रलोभन सहित 30,865 ट्रेप्स कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए।
- कॉफी बोरी बोरर के प्रबन्धन के लिए प्रलोभन सहित 60,690 ब्रोका ट्रैप्स कर्नाटक और केरल में कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए। उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए ट्रैप्स में प्रलोभन सामग्री को फिर से भरने के लिए 2260 लीटर प्रलोभन सामग्री सप्लाई किए गए।
- कॉफी मिली बग आकीर्णन को प्रबन्ध करने के लिए एक पर्यावरण हितैषी उपाय के रुप में मिली बग के 9000 परजीव्याभ माँग के अनुसार उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए।
- डी बी टी प्रायोजित परियोजना "कॉफी सफेद तना छेदक के लिए अरेबिका कॉफी पौधा प्रतिरोध का विकास" के अन्तर्गत, विकसित कृत्रिम आहार में समाविष्ट करते हुए 1402 बी टी विषों को स्क्रीन किया गया और 148 को छेदक लार्वा के विरुद्ध थोडा क्रिया कलाप करते देखा गया।
- 'मादा लिंग फेरोमोन की पहचान और समागम सफलता में उसकी भूमिका और कॉफी सफेद तना छेदक द्वारा पोषक पौधा चयन के लिए उत्तरदायी कैरोमोन की पहचान' पर बायो कन्ट्रोल रिसर्च लैबोरेटरिज़ ऑफ पेस्ट कन्ट्रोल इंडिया लि., बेंगलूर के साथ आउट सोर्स्ड परियोजना के अधीन प्रयोगशाला के साथ साथ खेत दोनों में नए प्रलोभनों की जाँच की जा रही थी।
- आई आई एच आर, एन बी ए आई आई, बेंगलूर और एन आर सी बी, बनाना त्रिची जैसे आई सी ए आर संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजना "कॉफी सफेद तना छेदक, जाइलोट्रेकस क्वाड्रिप्स शेव. (कोलियोप्टेरा : सेराम्बीसिडे) के प्रबन्धन के लिए पर्यावरण हितैषी पहुँच" के अन्तर्गत प्रयोग जारी रहे। प्राप्त अग्रताओं की जाँच की जा रही है।

- नए अणुओं जैसे क्लोरन्थल्लीप्रोल 18.9% डब्ल्यू/डब्ल्यू एस सी फ्लूबेनडियामाइड, क्लोरोपाइरिफोस 50% + साइपरमेथ्रिन 5% एथिप्रोल 40% + इमीडाक्लोप्रिड 40% डब्ल्यू जी और थियाक्लोप्रिड 21.7% एस सी की जाँच तना छेदक के विरुद्ध उनकी प्रभाविता के लिए की जा रही है।

- तना छेदक के विरुद्ध प्रतिरोध के स्रोतों को पहचानने के लिए सुग्राही किस्मों के तनों की तुलना में कटे तनों पर अण्डों और नवजात लार्वा रिलीज़ करते हुए प्राकृतिक अरेबिका पेड कॉफी संकर का स्क्रीनिंग किया गया। प्राथमिक जांच लार्वा के शीघ्र विनाश को दर्शाता है।

कॉफी क्वालिटी प्रभाग, बेंगलूर

- निर्यातकों, उपजकर्ताओं और व्यापारियों से प्राप्त 334 वाणिज्यिक नमूनों और अनुसन्धान स्टेशनों से प्राप्त 54 अ व वि नमूने, उ पू क्षे से 26 नमूनों और आई सी डी से 35 नमूनों को शामिल कर 449 कॉफी नमूनों का मूल्यांकन कायिकी और आर्गनोलेप्टिक क्वालिटी पैरामीटर्स के लिए किया गया।

- विश्लेष्णात्मक प्रयोगशाला ने पी एफ ए पैरामीटर्स के लिए 99 नमूनों ओटि ए के लिए 6 नमूनों का विश्लेषण किया उद्योग से प्राप्त कुल 97 माइश्चर मीटर का अनुसंशोधन किया गया।

- ‘फ्लेवर ऑफ इंडिया-फाइन कप अवार्ड्स - कप्पिंग प्रतियोगिता-2013’ के लिए कप्पिंग के अन्तिम राउण्ड हेतु चुने गए कॉफी नमूनो की जाँच नाइस, फ्रांस में 24 जून को अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के पैनल ने जाँच की।

- 2014 सीजन के लिए विभिन्न कॉफी क्षेत्रों से 137 अरेबिका और 90 रोबस्टा नमूनों को शामिल कर कुल 227 कॉफी नमूनों को मार्च 2014 के दौरान कायिक मूल्यांकन और पूर्व ज्यूरी कप्पिंग सत्र के लिए भेजा गया।

- कॉफी प्रोसेसिंग मशीनरी हेतु समर्थन के अन्तर्गत उपदान प्रदान करने के लिए उद्योग के पणधारियों द्वारा स्थापित छः भुनाई इकाईयों का निरीक्षण किया गया। क्यूरिंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए दो कॉफी क्यूरिंग वर्क्स का निरीक्षण किया गया।

- 2013-14 के दौरान क्वालिटी मूल्यांकन केन्द्र, कॉफी बोर्ड, बेंगलूर में चार कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 72 लोगों ने भाग लिया।

- 2013-14 के दौरान आई आई पी एम- सी आई ई द्वारा मुम्बई और कोलकाता में कॉफी उद्यम में दो तीन दिवसीय लघु अवधि कार्यकारी कार्यक्रम (एस टी ई पी) का आयोजन किया गया।

- “कॉफी क्वालिटी प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा” के 2012-13 बैच के सात छात्रों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम को पूरा किया। 2013-14 बैच के लिए आठ छात्र शामिल हुए हैं और उन्होंने प्रथम तिमाही के लिए 16 सितम्बर 2013 को सी सी आर आई में रिपोर्ट किया। पहला तिमाही पूरा करने के बाद दूसरी तिमाही के लिए उन्होंने 16 दिसम्बर 2013 को मुख्य कार्यालय में रिपोर्ट किया।

- नेशनल बारिस्ता चैम्पिचयनशिप 2014 का आयोजन दो फेज़ों में किया गया। पहला राउण्ड 16 से 18 जनवरी 2014 को मंत्री स्क्वेयर, सम्पिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूर में आयोजित किया गया और अन्तिम राउण्ड का आयोजन 24 जनवरी 2014 को होटल ललित अशोक, बेंगलूर में भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव के दौरान किया गया।

विस्तरण एवं विकास

(क) परम्परागत क्षेत्र

- वर्ष 2013-14 के दौरान विस्तरण कार्मिकों ने लगभग 26,286 एस्टेट संदर्शन किए। उन्होंने कॉफी खेती के विभिन्न पहलुओं पर किसानों को प्रशिक्षित करने

के लिए 106 ग्राम स्तरीय समूह बैठकें/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/सम्पर्क कार्यक्रम/अध्ययन दौरे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा विभिन्न कॉफी प्रौद्योगिकियों पर 6,311 क्षेत्र प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया और उपजकर्ताओं को 3,106 सलाहकारी पत्र जारी किए।

- कॉफी खेती, नाशिकीट/रोगों का एकीकृत प्रबन्धन, क्वालिटी कॉफी बनाने आदि के विभिन्न पहलुओं पर किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए और कॉफी बोर्ड के योजनाओं के वृहत प्रचार के लिए भी 20 समूह संचार/सम्पर्क कर्यक्रमों का आयोजन किया गया। 2013-14 के दौरान इन कार्यक्रमों के अधीन 1889 उपजकर्ताओं को आच्छादित किया गया।

- रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान 2,291 हे के क्षेत्र को पुनर्रोपण के अधीन लाया गया। विकास समर्थन योजना के जल आवर्धन के अन्तर्गत 2981 इकाइयों को और क्वालिटी उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत 1758 इकाइयों को उपदान दिए गए।

- फार्म संक्रियाओं के यंत्रीकरण योजना के अन्तर्गत 10345 मशीनरियों को समर्थन दिया गया जिससे 9,129 उपजकर्ता लाभान्वित हुए।

गैर परम्परागत क्षेत्र (आन्ध्र प्रदेश एवं ओडिशा)

- रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान, आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा के विस्तरण कार्मिक इन राज्यों के कॉफी उपजकर्ताओं के लाभ के लिए 3268 जातों का संदर्शन किया, 815 क्षेत्र प्रदर्शनियों का आयोजन किया और 266 समूह बैठकों का आयोजन किया।

- कॉफी खेती के विभिन्न पहलुओं पर 'एक दिवसीय प्रशिक्षण' कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 1,012 जनजाति उपजकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस क्षेत्र से 36 उपजकर्ताओं को परम्परागत कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों में अध्ययन दौरे पर ले जाया गया।

- अरेबिका बीज कॉफी के भिन्न किस्मों के 6426.50 कि.ग्रा. का मुहैय्या कर वर्ष के दौरान आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा के जनजाति उपजकर्ताओं और अन्य एजेन्सियों को वितरित किए गए।

- आई टी डी ए के समर्थन से कुल 3212.20हे. को कॉफी के अधीन लाया गया। 1034 पक्का सुखाने के यार्ड का निर्माण किया गया और इस क्षेत्र के उपजकर्ताओं को 250 बेबी पल्पर्स सप्लाई किए गए।

- श्रम कल्याण उपाय के अन्तर्गत 997 छात्रों को 21.705 रु की सहायता दी गई।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

- कॉफी खेती के विभिन्न पहलुओं पर कॉफी उपजकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए 754 सलाहकारी पत्र जारी करने के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र में बोर्ड के विस्तरण कार्मिकों ने 2,474 कॉफी जोतों का संदर्शन किया, 1190 क्षेत्र प्रदर्शनियों, 314 समूह बैठकें और 91 फार्म पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिससे 1709 उपजकर्ता लाभान्वित हुए। 54 क्वालिटी जागरुकता मुहिमों का आयोजन किया गया जिससे 1063 उपजकर्ता लाभान्वित हुए।

- भारतीय बागान प्रबन्धन संस्थान, बेंगलूर के सहयोग से उ पू क्षे के भविष्य हेतु पारिवारिक कॉफी व्यापार प्रबन्धन पर पहुँच कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के जाम्पुई हिल्स के 30 जनजातीय कॉफी उपजकर्ताओं ने भाग लिया। 26 आन्तरिक अध्ययन दौरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे 244 उपजकर्ता लाभान्वित हुए।

- लगभग 288.70 हे में कॉफी विस्तारण और लगभग 70.05 हे में समेकन का काम लिया गया है। 2013-14 के दौरान 105 सुखाने वाले यार्ड के निर्माण हेतु समर्थन दिया गया और उपजकर्ताओं को 122 बेबी पल्पर्स वितरित किए गए।

- मिज़ोरम के बुआलपुई में मिनी कॉफी क्यूरिंग वर्क्स और कॉफी क्यूरिंग वर्क्स, गुवाहाटी में लगभग 172 मे.ट. सूखे कच्ची कॉफी का प्रसंस्करण किया गया। बोर्ड ने इस क्षेत्र में उत्पन्न कॉफी के संग्रहण, प्रसंस्करण, परिवहन और निपटान के लिए वित्तीय समर्थन देना जारी रखा।

- श्रम कल्याण योजना के अन्तर्गत 56 छात्रों को 1,01,000/- रु की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

प्रोन्नति

- वार्षिक कार्य योजना 2013-14 के अंश के रुप में बोर्ड ने 13 समुद्रपारीय प्रदर्शनियों में भाग लिया। भागीदारी के दौरान बोर्ड ने भारतीय कॉफी निर्यातकों की सक्रिय अन्तर्ग्रस्तता से घटनाओं के साथ 5 विशेष घटनाओं/कप्पिंग का आयोजन किया।

- नाइस, फ्रांस में आयोजित एस सी ए ई विश्व कॉफी सम्मेलन में भागीदारी के दौरान कॉफी बोर्ड की प्रतिष्ठित घटना- कप्पिंग प्रतियोगिता-फ्लेवर ऑफ इण्डिया के फाइलन का भी आयोजन किया गया।

- कॉफी पीने को प्रोन्नत करने के सम्भाव्य क्षेत्रों को पहचानने के बाद बोर्ड ने देश के भिन्न स्थानों में 46 प्रसिद्ध आन्तरिक प्रदर्शनियों में भाग लिया।

- 2013-14 के दौरान 6 भुनाई इकाइयों का निरीक्षण किया गया और कॉफी प्रसंस्करण मशीनरी हेतु समर्थन अधीन को उपदान दिया गया।

- भारतीय कॉफी बोर्ड द्वारा प्रकाशित इण्डियन कॉफी पत्रिका को पुनर्गठित किया गया है। वे लेख जो हाल के दृश्यावली में अधिक संगत हैं उन्हें कॉफी पणधारियों के मार्गदर्शन के लिए प्रकाशित किया गया।

- कॉफी सेक्टर में उद्यम को प्रोत्साहित करने के लिए आई आई सी एफ 2014 के दौरान सी आई ई के सहयोग से 'भारत में कॉफी रोस्टिंग एण्ड ग्राइंडिग व्यापार की स्थापना और प्रबन्धन" नामक कॉफी व्यापार गाइड रिलीज़ किया गया।

बाजार अनुसंधान एवं इंटेलिजेन्स

- इकाई ने बाज़ार विश्लेषण के लिए मूल्य, आपूर्ति, मांग और अन्य मूलभूत और तकनीकी घटकों पर आवश्यक दैनिक बाज़ार सूचना को एकत्रित एवं समेकित कर उद्योग के विभिन्न सेक्टर के साथ-साथ सरकार को प्रसारित किया ।

- वर्ष के दौरान इकाई ने जुलाई 2013, अक्तूबर 2013, जनवरी 2014 और मार्च 2014 के महीनों के लिए कॉफी पर व्यापक डेटा बेस पर चार अंक प्रकाशित किया।

- 2013-14 के लिए अन्तिम प्राक्कलन और 2014-15 के पुष्पणोत्तर प्राक्कलन के साथ फसल प्रागुक्ति की गई।

- डब्ल्यू टी ओ और कॉफी के व्यापार नीति से सम्बन्धित मामलों पर बोर्ड और सरकार को आर्थिक एवं विश्लेषणात्मक समर्थन प्रदान किया।

- इकाई ने निर्यात अनुभाग के क्रिया कलापों का समन्वयन किया।

- विभिन्न विपणन फर्म अर्थात मेसर्स इण्डिया इन्श्यूर जोखिम प्रबन्धन एवं इन्श्यूरेन्स ब्रोकिंस सर्विसस प्रा. लि., मेसर्स यूनाइटेड इण्डिया इन्श्यूरेन्स कं लि. और मेसर्स ब्लैण्ड इन्श्यूरेन्स ब्रोकर्स प्रा.लि. को शामिल कर कृषि बीमा कम्पनी ऑफ इण्डिया लि.के जरिए कर्नाटक, केरल और तमिल नाडू में 2013-14 के दौरान कॉफी के लिए वृष्टि बीमा योजना का कार्यान्वयन किया गया। 2013-14 के दौरान, 1557 हे. के क्षेत्र को आच्छादित कर 751 कॉफी उपजकर्ताओं ने बीमा उत्पाद को खरीद।

- रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान कॉफी बोर्ड वेब साइट www.indiacoffee.org को वर्धित क्षमता, नई

आकृति और कॉफी समुदाय द्वारा ब्राउसिंग के लिए उपयोक्ता हितैषी बनाने के लिए नेशनल इनफोर्मेटिक्स सेन्टर, बेंगलूर की सहायता ने पुन: डिजाइन किया। सरकार की नीति के अनुसार पुन: डिज़ाइन किए गए वेबसाइट को एन आई सी सर्वर पर होस्ट किया गया। पुन: डिज़ाइन किए गए वेबसाइट का उद्घाटना वाणिज्य सचिव ने 24 जनवरी 2014 को भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव के दौरान किया। बाजार इन्टेलिजेन्स इकाई ने बोर्ड के वेबसाइट के रख-रखाव के काम को जारी रखा।

- इकाई ने घरेलू नीलामी केन्द्र आई सी टी ए को कॉ फी के सभी श्रेणियों के लिए साप्ताहिक प्राक्कलित सूचकांक मूल्य प्रदान किया।
- इकाई ने निर्यात और घरेलू कॉफी संवर्धन के क्रिया-कलापों के लिए भी समर्थन प्रदान किया अर्थात्,
  - नेशनल जोग्रफिकल चैनल द्वारा फिल्म 9 कॉफी पारखी " के निर्देशन में समन्वयन किया।
  - 9 कॉफीज ऑफ इण्डिया पर लघु फिल्म एवं टी वी सी के निर्देशन "

हेतु रुचि की अभिव्यक्ति की प्रक्रिया को आरम्भ किया।

प्रशासन :

वर्ष 2012-13 के दौरारन बोर्ड की एक बैठक का आयोजन हुआ।

- 31.03.2014 को यथास्थिति बोर्ड की स्टाफ संख्या 899 थी जिसमे 84 वर्ग 'क' अधिकारी, 179 वर्ग 'ख' अधिकारी और 636 वर्ग 'ग' कर्मचारी थे।
- कॉफी बागानों और कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों में स्थित कॉफी संसाधन संस्थापनों में नियुक्त श्रमिकों के बच्चों के हित के लिए शैक्षणिक वृत्तियों, प्रोत्साहन पुरस्कारों और वित्तीय सहायता के लिए 2013-14 के दौरान श्रम कल्याण उपाय के तहत 2,07,66,000/- की राशि मंजूर की गई। लाभानुभोगियों की कुल संख्या 9,497 थी।
- अवधि के दौरान बोर्ड ने वैयक्तिक कम्प्यूटर अग्रिम के लिए 75 कर्मचारियों को 22,50,000/- की राशि 13 कर्मचारियों को सवारी खरीद अग्रिम के लिए 3,90,000/- की राशी की स्वीकृति दी।

सतर्कता प्रभाग

- सतर्कता प्रभाग ने जुर्माना देते हुए चार मामलों को निपटाया और 15 मामले निपटान के लिए शेष हैं।
- देश भर में कॉफी बोर्ड के सभी कार्यालयों में 28 अक्तूबर 2014 से 2 नवम्बर 2013 तक सतकर्ता जागरुक्ता सप्ताह मनाया गया ।
- वर्ष के आरंभ में 41 मामले लम्बित थे और 7 नए मामले जोड़े गए। इन 48 मामलों में से 6 मामलों को निपटाया गया। शेष 42 मामलों में 12-विपणन तथा सी डी आर पी, 20-सेवा मामले, 7-एस एल पी मामले, मामले और 3-अन्य मामलों से सम्बन्धित थे।
- बोर्ड ने पूल एजेन्ट मेसर्स रहमानिया कॉफी वर्क्स, मेट्टुपाल्यम (तमिल नाडु) के विरुद्ध सिटी सिविल न्यायालय, बेंगलूरु के समक्ष ओ एस सं.5298/1991 के तहत 1,48,18,252/- की वसूली के लिए मुकदमा दायर किया। यह पूल एजेन्ट द्वारा 1983 और 1990 के बीच दुर्विनियोजित पूल निधि धन है। कथित मुकदमे को निपटाया गया और आदेश दिनांक 02.01.2013 के तहत बोर्ड के पक्ष में निर्णीत किया गया।

क्रय कर/विक्रय कर विवाद की स्थिति

- बोर्ड ने पूल एजेन्ट मेसर्स रहमानिया कॉफी वर्क्स, मेट्टुपाल्यम (तमिल नाडु) के विरुद्ध सिटी सिविल न्यायालय, बेंगलूरु के समक्ष ओ एस सं.5298/1991 के तहत 1,48,18,252/- की वसूली के लिए मुकदमा दायर किया। यह पूल एजेन्ट द्वारा 1983

और 1990 के बीच दुर्विनियोजित पूल निधि धन है। कथित मुकदमे को निपटाया गया और आदेश दिनांक 02.01.2013 के तहत बोर्ड के पक्ष में निर्णीत किया गया।

सूचना का अधिकार

- सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अधीन वर्ष 2013-14 के दौरान सूचना/ कागज़ातों की मांग करते हुए भारत के नागरिकों से बोर्ड ने 105 आवेदन प्राप्त किए और वर्ष के आरम्भ में 08 आवेदल लम्बित थे, 113 आवेदन निपटान हेतु थे। वर्ष के दौरान 106 आवेदनों को निपटाया गया और 07 आवेदन निपटान हेतु लम्बित हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान 22 अपीलें प्राप्त हुई और सभी 22 अपीलों के निपटाया गया है।
- बोर्ड के इंजीनियरिंग प्रभाग ने 2.06 करोड रुपयों के व्यय के साथ विभिन्न संरचनात्मक विकास एवं अनुरक्षण कार्य किया है।

राजभाषा कार्यान्वयन

- राजभाषा स्कंध ने राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार अपने कार्यों को करना जारी रखा और भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2013-2014 में निर्धारित लक्ष्यों का प्राप्त किया ।
- निर्धारित किए अनुसार, मंत्रालय और **क** व **ख** क्षेत्र में स्थित कार्यालयों को भेजे गए सभी पत्र द्विभाषी रुप अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में थे । हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया गया ।
- राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अनुपालन को सुनिश्चित किया गया और केन्द्र सरकार को भेजे जाने वाले सभी रिपोर्ट द्विभाषी रुप में भेजे गए । कॉफी बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा को हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित कर प्रस्तुत किए गए ।
- बोर्ड में एक विशेष प्रोत्साहन योजना जारी है जिसमें कोई भी कर्मचारी नेमी कार्यालय फाइलों आदि में हिन्दी में 5000 शब्द लिखने पर प्रति वर्ष 2000 की राशि पाने का हकदार होता है । इस योजना में 11 कर्मचारियों ने भाग लिया और उन्हें प्रोत्साहन प्रदान किया गया ।
- बोर्ड में नियमित कार्यालय विषयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग और प्रगति को देखने के लिए मुख्य कार्यालय के विभिन्न अनुभागों और कुछ उप कार्यालयों का आवधिक निरीक्षण किया गया। वर्ष के दौरान बोर्ड के 27 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया ।
- हिन्दी के प्रगामी से सम्बन्ध्ति समेकित तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा रिपोर्ट राजभाषा विभाग, गृह मंत्रलाय, नई दिल्ली को प्रेषित किया गया ।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया । वाणिज्य विभाग की हिन्दी सलाहाकार समिति और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर की बैठकों में नियमित भागीदारी को सुनिश्चित किया गया ।
- हिन्दी शिक्षण योजना के अधीन नवम्बर 2013 में आयोजित हिन्दी प्राज्ञ की परीक्षा में बोर्ड के 8 कर्मचारी उत्तीर्ण हुए ।
- मुख्य कार्यालय के 116 कम्प्यूटर, सी सी आर आई, बालेहोन्नूर और चिकमगलूर विस्तरण कार्यालय के सभी कम्प्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय किया गया है।
- राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 10(4) के अधीन, कॉफी बोर्ड के छ: उप कार्यालयों को राज्यपत्र में अधिसूचित कर लिया गया है (पत्र दिनांक 02.04.2013)।
- भारतीय स्वतंत्रता की 50 वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर एक चल वैजयन्ती की स्थापना की गई थी। इस

अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर के अन्तर्गत आने वाले सभी केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के लिए प्रति वर्ष एक हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी 13.08.2013 को इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 15 विभिन्न कार्यालयों से प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया और वायुसेना स्टेशन, जालहल्ली को रोलिंग शील्ड मिला ।

- 20.09.2013 को हिन्दी दिवस मनाया गया और हिन्दी दिवस से पहले हिन्दी पखवाडे के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेता प्रतिभागियों को हिन्दी दिवस के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

- वर्ष 2013-14 के दौरान 21,246/- की हिन्दी पुस्तकों की खरीद की गई।

- लोकप्रिय हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं में कॉफी पर प्रकाशित हिन्दी विज्ञापनों के लिए 60,23,925/- की राशि खर्च की गई।

- दिनांक 10.02.2014 को चेन्नई में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा स्कन्ध के अधिकारियों ने भाग लिए।

- राजभाषा के कार्यान्वयन की दिशा में अत्युत्तम कार्य निष्पादन के लिए गैर तकनीकी कार्यालयों के अधीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर द्वारा प्रथम पुरस्कार और 'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में कॉफी बोर्ड को वर्ष 2012-13 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

✦ ✦ ✦

अध्याय - II

बोर्ड का गठन एवं कार्य

कॉफी बोर्ड, संसद द्वारा अधिनियमित कॉफी अधिनियम 1942 के तहत गठित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण अधीन एक सांविधिक संगठन है।

बोर्ड में, अध्यक्ष जो मुख्य कार्यपालक हैं, को शामिल कर 33 सदस्य होते हैं और सांसदों, कॉफी उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को शामिल कर 32 सदस्यों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

वर्तमान बोर्ड को 07.01.2014 से 06.01.2017 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित किया गया।

वर्ष 2013-14 के दौरान कॉफी बोर्ड के सदस्य

रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान श्री जावेद अख्तर, आई.ए.एस, बोर्ड के अध्यक्ष और बोर्ड के विभिन्न समितियों के पदेन अध्यक्ष भी हैं।

अवधि के दौरान पुनर्गठित बोर्ड के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों का विवरण निम्नानुसार हैं :-

2013-14 तक बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफी नियम 1955 के अधीन नियुक्त	सदस्यों की संख्या	नाम
1	सांसद (लोक सभा)	नियम 3 (1)	2	**श्री डी.बी.चन्द्रे गौडा** (07.01.2014 से) **श्री एम.आई.शानवास** (07.01.2014 से)
	सांसद (राज्य सभा)	नियम 3 (1)	1	(रिक्त)
2	प्रमुख कॉफी उगाने वाले राज्य सरकारों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (क)	4	**प्रधान सचिव (जनजातीय कल्याण)** समाज कल्याण विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद। **प्रधान सचिव,** कर्नाटक सरकार, बागवानी विभाग, कर्नाटक सरकार, बेंगलूर।

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफी नियम 1955 के अधीन नियुक्त	सदस्यों की संख्या	नाम
				श्री वी.सोमसुन्दरन, आई.ए.एस., अपर मुख्य सचिव, उद्योग और वाणिज्य विभाग, केरल सरकार, तिरुवनन्तपुरम। **कृषि उत्पादन आयुक्त और सचिव** कृषि विभाग तमिल नाडु सरकार, चेन्नई।
3	बड़े कॉफी उपजकर्ता के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	3	**डॉ.एन.के.प्रदीप** **श्री अनिल कुमार भण्डारी** **श्री इमानुअल टी.रामपुरम**
4	छोटे कॉफी उपजकर्ता के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	7	**श्री जबीर असग़र** **श्री बी.एस.जयराम** **श्री डी.एम.विजय** **श्रीमती ए.तारा अय्यम्मा** **श्री विजय जागीरदार** **श्री वसन्त लक्ष्मीनारायण** **श्री सी.पी.वर्गिस**
5	कॉफी व्यापार हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	**श्री डी.एम.पूर्णेश** **डॉ एस.एम.कावेरप्पा** **श्री रमेश राजा**
6	कॉफी संसाधन स्थापना के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	**श्री ए.एन.देवराज** **श्री के.एम.इब्राहिम**
7	श्रम हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	4	**श्री जी.भास्कर** **श्री एन.एम.अड्यन्ताया** **प्रो.के.पी.थॉमस** **श्री आर.चन्द्रशेखरन**

8	प्रमुख कॉफी उगाने वाले राज्यों को छोडकर अन्य राज्यों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	**श्री के.वी.सत्यनारायण, आई.ए.एस** अपर मुख्य सचिव कृषि विभाग के प्रभारी सचिव त्रिपुरा सरकार, अगरतला। **श्री राजेश प्रसाद, आई.ए.एस** आयुक्त उद्योग और वाणिज्य असम सरकार, गुवाहाटी।
9	उपभोक्ताओं के हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	**श्रीमती उमा आई.बी.शंकर** **श्री इफ्तेखार खान**
10	इन्स्टेन्ट कॉफी विनिर्माता के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	1	**श्री सी.राजेन्द्र प्रसाद**
11	कॉफी के अनुसंधान/विपणन/प्रबंधन/प्रोन्नति के क्षेत्र में एक विशिष्ट व्यक्तित्व	नियम 3 (2) (ग)	1	**डॉ पीटर मथाइस**

बोर्ड के कार्य

बोर्ड को सौंपे गए प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं :

- कॉफी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिक अनुसंधान का संवर्धन।
- कॉफी एस्टेटों को उनकी अभिवृद्धि हेतु सहायता।
- भारत में उत्पादित कॉफी का भारत में तथा अन्यत्र बिक्री एवं खपत का संवर्धन।
- बेहतर कार्य स्थिति सुरक्षित करना और कामगारों के लिए सुविधा एवं प्रोत्साहन में सुधार और प्रावधान लाना।
- कॉफी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अन्य सभी प्रचालनों का प्रबंधन।

इसके अलावा, बोर्ड उद्योग से सम्बन्धित सांख्यिकीय और अन्य संगत आंकडे संग्रहित कर उद्योग के विभिन्न खंडों में सूचना को प्रसारित भी करता है ; कॉफी उद्योग की तरफ से सरकार, मीडिया, व्यापार और आम जनता के लिए मान्य प्रवक्ता के रुप में कार्य करता है और देश में कॉफी उद्योग के सम्पूर्ण बढ़त और विकास के लिए मार्गदर्शन देता है।

कॉफी बोर्ड, अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान संगठनों, स्पेशियालिटी कॉफी संघों जैसे अन्तर्राष्ट्रीय फोरम में भारतीय कॉफी उद्योग का प्रतिनिधित्व भी करता है और कॉफी उद्योग के लाभ के लिए उनके साथ काम करता है।

सांविधिक समितियां :

बोर्ड अपनी छः सांविधिक समितियों के जरिए काम करता है। प्रत्येक समिति एक वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त की जाती है। कॉफी अधिनियम के अनुसार प्रत्येक समिति के कार्य निम्नानुसार हैं :

क्र.सं.	समिति का नाम	कार्य
1	कार्यकारी समिति	कॉफी नियम के अधीन उसको विशेषतया सौंपे गए कार्यों को करती है। इसके अतिरिक्त प्रचार, विपणन, अनुसन्धान या बोर्ड द्वारा गठित कोई अन्य समितियों को विशेषतया न दिए गए कार्यों को करती है।
2	प्रचार समिति	भारत में उत्पादित कॉफी के भारत में तथा अन्यत्र बिक्री की प्रोन्नति तथा उपभोग को बढ़ाने से संबंधित विषयों का काम करती है।
3	विपणन समिति	अधिनियम तथा नियम में निर्धारित कॉफी विपणन योजना के कार्यों को करती है।
4	अनुसंधान समिति	भारत में कॉफी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान की प्रोन्नति से संबंधित कार्यों को करती है।
5	विकास समिति	कॉफी एस्टेटों के विकास हेतु किए जानेवाले उपायों से संबंधित कार्य करती है।
6	क्वालिटी समिति	भारत में उत्पादित कॉफी की गुणता में सुधार से संबंधित सभी मामलों को संभालने का काम करती है।

गैर सांविधिक समितियां :

बोर्ड में एक गैर-सांविधिक समिति भी है अर्थात् लेखा परीक्षा समिति, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	समिति का नाम	कार्य
1.	लेखा परीक्षा समिति	यह समिति वार्षिक लेखा से संबंधित विषयों को देखती है और लेखों पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट की स्थिति का अध्ययन भी करती है।

01.04.2013 से 31.03.2014 तक की अवधि के दौरान बोर्ड, सांविधिक समितियों तथा गैर-सांविधिक समितियों की बैठकों का विवरण

क्र.सं.	समिति का नाम	बैठक का दिनांक
1.	198 वीं बोर्ड बैठक	08.02.2014

✦ ✦ ✦

अध्याय-III

प्रशासन एवं स्थापना

कॉफी बोर्ड, कॉफी अधिनियम, 1942 (1942 के अधिनियम) के अन्तर्गत गठित एक सांविधिक निकाय है जिसका निरन्तर उत्तराधिकार और सामान्य मुद्रा है और उसे सम्पत्ति प्राप्त करने और उसको अपने पास रखने, संविदा करने, मुकदमा चलाने और मुकदमा चलवाए जाने का अधिकार है।

अध्यक्ष

1. श्री जावेद अख्तर, आई ए एस, बोर्ड के अध्यक्ष हैं ।

विभागों के प्रधान

रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान, निम्नलिखित विभागों के प्रधान उनके नामों के सम्मुख दर्शाए पदों पर कार्यरत थे।

1. श्री एम.चन्द्रशेखर, आई टी एस - सचिव
2. डॉ.आरती दीवान गुप्ता, आई डी ए एस - वित्त निदेशक
3. डॉ.जयराम, अनुसंधान निदेशक (31.01.2014 तक)
4. डॉ.वाई.रघुरामुलु, अनुसंधान निदेशक (प्र) 01.02.2014 से

अलग अलग विभागों एवं उनके स्कन्धों को सौंपे गए उत्तरदायित्व निम्नानुसार हैं :

1. सचिवालय विभाग

सचिवालय विभाग सभी प्रशासनिक (स्टाफ और कार्यालय स्थापना) और सतर्कता मामले, बोर्ड के विभिन्न प्रभागों/इकाईयों में कार्य आबंटन और सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत सूचना प्रस्तुत करने के अनुपालन को मानीटर करने के लिए जिम्मेदार है। यह विभाग श्रम कल्याण उपायों सम्बन्धी स्कीम का मानीटर करने के अलावा बोर्ड और सांविधिक समितियों की बैठकें आयोजित करने का कार्य भी करता है।

सचिवालय विभाग से सम्बद्ध 6 इकाई निम्नानुसार हैं :-

i) प्रशासन इकाई

ii) राजभाषा इकाई

iii) सतर्कता इकाई

iv) कानूनी इकाई

v) इंजीनियरिंग इकाई और

vi) सूचना का अधिकार इकाई

2. अनुसन्धान विभाग

अनुसन्धान विभाग विभिन्न अनुसंधान क्रियाकलाप कार्यान्वित करने के लिए जिम्मेदार है जो पौधा प्रजनन, पौधा प्रबन्धन, रोग और नाशिकीट प्रबन्धन को शामिल कर पौधा संरक्षण, फार्म पर बाहर / संसाधन की फसलोत्तर कार्य प्रणाली, प्रदूषण उपशमन आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित रहे। अनुसंधान विभाग रोपण समुदाय को सलाहकारी सेवाएं देने के साथ साथ विभिन्न पणधारियों के हित के लिए बहुत से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विश्लेषिक प्रयोगशाला तथा क्वालिटी प्रभाग, अनुसंधान विभाग के अन्य इकाइयां हैं जो उद्योग को क्वालिटी मूल्यांकन सहयोग प्रदान करते हैं।

3. विस्तरण तथा विकास विभाग

बोर्ड के विस्तरण विभाग ने कॉफी की उच्च उत्पादकता तथा गुणता स्तरों को प्राप्त करने के उद्देश्य से लगातार प्रौद्योगिकी के अन्तरण हेतु अनुसन्धान समुदाय तथा कॉफी उपजकर्ताओं के बीच कड़ी स्थापित किया। विभाग कॉफी खेती से संबन्धित

विभिन्न क्रिया कलापों, उत्पादन एवं क्वालिटी की उन्नति पर कॉफी उपजकर्ताओं को विकास सहायता भी प्रदान करता है।

4. बाजार व प्रोन्नति विभाग

विभाग का निर्यात इकाई, निर्यातकों के पंजीकरण, पंजीकरण का नवीकरण, निर्यात परमिट जारी करने, भारत से कॉफी के निर्यात के लिए आई सी ओ मूल प्रमाणपत्र, मंत्रालय को आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और भारत से निर्यातित कॉफी पर आई सी ओ प्रमाणपत्र जारी करने के लिए जिम्मेदार है। इसके साथ दूरस्थ बाजारों को उच्च मूल्य कॉफी के निर्यात हेतु प्रोत्साहन समर्थन देने और इण्डियन ब्रैंड के रूप से मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात को बढ़ाने और कॉफी निर्यातों में सर्वोत्तम निष्पादन की पहचान में निर्यात पुरस्कार देने का काम करता है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इवेन्ट्स, अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन के संविमर्श में भाग लेने और ब्रैंड प्रोन्नति क्रिया कलापों के जरिए बाह्य प्रोन्नति की गई थी।

घरेलू प्रोन्नति के अन्तर्गत संवर्धनीय क्रिया कलापों को घरेलू घटनाओं में भाग लेने, मीड़िया मुहिम और कॉफी भुनने, पीसने और पैकेजिंग इकाई लगाने के लिए भावी उद्यमियों को प्रशिक्षण देने के जरिए किया गया। यह प्रशिक्षण, प्रसंस्करण इकाइयां लगाने के लिए स्कीम का पूरक था।

बाजार अनुसंधान और इंटेलिजेन्स इकाई ने कॉफी निर्यात के सम्बन्ध में उद्योग के सुगमीकारक के रुप में बोर्ड की भूमिका को निभाते हुए अपनी बाजार सूचना और इन्टेलिजेंस क्रिया कलापों को जारी रखा। यह इकाई फसल स्थिति, फसल प्राक्कलन तथा बाजार आँकडे/ सूचना, उद्योग से सम्बन्धित निर्यात और उपयोगी व्यापार सम्बंधी आंकडे का दैनिक आधार पर मानीटर करते हुए उनकी सूचना देती है।

5. लेखा व वित्त विभाग

बोर्ड का लेखा और वित्त विभाग, बोर्ड के बजट का आबंटन/ प्रशासन, बोर्ड के लेखों का प्रबन्धन और वित्त प्रबन्धन से सम्बन्धित सभी मामलों को देखता है। बोर्ड की आन्तरिक लेखा परीक्षा पार्टी (आई ए पी) विभाग का एक अंश है जो कार्यालय के कार्यों और रिकार्डों के रख रखाव में सुचारुता को सुनिश्चित करने हेतु मुख्य कार्यालय और उप कार्यालयों के वित्त और लेखा की आन्तरिक जांच करती है। इस संबंध में, मुख्यालय में परामर्शदाताओं को नियुक्त किया गया है।

सचिवालय विभाग

प्रशासन इकाई :

(क) सीधी भर्ती :

वर्ष के दौरान कोई भर्ती नहीं की गई।

(ख) पदोन्नतियां :

वर्ष के दौरान निम्नलिखित काडरों में 19 अधिकारियों/ कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया ।

◆ संयुक्त निदेशक (विस्तरण)	1
◆ उप निदेशक (विस्तरण)	5
◆ वरिष्ठ संपर्क अधिकारी	9
◆ ड्राइवर ग्रेड - I	2
◆ ड्राइवर ग्रेड - II	2

(ग) संशोधित आश्वस्त सेवाकालीन उन्नयन योजना (एम ए सी पी एस) :

- वर्ष के दौरान संशोधित आश्वस्त सेवाकालीन उन्नयन योजना (एम ए सी पी एस) के अन्तर्गत 107 कार्मिकों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया।

(घ) संशोधित नम्य पूरक योजना (एम एफ सी एस):

- वर्ष के दौरान संशोधित नम्य पूरक योजना (एम एफ सी एस) के अन्तर्गत किसी को यथावत पदोन्नति नहीं मिली।

ङ) **स्थानान्तरण :**

- सामान्य स्थानान्तरण के दौरान 60 अधिकारी/ कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया जो इस विषय पर मार्गदर्शनों के आधार पर किए गए थे और जिनका विवरण निम्न है :

वर्ग	स्थानान्तरित अधिकारी/ कर्मचारियों की संख्या
'क'	18
'ख"	20
'ग"	22

च) **कर्मचारी कल्याण उपाय**

i) **सवारी खरीद अग्रिम :**

वर्ष के दौरान, सवारी खरीद अग्रिम के लिए प्रत्येक कर्मचारी को 30,000/- के हिसाब से 13 कर्मचारियों को 3,90,000/- की राशि स्वीकृत की गई।

ii) **वैयक्तिक कम्प्यूटर अग्रिम :**

वर्ष के दौरान, वैयक्तिक कंप्यूटर अग्रिम के लिए प्रत्येक कर्मचारी को 30,000/- के हिसाब से 75 कर्मचारियों को 22,50,000/- की राशि स्वीकृत की गई।

iii) **भवन निर्माण अग्रिम :**

वर्ष के दौरान, भवन निर्माण के लिए कोई राशि स्वीकृत नहीं किया गया।

iv) **सामूहिक बचत सहबद्ध बीमा योजना :**

बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम के सहयोग से 'सामूहिक बचत सहबद्ध बीमा योजना" को संचालित करता है। विभिन्न श्रेणी के 871 सदस्य इस योजना में नामांकित हैं और वर्ष के दौरान 48 सदस्यों को 21,79,195/- की राशि का निपटारा किया गया।

छ) **श्रम कल्याण उपाय**

i) **शैक्षणिक वृत्तिः-** शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में एस एस एल सी पास करने वाले छात्रों और शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में एस एस एल सी के पश्चात प्रथम वर्ष पी यू सी, पोलीटेकनीक/ व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे उच्च अध्ययन लेने वाले छात्रों को प्रति छात्र 1500/- के दर पर छात्रवृत्ति दिए गए।

ii) **प्रोत्साहन पुरस्कारः-** शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में एस एस एल सी की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त कर आगे की पढ़ाई जारी करने के लिए प्रत्येक प्रभाग में एक छात्रा को 1500/- और एक छात्र को 1000/- का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

iii) **वित्तीय सहायताः-** व्यावसायिक पाठ्यक्रम लेकर पढ़ने वाले छात्रों के अलावा ग्रेजुएट छात्रों को वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से योजना को 2009-10 से संशोधित किया गया। वर्ष के दौरान दी गई वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का विवरण	पाठ्यक्रम के सम्पूर्ण अवधि के लिए प्रति वर्ष प्रति छात्र को राशि
1.	मेडिसिन, इंजीनियरिंग, कृषि, फार्मेसी, बी एस सी व एम एस सी नर्सिंग और ए एन एम पाठ्यक्रम जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम	5,000/-
2.	ग्रेजुएशन	2,500/-

श्रम कल्याण उपाय के अन्तर्गत बोर्ड ने वर्ष 2013-14 के दौरान 9,497 लाभानुभोगियों को 2,07,66,000/- की राशि प्रदान की।

ज) 31.03.2014 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड की कुल स्टाफ संख्या

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन-जाति और महिला स्टाफ की संख्या के साथ 31.03.2014 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड की वर्गवार स्टाफ संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	कुल		अ.जा/अ.ज.जा				महिला	
	वर्ग	कर्मचारियों की संख्या	अ.जा (सं.)	अ ज.जा (सं.)	कुल सं. का %		महिला (सं.)	कुल सं. का %
					अ.जा	अ ज.जा		
1.	'क'	84	15	6	17.86	7.14	11	13.10
2.	'ख'	179	32	8	17.88	4.47	25	13.97
3.	'ग'	636	115	38	18.08	5.97	137	21.54
	योग	**899**	**162**	**52**	**18.02**	**5.78**	**173**	**19.24**

राजभाषा स्कन्ध

राजभाषा स्कंध ने राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार अपने कार्यों को करना जारी रखा और भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2013-2014 में निर्धारित लक्ष्यों का प्राप्त किया।

- निर्धारित किए अनुसार, मंत्रालय और क व ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों को भेजे गए सभी पत्र द्विभाषी रुप अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में थे। हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया गया।
- राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अनुपालन को सुनिश्चित किया गया और केन्द्र सरकार को भेजे जाने वाले सभी रिपोर्ट द्विभाषी रुप में भेजे गए। कॉफी बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा को हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित कर प्रस्तुत किए गए।
- बोर्ड में एक विशेष प्रोत्साहन योजना जारी है जिसमें कोई भी कर्मचारी नेमी कार्यालय फाइलों आदि में हिन्दी में 5000 शब्द लिखने पर प्रति वर्ष 2000 की राशि पाने का हकदार होता है। इस योजना में 11 कर्मचारियों ने भाग लिया और उन्हें प्रोत्साहन प्रदान किया गया।
- बोर्ड में नियमित कार्यालय विषयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग और प्रगति को देखने के लिए मुख्य कार्यालय के विभिन्न अनुभागों और कुछ उप कार्यालयों का आवधिक निरीक्षण किया गया और सम्बन्धित अनुभाग/कार्यालयों को निरीक्षण रिपोर्ट भेजे गए ताकि वे जहां जरुरत पड़े अपनी कमी में सुधार ला सकें। वर्ष के दौरान बोर्ड के 27 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।
- हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित समेकित तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को ऑन लाइन के जरिए प्रेषित किया गया।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग की हिन्दी सलाहाकार समिति और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर की बैठकों में नियमित भागीदारी को सुनिश्चित किया गया।

- हिन्दी शिक्षण योजना के अधीन नवम्बर 2013 में आयोजित हिन्दी प्राज्ञ की परीक्षा में बोर्ड के 8 कर्मचारी उत्तीर्ण हुए।

- मुख्य कार्यालय के 116 कम्प्यूटर, सी सी आर आई, बालेहोन्नूर और चिकमगलूर विस्तरण कार्यालय के सभी कम्प्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय किया गया है।

- राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 10(4) के अधीन, कॉफी बोर्ड के छ: उप कार्यालयों को राज्यपत्र में अधिसूचित कर लिया गया है (पत्र दिनांक 02.04.2013)।

- भारतीय स्वतंत्रता की 50 वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर एक चल वैजयन्ती की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर के अन्तर्गत आने वाले सभी केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के लिए प्रति वर्ष एक हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी 13.08.2013 को इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 15 विभिन्न कार्यालयों से प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया और वायुसेना स्टेशन, जालहल्ली को रोलिंग शील्ड मिला।

- 20.09.2013 को हिन्दी दिवस मनाया गया और हिन्दी दिवस से पहले हिन्दी पखवाडे के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेता प्रतिभागियों को हिन्दी दिवस के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

- वर्ष 2013-14 के दौरान 21,246.00 ₹ की हिन्दी पुस्तकों की खरीद की गई।

- लोकप्रिय हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं में कॉफी पर प्रकाशित हिन्दी विज्ञापनों के लिए 60,23,925.00 ₹ की राशि खर्च की गई।

- दिनांक 10.02.2014 को चेन्नई में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा स्कन्ध के अधिकारियों ने भाग लिए।

- राजभाषा के कार्यान्वयन की दिशा में अत्युत्तम कार्य निष्पादन के लिए गैर तकनीकी कार्यालयों के अधीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूर द्वारा प्रथम पुरस्कार और "ग" क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में कॉफी बोर्ड को वर्ष 2012-13 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

सतर्कता इकाई

सतर्कता इकाई निम्नलिखित कार्यों को संपादित करने के लिए जिम्मेदार है:-

- शिकायतें दर्ज करना और उन पर कार्रवाई करना।

- बोर्ड की सेवा में भर्ती किए गए व्यक्तियों के चरित्र तथा पूर्ववृत्त का सत्यापन।

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और केन्द्रीय सतर्कता आयोग को प्रेषित करने के लिए आवधिक विवरणी तैयार करना।

- भिन्न उद्देश्यों के लिए कॉफी बोर्ड के अधिकारी/ कर्मचारियों को सतर्कता निकासी जारी करना।

- कॉफी निर्यातक के रुप में पंजीकरण करने के लिए निर्यातकों को सतर्कता निकासी जारी करना।

- बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के चल/अचल संपत्ति प्राप्त करने के लिए दिए गए आवेदनों को साधित करना। वर्ग क और वर्ग ख अधिकारियों के अचल संपत्ति विवरणी की संवीक्षा करना।

- उप कार्यालयों/मुख्य कार्यालय के विभिन्न अनुभागों की आकस्मिक सतर्कता जाँच।

- अनुशासनात्मक क्रियाविधि के लिए फाइल साधित करना।

सतर्कता मामलों का विवरण

क्र. सं.	विवरण	सं.
(i)	वर्ष के आरम्भ में अर्थात् 01.04.2013 को यथास्थिति लम्बित मामले	14
(ii)	वर्ष के दौरान जोड़े गए नए मामले	05
(iii)	सरकार को संदर्भित किए गए मामले	02
(iv)	वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों की संख्या	04
(v)	31.03.2014 को यथास्थिति निपटान हेतु लम्बित मामलों की संख्या (सरकार को संदर्भित किए गए मामलों सहित)	15

वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों के कार्यों पर निरन्तर चौकसी रखी गयी, मुख्य कार्यालय के विभिन्न अनुभागों और उप-कार्यालयों में आकस्मिक जाँच किए गए। इसके परिणामस्वरूप, 4 मामलों में अनुशासनिक कार्रवाई की गई। आगे 6 मामलों पर जांच की जा रही है।

देश भर में कॉफी बोर्ड के सभी कार्यालयों में 28 अक्तूबर 2013 से 02 नवम्बर 2013 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया।

कानूनी इकाई

कानूनी प्रकोष्ठ निम्नलिखित कार्यों को करने के लिए जिम्मेदार है :

- विपणन/स्टाफ/बिक्री/खरीद/सेवा कर और श्रम आदि से सम्बन्धित बोर्ड के सभी कानूनी विषयों को देखता है।
- विभिन्न न्यायालयों जैसे उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, श्रम न्यायालय, निम्न न्यायालय और विक्रय कर अपीलेट फोरम आदि के समक्ष लम्बित तत्संबंधी राज्यों का मुकदमेबाजी को देखता आया है।
- वाद-पत्र/जवाबी और विवादों को तैयार करने के लिए बोर्ड के वकीलों को संगत रिकार्ड देते हुए समन्वयन और सहायता करता है ।
- कर (विक्रय कर और खरीद कर दोनों) और सेवा कर/सेवा मामले, कॉफी अधिनियम के संशोधन और कानूनी विषयों पर वाणिज्य मंत्रालय से पत्राचार को संभालता है।
- वैट, सेवा कर, वृत्ति कर आदि के अन्तर्गत आवधिक प्रतिलाभों को दायर करने से सम्बन्धित कार्यों को देखता है और जहाँ कहीं भी देय हो वहाँ देय करों को अदा करता है।
- विभिन्न अनुभागों जैसे निर्यात, पेंशन, इंजीनियरिंग, प्रशासन आदि द्वारा सन्दर्भित फाइलों पर अपना मत देता है।

न्यायालय मामलों की स्थिति :

वर्ष के आरंभ में 41 मामले लम्बित थे और 7 नए सेवा संबंधी मामले जोड़े गए। इन 48 मामलों से 6 मामलों को निपटा दिए गए । शेष 42 में 20-सेवा मामले, 7-एस एल पी मामले, 12-विपणन तथा सी डी आर पी मामले और 3-अन्य मामलों से सम्बन्धित थे। वर्ष के दौरान 6 मामलों को निपटाया गया।

विशेष उपलब्धियां :

बोर्ड ने पूल एजेन्ट मेसर्स रहमानिया कॉफी वर्क्स, मेट्टुपाल्यम (तमिल नाडु) के विरुद्ध सिटी सिविल न्यायालय, बेंगलूरु के समक्ष ओ एस सं.5298/1991 के तहत 1,48,18,252/- ₹. की वसूली के लिए मुकदमा दायर किया। यह पूल एजेन्ट द्वारा 1983 और 1990 के बीच दुर्विनियोजित धन पूल निधि धन है। कोर्ट ने प्रतिवादी बोर्ड के कोर्ट लागत को अदा करने का निदेश दिया। बोर्ड ने पूल एजेन्ट और यूनाइटेड इण्डिया इन्श्यूरेन्स कं बेंगलूर को सिटी सिविल कोर्ट के आदेश के

अनुपालन में आज्ञप्त राशि अदा करने को कहा है। चूँकि निम्न न्यायालय ने पूल एजेन्ट द्वारा देय ब्याज पर कोई आदेश पारित नहीं किया है बोर्ड ने एक समीक्षा याचिका दायर किया है जो निपटान हेतु लम्बित है। इस बीच यूनाइटेट इण्डिया इन्श्यूरेन्स कं ने निम्न कोर्ट के आदेश और आज्ञप्ति दावा करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक अपील दायर किया है।

क्रय कर-विक्रय कर विवाद की स्थिति :

तमिल नाडू सरकार : बोर्ड ने कर/जुर्माना/ब्याज के बकाए के निपटारे के लिए समाधान योजना का उपयोग किया और 12 करोड रुपये और ब्याज जुर्माने की माँग के सम्मुख 6.80 करोड़ रुपयों का पूर्ण और अंतिम निपटान किया। बोर्ड ने मूल्यांकन वर्ष 1983-84, 1987-88 से 1996-97 तक के वर्षो के लिए समाधान योजना का उपयोग करते हुए पिछले वर्ष के दौरान कम किए गए कर देयों को निपटाने के बाद देय शेष कर और ब्याज की छूट पर पुष्टि प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तमिल नाडू सरकार के सम्बन्धित प्राधिकारियों से विषय को लिया।

केरल सरकार : केरल उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 29.8.2008 के तहत 1984-85 से 1990-91,1994-95 से 1996-97 तक के वर्षों के लिए केन्द्रीय विक्रय कर के आरोपण की पुष्टि करते हुए एस टी ए टी द्वारा जारी किए आदेश को अस्वीकृत कर दिया और मामले की विधि अनुसार पुन: जांच करने के लिए मूल्यांकन अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। इसी प्रकार सी एस टी के तहत वर्ष 1991-92 से 1993-94 एवं 2000-2001 तथा के जी एस टी के तहत वर्ष 1991-92 से 1993-94, 1996-97 एवं 1997-98 से सम्बन्धित अपीलों को एस टी ए टी ने अपने दिनांक 26-9-2012 के आदेश के तहत मूल्यांकन अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। बोर्ड ने मांग की छूट के लिए उपलब्ध संगत रिकार्ड प्रस्तुत किया। मूल्यांकन अधिकारी ने वर्ष 1984-85 से 1990-91, 1994 से 1995 से 1996-97 के लिए सी एस टी के आरोपण की पुष्टि करते हुए नोटिस दिनांकित 11-3-2013 जारी किया। कथित नोटिस के लिए बोर्ड ने एक विस्तृत जवाब दिया है। कथित जवाब मूल्यांकन अधिकारी के विचाराधीन है।

इंजीनियरिंग प्रभाग

कॉफी बोर्ड के देश भर में विभिन्न स्थानों पर अर्थात बेंगलूर, नई दिल्ली, मैसूर, चेन्नई, गुवाहाटी और सिलचर (असम,) चिन्तापल्ली, अरकूवेली (आ.प्र,) में अपने कार्यालय/ आवास भवन हैं और बेंगलूर, नई दिल्ली व हासन में भी आवासीय फ्लैट्स हैं। इसके अलावा, कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में केन्द्रीय कॉफी अनुसन्धान संस्थान, चेट्टल्ली में (मडिकेरि के पास) कॉफी अनुसन्धान उप स्टेशन, केरल के चुन्देल में क्षेत्रीय कॉफी अनुसन्धान स्टेशन, तमिल नाडू में थाण्डीगुडी, आन्ध्र प्रदेश में आर वी नगर, और असम के डीफू में कॉफी बोर्ड के अनुसन्धान स्टेशन तथा आवासीय क्वार्टस और कर्नाटक, तमिल नाडू, केरल, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा राज्य और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र अर्थात असम अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिज़ोरम और नागालैण्ड राज्यों में विस्तरण विभाग द्वारा प्रबन्धित कॉफी निरुपण फार्म/प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र भी हैं। बेंगलूर में इण्डिया कॉफी हाउस और भोपाल में इण्डिया कॉफी सेन्टर का स्वामित्व और रख-रखाव भी कॉफी बोर्ड करता है।

इंजीनियरिंग प्रभाग भवनों के रख-रखाव के साथ अवस्थापना विकास के अधीन प्रत्यक्ष रुप से भवन निर्माण और कुछ कार्य सम्बन्धित प्राधिकारियों से सम्पर्क करते हुए जमा योगदान के जरिए कर रहा है।

वर्ष 2013-14 के दौरान किए गए कार्यों का व्यय विवरण निम्नानुसार है:

क्र सं	किए गए कार्य	राशि (में)
1	वित्तीय वर्ष में योजना के अन्तर्गत लिए गए सिविल कार्य/ इलेक्ट्रिकल कार्य, जमा अंशदान कार्यों पर पूँजी और परिव्यय पर हुआ कुल व्यय	1,02,51,458.00
2	भवनों के रख-रखाव एवं छोटे मोटे सिविल/ बिजली/ कार्य टेलिफोन बिल, जल आपूर्ति और सिवेज बिल इल्क्ट्रीसिटी बिल तथा बृहत बेंगलूर महानगर पालिके को अदा सम्पति कर पर कुल व्यय।	1,04,13,013.00
	योग	**2,06,64,471.00**

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम -2005 के अधीन वर्ष 2013-14 के दौरान सूचना/कागज़ात की मांग करते हुए भारत के नागरिकों से बोर्ड ने 105 आवेदन प्राप्त किए और वर्ष के आरम्भ में 08 आवेदन लम्बित थे, 113 आवेदन निपटान हेतु थे। वर्ष के दौरान 106 आवेदनों को निपटाया गया और 07 आवेदन निपटान हेतु लम्बित हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान 22 अपीलें प्राप्त हुई और सभी 22 अपीलों के निपटाया गया है।

✦ ✦ ✦

अध्याय - III (क)

अशक्त व्यक्तियों का ब्यौरा

रिपोर्ट अधीन वर्ष के दौरान अशक्त व्यक्तियों की भर्ती नहीं हुई है। बोर्ड में 9 शारिरिक रुप से अशक्त कर्मचारी कार्यरत हैं जिनका ब्यौरा (काडर-वार) निम्नानुसार हैं:

क्र सं.	काडर	वर्ग विद्यमान	विद्यमान	अशक्त व्यक्तियों की संख्या		अशक्त व्यक्ति श्रेणी वार कर्मचारी		
				सं	कुल सं %	अ.आ	अ.जा	अ.ज.जा
1.	प्रभागीय प्रधान (अनुसन्धान परियोजना)	क	6	1	16.67	1	-	-
2.	विषय वस्तु विशेषज्ञ	क	33	1	3.03	1	-	-
3.	क.हिन्दी अनुवादक	ख	4	1	25.00	1	-	-
4.	विस्तरण निरीक्षक	ग	127	2	1.57	2	-	-
5.	व.सहायक	ग	102	3	2.94	3	-	-
6.	एम टी एस	ग	271	1	0.37	1	-	-
	योग		**543**	**9**	**1.66**	**9**	**-**	**-**

✦ ✦ ✦

अध्याय - IV

कॉफी अनुसंधान

वर्ष 2013-14 के दौरान कॉफी बोर्ड अनुसन्धान विभाग ने धारणीय कॉफी उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकियों के अनुसन्धान व विकास योजना के अन्तर्गत अनेक अनुसन्धान कार्यक्रम अध्ययनों को क्रियान्वित किया है ।

अनुसन्धान परियोजनाओं का कार्यान्वयन केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान (सी सी आर आई), के चेट्टल्ली (कोडगू, कर्नाटक) चुन्देल, (वायनाड, केरल) थाण्डीगुडी (पुलनीज़, तमिल नाडू), आर वी नगर (वायज़ाग, आन्ध्र प्रदेश) और डीफू (करबी आंगलांग जिला) में स्थित अनुसन्धान स्टेशनों के नेटवर्क के जरिए किया गया। इसके अलावा, अनुसन्धान कार्यक्रमों का कार्यान्वयन दो अनुसन्धान प्रभाग अर्थात जैव प्राद्योगिकी केन्द्र, मैसूर और क्वालिटी प्रभाग, बेंगलूर में भी किए गए।

उपरोक्त के अलावा, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (एम ओ सी एण्ड एफ), भारत सरकार, वस्तु सामान्य निधि(सी एफ सी) एमस्टरडम जैसे बाह्य निधिकरण एजेन्सियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न अनुसन्धान परियोजनाओं का भी कार्यान्वयन किया।

विभिन्न अनुसन्धान योजनाओं के अधीन वर्ष 2013-14 के दौरान विशेष अनुसन्धान खोज निम्नलिखित है-

योजना : धारणीय कॉफी उत्पादन हेतु प्रौद्योगियों का अनुसन्धान और विकास

घटक 1: धारणीय कॉफी उत्पादन, उत्पादकता और क्वालिटी हेतु प्रौद्योगिकियों का विकास

पौधा प्रजनन और आनुवंशिकी प्रभाग

विसंकर एफ$_1$ संकरों को विकसित करने के लिए सी सी आर आई में संकरण के लिए पहली बार कॉफी जीनपूल में पहचाने गए चार नर अनुर्वर पौधों (इथियोपियन कलक्शन्स- एस.2651 व एस 2660 और विश्व कलक्शन एस. 1572 व एस.1573) का प्रयोग किया गया। आनुवंशिक रुप से चार दूरस्थ जीन आकृति सार्चिमोर, पेड कॉफी संकर, एस एल एन 9 और एस 4595 का प्रयोग परागणमूल के रुप में किया गया और 2014 पुष्पण सीजन के दौरान कुल 13 संकर संयोजन किए गए।

स्थायी किट्ट, प्रतिरोधी के साथ युग्मित प्रभावशाली अर्ध-बौना एफ1 संकर उत्पन्न करने के लिए एस 4903 (कोलम्बिया काटिमोर लाइन) का पराग सेचक के रुप में लम्बे अरेबिका जीन आकृति एस 1934, एस 795 और एस एल एन 5 बी के साथ संकरण किए गए।

2014 रोपण के दौरान चन्द्रगिरि कावीसारी और कावीमो के बीच संकरण से एफ$_1$ बीज पाए गए, कावीमोर और एस 3827 (एस एल एन 10) को प्रतिरोधक डोनर्स (एस एच 3 जीन) के रुप में प्रयोग किया और खेतों में रोपने के लिए सन्तति उत्पन्न किए गए ।

सफेद तना छेदक सह्यता हेतु प्रजनन के लिए चन्द्रगिरि और पेड़ कॉफी से एक स्वयंस्फूर्त संकर के बीच अन्योन्य संकरों से एफ1 सन्ततियां उत्पन्न कर 2012 के दौरान खेतों में रोपे गए । इन संकरों ने प्रभावशाली बढ़त, किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता और अच्छी उर्वरक स्थिति को दर्शाया। इस सन्तति को तना छेदक के विरुद्ध स्क्रीनिंग के लिए लिया गया। एफ$_2$ सन्तति उत्पन्न करने के लिए 2014 सीज़न के दौरान चयनित पौधों को संकरित किया गया।

विभिन्न किट्ट प्रतिरोधक के पिरमिडिंग के उद्देश्य से एस एल एन 7.3 x एस एल एन 6 x एस 3822 x एस एल एन 10, के बीच अन्तर किस्म संकरों से उत्पन्न चार एफ$_1$ संकर सन्ततियों की स्थापना सी सी आर आई के खेतों में की गई।

प्रवृत्त जीन आकृतियों से उत्पन्न इक्कीस एफ$_1$ सन्ततियाँ जिसने अच्छा निष्पादन रिकार्ड किया, उनको आगे मूल्यांकन एवं चयन के लिए सी सी आर आई के खेतों में स्थापित किया गया। प्रवृत्त सन्ततियों का भिन्न कृषि मौसमों में मूल्यांकन के लिए सी आर एस एस चेट्टल्ली और आर सी आर एस थाण्डीगुडी में भी रोपे गए।

क्षेत्र मूल्यांकन को शीघ्र निबटाने के लिए 2014 सीज़न के दौरान क्षेत्र रोपण के लिए सी सी आर आई में कोलम्बियन काटिमोर संकर (एस.5039, एस 5040, एस 5048, एस 5049 एस 5050 एस 5051) के प्रवृत्त एफ$_1$ पौधों और एस एल एन 10 x (काटुआ x एच डी टी) से नौ एफ$_1$ संततियों से 16 एफ$_2$ सन्ततियाँ उत्पन्न किए गए।

सी सी आर आई में मूल्यांकित कोलम्बियन काटिमोर संग्रहण और एस 1934, एस एल एन 5 बी और एस एल एन 9 जैसे लम्बे जीन आकृतियों के बीच संकरों के सात एफ$_1$ संकरण सन्ततियों (एस 4814 से 4820 तक) में से सन्तति एस 4817(कोलम्बियन काटिमोर x एस 1934) और एस 4814 (कोलम्बियन काटिमोर एस x एल एन 5 बी) ने उत्पादन सम्भाव्यता, किट्ट के प्रति क्षेत्र सह्यता और फली क्वालिटी रुझानों के प्रति अच्छा निष्पादन रिकार्ड किया। इन सन्ततियों को मूल्यांकन हेतु वंशावली चयन द्वारा एफ$_3$ स्तर के लिए उन्नत किया गया ।

सी सी आर आई में मूल्यांकन अधीन एच डी टी एस 2464, एस एल एन 5 ए, सियोसी और अगारो जैसे लम्बे अरेबिका को शामिल कर अन्त: किस्म संकरों से विकसित एफ1, संकर सन्ततियों में से एस 4896 (एस एच डी टी एस 2464) और एस 4897 सन्ततियों ने (एस 2464 x एच डी टी) ने क्रमश: 1591 कि ग्रा/हे और 1645 कि ग्रा/हे के प्रक्षिप्त निपज के साथ सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के रिकार्ड को जारी रखा। इन्हें पत्ती किट्ट के प्रति क्षेत्र सह्यता और उन्नत फली आकार (44% ए श्रेणी) के साथ युग्मित किया गया। 2013 सीज़न के दौरान खेतों में उत्कृष्ठ एफ1 एस के एफ2 संततियों को रोपा गया। आर सी आर एस, आर वी नगर और प्रौ मू के, मिनीमुलुरु में स्थापित एस 4595 (एस एल एन 11 x एच डी टी का एफ3) के बल्क प्लाटों पर परीक्षणों ने इंगित किया कि सन्ततियों ने प्रभावशाली बढ़त को दर्शाया और इन दो स्थानों में किट्ट के निम्न प्रादुर्भाव 10 से 32% तक था। आगे, आर सी आर एस, आर वी नगर में एस एल एन 5 ए और अन्य लम्बी अरेबिका (एस एल एन 4 ए और एस एल एन 3.4) के बीच एफ$_1$ संकरों के सन्तति निपज पत्ती किट्ट घटन के भिन्न स्तरों के साथ 622 कि ग्रा/हे से 1002 कि ग्रा/हे. के बीच था। एफ$_1$ संततियों को उत्पन्न करने के लिए 18 विशिष्ट पौधों को चिह्नित कर संकरित किया गया।

सी सी आर आई में मूल्यांकन अधीन अर्धबौना- एफ$_1$ सन्ततियों में से सन्तति एस.4932 (बी बी टी सी काटिमोर x सर्चिमोर) ने, 1314 कि ग्रा/हे. के तीन वर्ष औसत के साथ 2013 में 1077 कि ग्रा/हे. का अधिकतम प्रक्षिप्त निपज रिकार्ड किया। सन्तति ने पत्ती किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सहिष्णुता और 67.6% ए श्रेणी फली जिसमें से 44.7% ए श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं को भी प्रकट किया। उत्कृष्ट एफ़1 पौधों के एफ2 सन्ततियों का मूल्यांकन करने के लिए 2013 सीज़न में खेतों में रोपे गए।

सी सी आर आई में बहु लाइन समष्टिक जीवसंख्या के रुप से स्थापित 15 भिन्न अर्धबौना जीन आकृतियों में से एस 4938 और एस 4939 ने पत्ती किट्ट के प्रति साधारण स्तर पर क्षेत्र सह्यता (जीव संख्या का 36% और 50% मध्यम किट्ट आपतन को दर्शाते हैं) के साथ 1536 और 1662 कि ग्रा/हे. का अधिकतम प्रक्षिप्त निपज रिकार्ड किया। एस. 4940 (कावीमोर) सन्तति ने 2013 में 1384 कि ग्रा/हे. प्रक्षिप्त निपज और पत्ती किट्ट के प्रति सापेक्ष रुप से उच्च सह्यता को रिकार्ड किया।आर सी आर एस, थाण्डीगुडी में कावीमोर के संकरित सन्तति ने पत्ती किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता और अच्छी फली आकार (62.7% ए श्रेणी फली) से युग्मित 1207 कि ग्रा/हे (आठ वर्षों में) के औसतन प्रक्षिप्त निपज के साथ लगातार निष्पादन को रिकार्ड किया।

सी आर एस एस, चेट्टल्ली में मूल्यांकन अधीन अरेबिका के 12 अन्त: किस्म एफ़1, सन्ततियों (एस.4856 से 4863 और

एस 4874 से एस 4877)में से 4875(एस एल एन 6 एस एल एन 9) में 1164 कि ग्रा/हे. से एस 4861 सन्तति (एस एल एन 6 एस 795) ने 1036 कि ग्रा/हे (5 वर्षों में) का औसत निपज रिकार्ड किया। एस 4877 सन्तति किट्ट से मुक्त था जबकि एस 4861 में जीव संख्या के 3.5% ने निम्न किट्ट आपतन को दर्शाया। इन दोनों सन्ततियों ने ए श्रेणी फलियों का उच्च प्रतिशत रिकार्ड किया एस 4877 में 74% और एस 4861 में 67%। श्रेष्ठ पौधों को एफ2 सन्ततियाँ उत्पन्न करने के लिए संकरित किया गया।

सी आर एस एस, चेट्टल्ली में एस 4422 x एच डी टी संकर के एफ2 सन्तति के क्षेत्र निष्पादन का मूल्यांकन किया गया और 3 से 4.5 कि ग्रा के औसत फल निपज (3 वर्ष) के साथ 11 पौधों को संकरित किया गया और आगे के मूल्यांकन के लिए एफ$_3$ सन्ततियों को उत्पन्न किया गया। आर सी आर एस, थाण्डीगुडी में 5 बी x एस एल एन 9 के एफ$_1$ सन्तति ने पत्ती किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता और उन्नत फली आकार (ए श्रेणी का 60 %) से युग्मित 1102 कि ग्रा/हे के औसत प्रक्षिप्त निपज के साथ स्थिर निष्पादन को रिकार्ड किया ।

अनावृष्टि सहिष्णु कृन्तकों की सम्भाव्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से एस 880, एस 1932, एस 3399, डी आर -5 के कृन्तक सन्ततियों और दो स्टेशन सेलक्शन एस.274 और सी x आर को पुलपल्ली सम्पर्क क्षेत्र के पेरिक्कल्लूर क्षेत्र जो एक प्रत्यावर्ती रुप से अनावृष्टि प्रवृत्त क्षेत्र है, में रोपे गए। एस 1932 और उसके बाद एस 3399 में तारुणिक बढ़त को सर्वश्रेष्ठ पाया गया और पिछले सीज़न में गहन नमी दबाव (औसत मिट्टी नमी-16%) के अधीन एस 1932 ने सापेक्ष सह्यता को दर्शाया क्योंकि 50 कृन्तकों में से 14 कृन्तक और उसके बाद एस 3399 (50 कृन्तकों में11) ने मुरझाने के लक्षण दर्शाए।

विभिन्न स्थानों में उत्तम रोबस्टा लाइन के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए स्टेशन सेलक्शन्स एस 274 और सी x आर के साथ एस 3399, डब्ल्यू टी 2 डब्ल्यू टी 4, एस 3657, और डब्ल्यू टी 6 के कृन्तकों को वायनाड के पुलपल्ली में पातिरीमाडम एस्टेट और वाण्डिपेरियार, इडुक्की जिलों के पोआब्स बागानों में रोपे गए। सात जीन आकृतियों में से एस 3399 कृन्तक उसके बाद सी x आर कृन्तकों की स्थापना की गई और उपज को दोनों स्थानों में श्रेष्ठ पाया गया।

पुलपल्ली और मानन्तवाडी सम्पर्क क्षेत्र में गम्भीर रुप से अनावृष्टि से पीडित क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया। गम्भीर नमी दबाव और अत्युष्ण के प्रति सह्यता को दर्शाते कुल 11 पौधों (पुलपल्ली के मुल्लंकोल्ली पंचायत से 9 पौधे और मानंतवाडी क्षेत्र के अन्तर्गत वेल्लमुण्डा से दो पौधे) को पहचाना गया। इन पौधों से चूषकों को संग्रहित कर कृन्तक उत्पन्न किए जा रहे हैं।

अनावृष्टि सहिष्णु जड़ किस्मों (एस 1932, एस 3399) के साथ साथ विदेशज रोबस्टा संग्रहण (एस 3657) और स्टेशन सेलेक्शन्स (एस 274, सी x आर) को शामिल करते हुए अन्योन्य संकरों से एफ1 संकर आर सी आर एस, चुन्देल के खेतों में स्थापित किए गए।

किट्ट प्रतिरोध के लिए एस एच$_3$ से सम्बद्ध बी ए 12412 के और एस ए टी 244 मार्कर के साथ एस सी ए आर (सिक्वेंस कैरक्टराइज्ड़ एम्पलीफाइड रीजियन) ऐसेज़ का प्रयोग एस 1934 के साथ कोलम्बियन काटिमोर संकरों के एफ1 और एफ2 सन्ततियों में एस एच$_3$ के पौधा होमोज़ाइगोज़ का पता लगाने के लिए किया गया।

2013-14 सीज़न के दौरान, विभिन्न अनुसन्धान स्टेशनों और प्रो मू कें में उत्पादित 6,544 कि ग्रा अरेबिका और 2036 कि ग्रा रोबस्टा को शामिल कर विभिन्न स्टेशन सेलेक्शन्स के 8,580 कि ग्रा बीज कॉफी परम्परागत क्षेत्रों के कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाइ किया गया। अरेबिका किस्मों में चन्द्रगिरि ने 4252 कि ग्रा का प्रमुख शेयर दिया। 2013-14 सीज़न के दौरान गैर परम्परागत क्षेत्रों में आर सी आर एस, आर वी नगर और प्रो मू के, मिनीमूलूरु में उत्पादित 3501 कि ग्रा अरेबिका और 7.5 कि ग्रा रोबस्टा को शामिल कर 3508.5 कि ग्रा बीज कॉफी का सप्लाई किया गया।

रोपण सीजन 2013 के दौरान सी x आर के कुल 20,335

जडित कृन्तक सी सी आर आई, सी आर एस एस, चेट्टल्ली और आर सी आर एस चुन्देल के उपजकर्ताओं को सप्लाई किया गया। आगे, रोबस्टा कृन्तकों की बढ़ती माँग पर विचार करते हुए, XII योजना के अन्त तक 1.0 लाख कृन्तकों के वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृन्तक उत्पादन को बढ़ाने हेतु एक अग्र कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। तद्नुसार 2013 में 62,000 कृन्तक उत्पन्न किए गए जो 2014 रोपण सीज़न में उपजकर्ताओं को सप्लाई करने के लिए तैयार होगा।

कॉफी पत्ती किट्ट पर आई सी ओ-सी एफ सी प्रायोजित बहु देशीय परियोजना के अन्तर्गत एक अग्र कार्यक्रम के रुप में विकसित चल आधारित विस्तरण सेवा केफे मोवल का उद्घाटन 22 अगस्त 2013 को किया गया।

जैव प्रौद्योगिकी

वर्ष के दौरान जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र मैसूर के अनुसन्धान क्रिया कलाप जैव प्रौद्योगिकी यंत्रों का प्रयोग करते हुए स त छे का नियंत्रण करने पर फोकस किया गया। इनको निष्पन्न करने के लिए प्राइवेट एस्टेट से लगभग 550 स त छे संदूषित तनों को संग्रहित कर बड़े कीड़े को पकडने के लिए नाइलॉन नेट से ढक दिया गया। कुल 189 बी टी पृथक्कों को स्पोर उपशम संवर्धन में संरोपित किए गए और इन उपशमों को जैव ऐसे अध्ययन के लिए कीट विज्ञान प्रभाग को दिए गए। क्राई जीन विशिष्ट प्राइमर्स का प्रयोग करते हुए बी टी पृथक्कों का पी सी आर स्क्रीनिंग किया गया। डी बी टी 737 व 739 प्रभेदों से क्राई जीन की पूरी लम्बाई का वर्धन कर पी जी ई एम-टी सेक्टर में कृन्तकित कर क्रमबद्ध किया गया। ई-कोली जिसमें पी ई टी एक्सप्रेशन में कृन्तकित क्राई -II और क्राई उप जीन हैं उसे क्रमश: मेसर्स मेटाहेलिक्स,बेंगलूर, और यू ए एस, धारवाड संयोजकों से प्राप्त किया गया। कृन्तकित क्राई-II और क्राई 34 जीन जैव निर्धारण में सक्रिय नहीं थे। एस आर ओ बी 8 से पृथक्कीकृत प्लास्मिड डी एन ए को एस आर पी 271 के साथ परिवर्धित किया गया। अग्र और विपरीत प्राइमर्स और परिवर्धित उत्पादों को कृन्तकित कर ई-कोली जे एम 109 में परिवर्तित कर क्रमबद्ध करने के लिए भेजा गया। क्राई 3 जीन को एक्सप्रेशन वेक्टर प्रणाली में कृन्तकित किया गया। भिन्न बी टी सूत्रीकरण बनाए गए और उन्हें स त छे के नियंत्रण में उनकी प्रभाविता जानने के लिए क्षेत्र परिस्थितियों में स त छे संदूषित अरेबिका तनों पर लगाया गया।

स त छे के प्रति प्रतिरोध के आण्विक आधार पर सूत्र पाने के लिए जेनोमिक्स अध्ययन जारी रहे। स त छे आकीर्णन के दौरान जीन एक्सप्रेशन को समझने के लिए स त छे पोषित सी x आर से घटाए सी डी एन ए लाइब्रेरी का विश्लेषण तैयार किया गया। 342 कृन्तकों के नुमाइन्दा पी सी आर उत्पादों को श्रृंखलाबद्ध कर आँकडों का विश्लेषण किया गया। पी सी आर उत्पाद से प्रवृत्त एकतीस कृन्तक आर 2 और आर 3 के पूर्ण लम्बाई जीन का लक्ष्य करते हैं, सी डी एन ए से क्षेत्र अनुकृति घटक को कृन्तकित कर श्रृंखलाबद्ध किया गया ग्लूकोमिल ट्रांसफरेस जीन के 3 आर ए सी ई उत्पाद को कृन्तकित कर श्रृंखलाबद्ध किए गए। आगे, स त छे पोषित अग्र घटित सी x आर सी डी एन ए के पी सी आर उत्पाद को एस आर पी 230, एस आर पी 244 और एस आर पी 245 अग्र और विपरीत प्राइमर्स के साथ वर्धित कर पी जी एम टी वेक्टर के साथ कृन्तकित कर नीला सफेद स्क्रीनिंग द्वारा प्रच्छन्न किया गया। दबाव घटाव संकरण(एस एस एच) सी डी एन ए लाईब्रेरी में हमने शाकोपजीवी के विरुद्ध एक पौधा सुरक्षा प्रणाली के जैवसांश्लेषिक राह में शामिल एक जीन के लिए कल्पित कोडिंग अनुकृतियों का अवश्यम्भावी रुप से होने का पता लगाया। इसे स त छे के विरुद्ध कॉफी पौधों का प्रमुख सुरक्षा प्रणाली माना गया था। फिर इसकी खासियत का पता लगाने के लिए एक अर्ध मात्रात्मक ऐसे का डिज़ाइन किया और कॉफी प्रजातियों में सुरक्षा प्रणाली के होने को सुनिश्चित किया। कॉफी जर्मप्लाज्म की खासियत के विषमता का मूल्यांकन करने के लिए कॉफी प्रजातियों के भिन्न जीन आकृतियों को प्रच्छन्न किया गया। खासियत के एक्सप्रेशन में विस्तृत भिन्नता देखी गई। अत: स त छे के विरुद्ध कॉफी पौधों द्वारा विस्तारित एक असाधारण सुरक्षा प्रणाली को पहचानने के अलावा अध्ययन ने उसकी उपस्थिति को पहचानने के लिए एक साधारण अर्ध मात्रात्मक ऐसे भी प्रदान किया।

टी0 में गस्स एक्सप्रेशन और ट्रांसजीन एकीकरण का विश्लेषण किया गया और टी$_1$ ट्रांसजेनिक पौधे चावल एण्डोचिटीनेज जीन के साथ परिवर्तित हो गए। पी सी आर परिवर्धन ने गस्स ए, एच पी टी, 35 एस प्रोन्नायक के एकीकरण को प्रकट किया और टी0 के साथ साथ 18 टी$_1$ पौधों में चिटीनेस ट्रांसजीन्स को देखा गया।

बीज कर्षण और भ्रूण निस्तार विधि द्वारा सी रेसमोसा x एस एल एन 3 आर (सी कोनजेनसीज़ x सी केनेफोरा) के अन्त: विशिष्ट संकरों के बीजों से पौधों को पुन: उत्पन्न किए गए। रोपकों के खेतों को शामिल कर भिन्न कृषि मौसमी स्थानों में स्थापित एस 2800, एस 2794 और सी x आर जीन आकृतियों के साथ टी सी प्रयोग प्लाटों से आकारिकीय और निपज आंकडा संग्रहित किए गए।

उप घटक 1.2 :

उन्नत मिट्टी स्वास्थ्य और प्रबन्धन व्यवहारों के जरिए फसल उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकियाँ

फसल प्रबंधन

कृषि रसायन

विशेषज्ञ समिति के सुझावों के अनुसार संशोधित उपायों से अरेबिका और रोबस्टा कॉफी पर प्रवृत्त अनुसन्धान स्टेशनों और टी ई सी में एकीकृत पोषण प्रबन्धन (आई एन एम) पर बहु स्थान क्षेत्र प्रयोग जारी रहे। पोषण स्थिति (बड़ा और सूक्ष्म) और जैविक पैरामीटर्स (मिट्टी श्वास, डीहाइड्रोजेनेस और बायोमास कार्बन) पर पहले वर्ष का आंकडा उपाय आरम्भ करने से पहले मानसून पूर्व और मानसूनोत्तर अवधि के दौरान संग्रहित मिट्टी नमूनों का विश्लेषण करते हुए उत्पन्न किया जाता है। उपायों में पोषण स्थिति के साथ साथ जैविक पैरामीटर्स में बहुत सार्थक भिन्नता नहीं है। सभी छ स्थानों में रिकार्ड किए गए साफ कॉफी निपज ने भिन्न उपायों के सन्दर्भ में कोई निश्चित रुझान को नहीं दर्शाया। अध्ययन अब भी जारी है।

अरेबिका कॉफी निपज, क्वालिटी और मिट्टी कायिक रसायनिक तत्वों पर जैविक और अजैविक पोषक स्रोतों के प्रभाव के अध्ययन के लिए किए गए क्षेत्र प्रयोग को जारी रखा गया। विभिन्न उपायों के सन्दर्भ में मिट्टी रसायन और जैविक तत्वों में भिन्नता सांख्यिकी रुप से सार्थक नहीं थे। तथापि उपलब्ध मिट्टी आर्गेनिक कार्बन फोसफोरस, पोटाशियम, कैल्शियम, मेग्नेशियम, कॉपर, जिंक, आयरन, मैंगनीज और जैविक तत्व (डीहाइड्रोजीनेस श्वास और बायोमास कार्बन घटक) सम्पूर्ण नियंत्रण और आर डी एफ की तुलना में, केवल ऑर्गेनिक पोषक स्रोत या अजैविक उर्वरकों के संयोग से प्राप्त करनेवाली मिट्टी में संख्यात्मक रुप से अधिक थे। उपाय के अन्तर्गत जहां 1.25 टन /ए सी/ वर्ष के दर पर वर्मिकम्पोस्ट के संयोग से अजैविक उर्वरकों के जरिए 50% पोषण दिए जाते हैं वहां अधिकतम निपज देखी गई। रोबस्टा कॉफी पर वर्मिकम्पोस्ट के लाभों की जाँच करने के लिए अन्य उप स्टेशनों के अनुसन्धान फार्मों में इसी तरह के क्षेत्र प्रयोग किए गए।

कर्नाटक, केरल और तमिल नाडू के परम्परागत कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों की मिट्टी उर्वरकता मूल्यांकन और मिट्टी स्वास्थ्य मानीटरिंग, मिट्टी उर्वरकता आकलन और स्थायी मिट्टी मानीटरिंग स्थान की स्थापना के लिए एन बी एस एस व एल यू पी (आई सी ए आर), बेंगलूर के साथ एक अन्तर संगठनात्मक संयुक्त परियोजना के रुप में आरम्भ किया गया। परियोजना का आरम्भ औपचारिक रुप से जुलाई 2013 के दौरान किया गया और उर्वरकता स्थिति मूल्यांकन के लिए नियमित मिट्टी नमूना संग्रहण दिसम्बर 2013 में चिकमगलूर और कोडगू में आरम्भ किया गया। चिकमगलूर (पांच तालुकों को आच्छादित कर 911) और कोडगू (सोमवारपेट तालुक के 3 होबली को आच्छादित कर 269 नमूनों) से कुल 1180 मिट्टी नमूने संग्रहित किए गए। कार्य प्रगति पर है।

मिट्टी, पत्ते और कृषि रसायन विश्लेषण के जरिए उपजकर्ताओं को सलाहकारी सेवा समर्थन के अधीन 8357 मिट्टी नमूने प्राप्त हुए और पी एच, ओ सी और उपलब्ध फॉसफोरस और पोटाशियम के लिए विश्लेषित किए गए। मिट्टी विश्लेषणात्मक आंकडा और क्षेत्र सूचना के आधार पर 1410 उपजकर्ताओं को चूना और उर्वरकों की सिफारिश

की गई। 30 उपजकर्ताओं से प्राप्त कुल 284 मिट्टी नमूनों को उपलब्ध कैल्शियम, मेग्नेशियम, कॉपर, ज़िंक, आइरन और मेंगनीस के लिए विश्लेषित किया और परिणाम से सम्बन्धित उपजकर्ताओं को अवगत कराया गया।

पांच उपजकर्ताओं से प्राप्त 104 पत्ती नमूनों का विश्लेषण पोषक घटकों के लिए किया गया और पोषकों की पर्याप्तता/कमी को उचित निवारक उपायों के साथ उपजकर्ताओं को अवगत कराया गया।

522 उपजकर्ताओं से प्राप्त चूना सामग्री, चूना, उर्वरक, आर्गेनिक खाद और कॉपर सल्फेट को शामिल कर कुल 933 कृषि रसायनों का विश्लेषण कर नमूनों की शुद्धता को उपजकर्ताओं को रिपोर्ट किया गया।

तमिलनाडू के कॉफी उपजने वाली मिट्टी के द्वितीयक और सूक्ष्मपोषण स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए तमिलनाडू क्षेत्र के अडलूर, यरकाड, पालघाट, पन्नैकाडु और पेरुमालमलै सम्पर्क क्षेत्रों से 196 मिट्टी नमूने संग्रहित कर उपलब्ध केलशियम, मेग्नेशियम और डी टी पी ए निस्सारयोग्य सूक्ष्मपोषण घटकों के लिए विश्लेषित किया गया।

सस्य विज्ञान प्रभाग

सी सी आर आई में चन्द्रगिरि किस्म, गुण्डीखान एस्टेट में एस एल एन 5 बी और सी आर एस एस चेट्टल्ली में एस एल एन 5 बी के साथ किए गए अरेबिका कॉफी में भिन्न रोपण डिज़ाइन और कटाई विधि के मूल्यांकन पर अध्ययन जारी रहा। सी सी आर आई में 2013-14 के निपज पर परीक्षणों ने प्रकट किया कि विभिन्न उपायों में बहु तना पर रोपण का बाड कतार प्रणाली (6' x 3') (6050 पौधे/हेक्टर) और प्रत्येक कटाई के पश्चात चक्रीय काट छांट से शीर्षकर्तन बिना ट्रेनिंग और बैकल्पिक पंक्तियों के रॉक एन रोल काट छांट से एकल तना पर रोपण का बाड कतार प्रणाली (6' x 6') (6050 पौधा/हे.) ने क्रमश: 1632 और 1617 कि.ग्रा/हे का उच्चतम उपज रिकार्ड किया और उसके बाद बहु तना पर रोपण का स्क्वेयर प्रणाली (5' x 5') (4300 पौधा/हे.) और प्रत्येक कटाई के बाद चक्रीय काट छांट से ट्रेनिंग (1592 कि ग्रा/हे) नियमित काट छाँट उपाय से एकल तना पर रोपण का स्क्वेयर प्रणाली (नियंत्रण) (6' x 6') (2990 पौधे/हे) ने 672 कि ग्रा/हे के निपज को रिकार्ड किया। सी आर एस एस, चेट्टल्ली और गुण्डीखान एस्टेट में बल्क प्रयोग में इसी रुझान को देखा गया।

यंत्रीकरण के जरिए श्रम उत्पादकता के सुधार पर कार्यक्रम के अन्तर्गत रोबस्टा चेरी कॉफी को फैलाने और ढेर बनाने जैसे अन्य संक्रियाओं के अलावा आच्छादित क्षेत्र, ईंधन सेवन, निर्वाहन दर द्वारा मूल्यांकित अनुसार छिडकाव प्रक्रियाओं के लिए उसकी प्रभावशीलता की जाँच के लिए ट्रेक मशीन पर चलने का मूल्यांकन किया गया।

सूक्ष्म सिंचाई और उर्वरीकरण पर नए प्रयोग करने के लिए अन्तिम रुप दिया गया और इसे सी सी आर आई में आरम्भ किया गया।

आर सी आर एस, डीफू, असम में उपलब्ध पिछले दस वर्षों (2003 से 2012) के लिए आंकडो के मूल्यांकन ने प्रकट किया कि पर्याप्त मात्रा में पुष्पण और समर्थन फुहार की प्राप्ति रोबस्टा कॉफी उत्पादकता पर प्रत्यक्ष फलन देता है।

स्टेशन प्रजनन सेलेक्शन के निष्पादन पर अध्ययनों ने प्रकट किया कि प्रौ मू कें, बुआलपुई में निपज के सम्बन्ध में कावेरी की तुलना में चंद्रगिरि ने अच्छा निष्पादन (347 कि ग्रा/हे.) रिकार्ड किया। तथापि, प्रो मू कें हेफ्लांग में चंद्रगिरि (102.85 कि ग्रा/हे.) की तुलना में कावेरी ने अधिक निपज (164 कि ग्रा/हे.) रिकार्ड किया। आर सी आर एस, डीफू में मूल्यांकित रोबस्टा सिलेक्शन्स में से सी x आर ने 378 कि ग्रा/हे. का अधिकतम निपज रिकार्ड किया। उसके बाद एस 274 (293 कि ग्रा/हे.) और बी आर सिरीज़ (280 कि ग्रा/हे.)।

भारत में कॉफी एस्टेट के यंत्रीकरण के लिए रोपण डिज़ाइन पर एक विस्तरण बुलेटिन प्रकाशित किया गया।

पौधा कायिकी प्रभाग

किण्वाण्विक क्रिया कलापों के जरिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड का विषहरण, ऑक्सीकरण हानि से बचाना पौधा कोशकों का एक महत्वपूर्ण कार्य है। दो सीज़नों के लिए चार अरेबिका कल्टीवर्स में किण्वाण्विक क्रिया कलापों (कैटालेस और पेरोक्सीडेज) के आवधिक मूल्यांकन ने प्रकट किया कि जब कभी पेरोक्सीडेज क्रिया कलाप अधिक था कैटालेस क्रिया कलाप कम थे और उसका उलट। दोनों किण्वाणुओं ने सभी कल्टीवर्स में, मिट्टी नमी के अवक्षय से युग्मित अधिकतम तापमान में वृद्धि के साथ क्रिया कलापों में बढ़त को दर्शाया और तापमान में कमी के साथ कम होने लगे और मिट्टी में सुधार हुआ। तथापि कैटालस + पेरोक्सीडेस का कुल हाइड्रोजन पेरोक्साइड, जून से दिसम्बर तक निम्न तापमान और उच्च मिट्टी नमी पर चंद्रगिरि में उच्च था और तत्पश्चात जनवरी से मार्च तक विषहरण क्रिया कलाप उच्च तापमान और निम्न मिट्टी नमी पर एस एल एन 9 में उच्च था। जब कि अन्य दो काटुआई x एच डी टी और कोलम्बियन काटिमोर कल्टीवर्स ने बीच का कुल हाइड्रोजन पेरोक्साइड विषहरण क्रिया कलाप को दर्शाया।

सी सी आर आई में अर्ध बौना संकरों में कायिकीय निष्पादन के मूल्यांकन ने बी बी टी सी x सर्चिमोर संकरों में अधिकतम प्रकाश संश्लेषण को दर्शाया। जबकि इसके अन्योन्य संकर सर्चिमोर x बी बी टी सी ने मूल और अन्य संकरों की तुलना में सकरों में अधिकतम रन्ध्री संवाहन वायु संचार दर और मेसोफिल दक्षता को दर्शाया। लम्बे अरेबिका संकरों में एस एल एन 5 ए x एस एल एन 9 ने अपनी मूल की तुलना में सिट्रिक/केलिशयम अनुपात उच्च कार्बोक्सीलेशन प्रभाविता, तत्क्षण और जल प्रयोग प्रभाविता को दर्शाया।

सी आर एस एस, चेट्टल्ली में एस 795 और एस एल एन 9 की तुलना में नौ नए आशाजनक अरेबिका में बढ़त और विकास में मौसमीय भिन्नता ने कॉफी जीन आकृतियों की तुलना में एस 4862 और उसके बाद एस 4858 और एस 4859 में सार्थक रुप से उच्च औसत फली सूखा पदार्थ संचयन (पी <0.05) को दर्शाया। तथापि फलों के पकने के स्तर पर अच्छी निपज के साथ अधिकतम फला सूखा पदार्थ संचयन एस 4858 और एस 4859 में था। कॉफी में पत्ती उत्पादन, पत्ती विस्तार बढ़त, स्टार्च घटक और कच्ची फलियों के गिरने पर परावर्तन सह सम्बन्ध विश्लेषण ने पत्ती उत्पादन और लकडी के औसत स्टार्च घटक के बीच सकारात्मक सम्बन्ध (आर =0.539) और पत्ती विस्तारण और कच्ची फलियों के गिरने के बीच नकारात्मक सम्बन्ध (आर =0.645) को दर्शाया। अत: फलों के विकास के दौरान पत्ती धारण, पर्याप्त पोषणों के सप्लाई के जरिए पर्याप्त कार्बोहाइड्रेट रिजर्व का प्रबन्धन और सामयिक पौधा सुरक्षा उपायों और कृषि व्यवहारों को अपनाना कॉफी में कच्चे फलों के गिरने को कम करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

2013-14 में भिन्न स्थानों में मूल्यांकित फसल विकास व्यवहार ने प्रकट किया कि अनेक स्थानों में मूसलाधार और लगातार बारिश के कारण रोबस्टा कॉफी में 14.9 से 28.51%, सी सी आर आई में अरेबिका कॉफी में 5.27 से 20.87% सी आर एस एस, चेट्टल्ली में अरेबिका और रोबस्टा कॉफी में 33.8 से 43.57% चुन्देल में रोबस्टा कॉफी में 5-10% और आर सी आर एस थाण्डीगुडी में अरेबिका में न्यूनतम 1.5 से 2.66% तक फलों का गिरना उच्च था।

2013 व 2014 के दौरान टाटा कॉफी लि. और सी आर एस एस फार्म के भिन्न बागानों से रोबस्टा कॉफी में फली विशेषता और मौसमी आँकडो का मूल्यांकन 2013 और 2014 के दौरान पी बेरी 13.45 व 16.67% एए 6.44 व 10.54%, आर के आर 18.31 व 13.36% ए बी 38.02 व 41.25% और ग श्रेणी फली 12.44 व 19.9% को दर्शाया। अत: यह 2013 सीज़न की तुलना में चालू वर्ष में पी बेरी में 3.21% बढ़त, ए ए में 4.1% कमी, आर के आर (रोबस्टा कापी रोयाल) में 4.95% कमी के साथ ए बी और ग श्रेणियों में 3.23% और 7.46% बढ़त को इंगित किया। वजन में कमी का मुख्य कारण कॉफी फलियों का अशुद्ध विकास था क्योंकि 2013 सीज़न के दौरान लगभग 30 से 33% अधिक मानसून बारिश हुई। पी बेरी में बढ़त का मुख्य कारण फल सेट के

बाद लम्बी सूखा अवधि और मानसून के आने में विलम्ब था।

फल भार और मौसमी आँकडो पर कॉफी अनुसन्धान उप स्टेशन में परावर्तन सह सम्बन्ध विश्लेषण ने वर्षा की मात्रा और प्रति कि ग्रा फलों की संख्या के बीच सकारात्मक सम्बन्ध (आर = + 0.351 एन = 50) और मानसून अवधि के दौरान न्यूनतम तापमान और प्रति कि ग्रा फलों के बीच नकारात्मक सम्बन्ध (आर = - 0.372 एन = 50) को दर्शाया। यह इंगित करता है कि भारी वर्षा फलों के भार को कम कर देता है और मानसून के दौरान लम्बी अवधि के लिए न्यूनतम तापमान के अतिरेक ने कुल फल भार को कम कर दिया और परिणामस्वरुप कटे एक कि ग्रा फल में फलों की संख्या को बढ़ा दिया। अत: सम्पूर्ण क्षेत्रों में रोबस्टा कॉफी में निपज अनुपात प्रभावित हुआ। रोबस्टा कॉफी में ऐसा ही विश्लेषण ने कोई प्रमुख प्रभाव को नहीं दर्शाया। अत: अरेबिका कॉफी के निपज को प्रभावित नहीं किया।

आर सी आर एस, चुन्देल में पत्ती क्षेत्र और विशेष पत्ती भार, सी × आर, एस.274, वायनाड रोबस्टा(वा रो) और अनावृष्टि सहिष्णु (अ स) रोबस्टा कॉफी में सम्बद्ध जल घटक और मिट्टी नमी जैसे मूल्यांकन बढ़त और कायिकीय पैरामीटर्स ने 14.38 से 18.80 तक विशेष पत्ती भार के अधिकतम बढ़त को प्रकट किया उसके बाद क्रमश: सी × आर में 13.82 से 17.8, 12.76 से 17.2 और 11.58 से 15.60 मि. ग्रा/से मी^{2} और एस 274 में था।

उप घटक 1.3

कॉफी के नाशिकीट और रोगों के प्रबन्धन के लिए पर्यावरण हितैषी उपायों का विकास

पौधा सुरक्षा

पौधा रोग विज्ञान प्रभाग

विभिन्न कॉफी क्षेत्रों में किट्ट प्रजाति वनस्पति को मानीटर करने के लिए नौ स्थानों- सात कर्नाटक में और दो तमिल नाडु में पैंतीस किट्ट भिन्नता और 24 ए किस्म के पौधों की स्थापना की गई और किट्ट रोगजनक की सहिष्णुता/सुग्राही के लिए आवधिक निरीक्षण किए गए।

संदूषित कॉफी भिन्नताओं और ए किस्म पौधों और किट्ट प्रजातियों अर्थात् I, VIII, XII, XXIII, XXXVII, XLI से किट्ट बीजाणु संग्रहित कर $V_{1,2,5,6,7,8,9}$ और $V_{2,5,6,7,8,9}$ विषाक्त जीन के साथ नई किट्ट प्रजातियों को अलग किया गया। पहले भिन्नीकृत चौदह परिकल्पित किट्ट प्रजातियों और 15 नई प्रजातियों को आगे के अध्ययन के लिए ग्रीन हाउस परिस्थितियों के अधीन बोर्बोन कॉफी पौधों पर रख रखाव किया गया।

सी सी आर आई और क्षेत्रीय स्टेशनों में नए अरेबिका (एफ$_1$ और एफ$_2$ संकरों) पर पत्ती किट्ट के क्षेत्र आपतन का मूल्यांकन किया गया। आपतन की चरम अवधि के दौरान परीक्षणों ने दर्शाया कि सी सी आर आई में मूल्यांकित ग्यारह एफ$_1$ संकरों में किट्ट आपतन एस 4932 पर निम्नतम (0.1.26%) था उसके बाद एस 4933 (1.69%), एस 4897 (2.06%), एस 4936 (3.39%), एस 4898 (3.49%), एस 4937 (4.53%), एस 4899(5.70%), एस 4896(5.73%) एस 4934(6.60%), एस 4935(6.612%),और एस 4900 (9.41%) पर अधिकतम था। नए संकरों के सात एफ$_2$ सन्ततियों में निम्नतम किट्ट आपतन एस4814(1.97%) में रिकार्ड किया गया। उसके बाद एस 4816 (2.44%), एस 4817(3.81%), एस 4815(5.81%) एस 4819 (19.23%), एस 4818(22.52%) और एस 4820(27.27%) में अधिकतम। सी आर एस एस, चेट्टल्ली में मूल्यांकित नए संकरों में आपतन एस 4862(3.90%) पर न्यूनतम था, उसके बाद एस 4855 (4.43%) एस 4861(4.61%), एस 4856(6.89%), एस 4860(7.77%), एस 4859 (12.31%) एस 4858 (15.39%), एस 4863 (18.94%) और अधिकतम आपतन एस 4864 (27.33%) पर रिकार्ड किया गया। आर सी आर एस थाण्डीगुडी में मूल्यांकित तीन संकरों में किट्ट आपतन एस एल एन 5 बी x एस एल एन 7.3(1.04%) पर न्यूनतम था उसके बाद एस एल एन 5बी x एस एल एन 9(1.43%) और कावेरी x एस एल एन 7.3 (11.56%) पर अधिकतम था।

तीन स्थानों में अरेबिका कॉफी के एस 795 कल्टीवर्स पर पत्ती किट्ट के नियंत्रण हेतु विभिन्न सान्द्रता (0.005, 0.075, 0.01, 0.015 और 0.02% ए आई) पर नए फफूँदनाशी नैटिवो 75% डब्ल्यू जी (टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्रायफ्लक्स्ट्रोबिन 25%) की क्षेत्र प्रभाविता का मूल्यांकन अनुशंसित फफूँदनाशी अर्थात कोन्टाफ 5 ई सी (0.01%), फोलिकर 25 ई सी (0.02%) और बोर्डो मिश्रण (0.5%) की तुलना में किया गया। मानसून पूर्व और पूर्वोत्तर मानसून के दौरान उपाय किए गए। पत्ती किट्ट आपतन का रिकार्ड मासिक अन्तराल पर किए गए। औसत किट्ट आपतन 0.015 और 0.02%(क्रमश: 0.92% और 0.79%) पर नौटिवो 75 डब्ल्यू जी के साथ उपायों में न्यूनतम था, जबकि निम्न सान्द्रता पर अन्य फफूँदनाशी उपायों और नैटिवो में आपतन थोडा अधिक था। किट्ट आपतन पर इसी तरह के रुझान सी आर एस एस चेट्टल्ली और आर सी आर एस थाण्डीगुडी में देखे गए जहाँ फफूँदनाशी प्रयोगों को दोहराया गया।

किट्ट प्रागुक्ति मॉडल विकसित करने के लिए तीन स्थानों में तीन कॉफी कल्टीवर्स पर पाक्षिक अन्तरालों पर मौसम पैरामीटर्स के साथ किट्ट आपतन को रिकार्ड किया गया। परीक्षणों के परिणाम ने दर्शाया कि पत्ती किट्ट फफूँदी से दूषित अधिकतम पौधों की संख्या अरेबिका कॉफी एस 795(69.6%) में रिकार्ड किया गया उसके बाद रोबस्टा कल्टीवर सी x आर (63.3%) और न्यूनतम एस एल एन 5 बी (62.75%) में। रोग आपतन रेबस्टा कल्टीवर सी x आर (6.52 %) में अधिक था उसके बाद एस 795 (5.73%) और एस एल एन 5 बी अरेबिका(4.52%) में न्यूनतम था। रोग तीव्रता क्रमश: रोबस्टा कल्टीवार सी + आर (7.77%) में अधिक था। उसके बाद एस 795(6.80%) और न्यूनतम एस एल एन 5 बी (6.02%) अरेबिका कॉफी में था।

सी सी आर आई फार्म के म्यूज़ियम ब्लॉक में रोपे गए अरेबिका कॉफी कल्टीवर्स पर कोमल कॉफी पत्तों के मुरझाने और पीलिया होने की नई समस्या के रोग निदान को समझने के लिए मई 2013 के दौरान एक प्राथमिक अध्ययन आरम्भ किया गया। सीजन के लिए रिकार्ड किए गए रोग आपतन और रोग की गम्भीरता पर आँकडों ने दर्शाया कि पत्ती का मुरझाना और पीलिया होने का औसत अधिकतम आपतन एस एल एन 13 (4.29%) में रिकार्ड किया गया उसके बाद एस एल एन 8 और एस एल एन 9(1.97%), एस एल एन 10(1.80%),एस एल एन 5(बी (1.56%), एस एल एन 11(1.46%), एस एल एन 6 और एस एल एन 4(1.33%), एस एल एन12(1.21%), एस एल एन 7.3(1.06%), एस एल एन 5 ए(0.96%) और न्यूनतम आपतन एस एल एन 3 (0.98%) था। पत्तों का मुरझाना और पीलिया होने की औसत गम्भीरता एस एल एन 13(22.09%) में अधिकतम था। उसके बाद एस एल एन 4(5.18%), एस एल एन 12(5.16%), एस एल एन 11 (4.90%), एस एल एन 8 (4.75%), एस एल एन 5 बी (3.98%),एस एल एन 9(3.84%), एस एल एन 6(3.30%) एस एल एन 10 (3.05%), एस एल एन 3(2.61%), एस एल एन 5ए (2.11%), और एस एल एन 7.3 (1.66%), में न्यूनतम था।

अरेबिका विश्व संग्रहण (जर्मप्लाज़म ब्लॉक) जिसका रख रखाव सी सी आर आई में किया जाता है, पर रोग आपतन की चरम अवधि (अक्तूबर और नवम्बर) के दौरान किट्ट आपतन को रिकार्ड किया गया । अरेबिका के 246 संग्रहणों के जर्मप्लाज्म सामग्रियों पर परीक्षणों ने प्रकट किया कि रोग आपतन एस 2581, एस 2452, एस 2456, एस 2460, एस 2732, एस 2727, एस 2459, एस 2742 एस 1567 और एस 1575 में शून्य था। जब कि शेष सभी सामग्रियों को कॉफी किट्ट के लिए धारणाीय पाए गए।

कॉफी पौदों के स्टेम नेक्रोसिस और पत्ती स्पॉट के नियंत्रण के लिए वर्तमान में प्रयुक्त फफूँदनाशी जैसे टिल्ट 25 ई सी (0.02%) फोलिकर 25 ई सी (0.02%) और इण्डोफिल8(75%) डब्ल्यू पी (0.04%), की तुलना में 0.075%व 0.015% ए आई पर नैटिवों 75 डब्ल्यू जी की प्रभाविता को जाँचने के लिए शुरु किए गए एक नर्सरी प्रयोग को अवधि के दौरान जारी रखा गया। मूल्यांकित भिन्न फफूँदनाशियों में माइरोथोशियम रोरिडम से उत्पन्न स्टेम नेक्रोसिस और पत्ती स्पॉट रोग 0.04% के दर पर इण्डोफिल 75% डब्ल्यू पी से उपचारित पौद

पर न्यूनतम था। उसके बाद 0.02%(8.15%) के दर पर फोलिकर 25 ई सी, 0.015%(8.27%) के दर पर नैटिवो 75% डब्ल्यू जी 0.02%(8.91%) के दर पर टिल्ट 25% ईसी और अनुपचारित नियंत्रण ने 14.08% का अधिकतम रोग आपतन रिकार्ड किया।

कीट विज्ञान प्रभाग

कॉफी सफेद तना छेदक के प्रभावी प्रबन्धन के लिए एक बाधा के रुप में क्रास वेन फेरोमोन ट्रेप्स के प्रयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रलोभन सहित 30,865 ट्रेप्स कम दर पर कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए।

कॉफी बोरी बोरर के प्रबन्धन के लिए प्रलोभन सहित 60,690 ब्रोका ट्रैप्स कर्नाटक और केरल में कॉफी उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए। उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए ट्रैप्स में प्रलोभन सामग्री को फिर से भरने के लिए 2260 लीटर प्रलोभन सामग्री सप्लाई किए गए।

कॉफी मिली बग आकीर्णन को प्रबन्ध करने के लिए एक पर्यावरण हितैषी उपाय के रुप में मिली बग के 9000 परजीव्याभ माँग के अनुसार उपजकर्ताओं को सप्लाई किए गए।

कॉफी बेरी बोरर के विरुद्ध एक जैव नियंत्रण एजेन्ट के रुप में कीटरोगजनक फफूँदी बावेरिया बासियाना के प्रयोग को फार्म पर उत्पादन के प्रयोग के लिए तैयार कर्षण के साथ-साथ प्रारम्भक कर्षण के सप्लाई द्वारा लोकप्रिय किया गया। 1008 कि ग्रा चावल कर्षण जिसमें फफूँदी था, प्रयोग के लिए तैयार उत्पाद के रुप में सप्लाई किया गया। आगे, फार्म पर प्रारम्भक कर्षण के रुप में 80 लीटर तरल माध्यम सप्लाई किए गए।

डी बी टी प्रायोजित परियोजना कॉफी सफेद तना छेदक के लिए अरेबिका कॉफी पौधा प्रतिरोध का विकास के अन्तर्गत, विकसित कृत्रिम आहार में समाविष्ट करते हुए 1402 बी टी विषों को स्क्रीन किया गया और 148 को छेदक लार्वा के विरुद्ध थोडा क्रिया कलाप करते देखा गया।

मादा लिंग फेरोमोन की पहचान और समागम सफलता में उसकी भूमिका और कॉफी सफेद तना छेदक द्वारा पोषक पौधा चयन के लिए उत्तरदायी कैरामोन की पहचान" पर बायो कन्ट्रोल रिसर्च लैबोरेटरिज़ ऑफ पेस्ट कन्ट्रोल इंडिया लि., बेंगलूर के साथ आउट सोर्स्ड परियोजना के अधीन प्रयोगशाला के साथ साथ खेत दोनों में नए प्रलोभनों की जाँच की जा रही थी।

आई आई एच आर, एन बी ए आई आई, बेंगलूर और एन आर सी बी, बनाना त्रिची जैसे आई सी ए आर संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजना कॉफी सफेद तना छेदक,जाइलोट्रेकस क्वाड्रिप्स शेव. (कोलिपेटरा : सेराम्बीसिडे) के प्रबन्धन के लिए पर्यावरण हितैषी पहुँच के अन्तर्गत प्रयोग जारी रहे। प्राप्त अग्रताओं की जाँच की जा रही है।

नए अणुओं जैसे क्लोरन्थ्रल्लीप्रोल 18.9% डब्ल्यू/डब्ल्यू एस सी फ्लूबेनडियामाइड, क्लोरपाइरिफोस 50% + साइपरमेथिन 5% एथिप्रोल 40% + इमीडाक्लोप्रिड 40% डब्ल्यू जी और थियाक्लोप्रिड 21.7% एस सी का स्क्रीनिंग तना छेदक के विरुद्ध उनकी प्रभाविता के लिए की जा रही है।

तना छेदक के विरुद्ध प्रतिरोध के स्रोतों को पहचानने के लिए सुग्राही किस्मों के तनों की तुलना में कटे तनों पर अण्डों और नवजात लार्वा रिलीज़ करते हुए प्राकृतिक अरेबिका पेड कॉफी संकर का स्क्रीनिंग किया गया। प्राथमिक जांच लार्वा के शीघ्र विनाश को दर्शाता है।

हाल के वर्षों में रोबस्टा पर शॉट होल बोरर का आपतन बढ़ता प्रतीत हुआ। अत: कैरोमोन प्रलोभन जैसे रिकार्ड किए गए अन्य पोषक पौधों पत्ती निस्सार का मूल्यांकन करने हेतु प्रयोग किए गए।

एस्टेटों के साथ-साथ नर्सरी तैयारी के लिए प्रयुक्त मिट्टी पर सूत्रकृमि संदूषित क्षेत्रों को पहचानने के लिए मिट्टी नमूनों का परीक्षण जारी रहा।

उप घटक 1.4

कॉफी की क्वालिटी और कॉफी निस्त्रव प्रदूषण उपशमन को बढ़ाने हेतु प्रौद्योगिकी

कॉफी क्वालिटी प्रभाग, बेंगलूर

निर्यातकों, उपजकर्ताओं और व्यापारियों से प्राप्त 334 वाणिज्यिक नमूनों और अनुसन्धान स्टेशनों से प्राप्त 54 अ व वि नमूनें, उ पू क्षे से 26 नमूनों और आई सी डी से 35 नमूनों को शामिल कर 449 कॉफी नमूनों का मूल्यांकन कायिकी और आर्गनोलेप्टिक क्वालिटी पैरामीटर्स के लिए किया गया।

फ्लेवर ऑफ इंडिया-फाइन कप अवाड्र्स कप्पिंग प्रतियोगिता-2013 के लिए कप्पिंग के अन्तिम राउण्ड हेतु चुने गए कॉफी नमूनों की जाँच नाइस, फ्राँस में 24 जून 2013 को अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के पैनल ने जाँच की। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 26 जून 2013 को नाइस, फ्रांस में एस सी ए ई प्रदर्शनी में की गई। इंडिया-फाइन कप अवाड्र्स कप्पिंग प्रतियोगिता-2013 और पुरस्कार, विजेताओं को 24 जनवरी 2014 को होटल ललित अशोक, बेंगलूर में आई आई सी एफ के दौरान कॉफी अवाड्र्स नाईट में प्रदान किया गया।

विभिन्न कॉफी क्षेत्रों से 137 अरेबिका और 90 रोबस्टा नमूनों को शामिल कर कुल 227 कॉफी नमूने प्राप्त हुए। फलेवर ऑफ इण्डिया-फाइन कप अवार्ड-कप्पिंग प्रतियोगिता के लिए प्राप्त नमूनों को कोडिंग समिति ने कोड दिया और मार्च 2014 के दौरान कायिक मूल्यांकन और पूर्व ज्यूरी कप्पिंग सत्र के लिए भेजा गया।

कॉफी प्रोसेसिंग मशीनरी हेतु समर्थन के अन्तर्गत उपदान प्रदान करने के लिए उद्योग के पणधारियों द्वारा स्थापित छ: भुनाई इकाईयों का निरीक्षण किया गया। क्यूरिंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए दो कॉफी क्यूरिंग वर्क्स का निरीक्षण किया गया।

2013-14 के दौरान क्वालिटी मूल्यांकन केन्द्र, कॉफी बोर्ड, बेंगलूर में चार कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 72 लोगों ने भाग लिया।

2013-14 के दौरान आई आई पी एम- सी आई ई द्वारा मुम्बई और कोलकाता में कॉफी उद्यम में दो तीन दिवसीय लघु अवधि कार्यकारी कार्यक्रम (एस टी ई पी) का आयोजन किया गया जिसमें कुल 31 सदस्यों ने भाग लिया ।

"कॉफी क्वालिटी प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा" के 2012-13 बैच के सात छात्रों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम को पूरा किया। 2013-14 बैच के लिए 8 छात्र शामिल हुए हैं और उन्होंने प्रथम तिमाही के लिए 16 सितम्बर 2013 को सी सी आर आई में रिपोर्ट किया। पहला तिमाही पूरा करने के बाद दूसरी तिमाही के लिए उन्होंने 16 दिसम्बर को मुख्य कार्यालय में रिपोर्ट किया।

नेशनल बारिस्ता चैम्पिचयनशिप 2014 का आयोजन दो फेज़ों में किया गया। पहला राउण्ड 16 से 18 जनवरी 2014 को मंत्री स्क्वेयर, सम्पिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूर में आयोजित किया गया और अन्तिम राउण्ड का आयोजन 24 जनवरी 2014 को होटल ललित अशोक, बेंगलूर में भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव के दौरान किया गया।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला

4 भुनी फलियाँ, 14 ग्रीन कॉफी, 20 भुनी व पिसी कॉफी 3 कैफीन रहित कॉफी, 10 भु व पि + चिकोरी और 6 मानसूनीकृत कॉफी को शामिल कर व्यापारियों से प्राप्त कुल 57 कॉफी नमूनों का विश्लेषण भिन्न पी एफ ए पैरामीटर्स के लिए किया गया। परिणामों ने इंगित किया कि सभी नमूने पी एफ ए द्वारा निर्धारित सीमा के अन्दर थे।

संसाधकों/व्यापारियों/निर्यातकों/अनुसन्धान से प्राप्त 40 सिनर, 54 डिजिटल और 3 कप्पा माइश्चर मीटर को शामिल कर कुल 97 माइश्चर मीटर को ग्रीन कॉफी नमूनों में नमी स्तर की शुद्ध माप के लिए अनुसंशोधित किया गया।

चार ग्रीन कॉफी और दो मानसूनीकृत कॉफी को शामिल कर व्यापारियों से प्राप्त छ कॉफी नमूनों का परीक्षण ओकराटॉक्सिन-ए संदूषण के लिए किया गया। हरी कॉफी

में संदूषण का स्तर 0.4 से 0.7 पी पी बी के दर पर था और मानसूनीकृत कॉफी में इसका दर 0.2 से 0.46 पी पी बी था।

सी आर एस एस चेट्टल्ली से प्राप्त 23 नमूने और आर सी आर एस, डीफू से प्राप्त 8 नमूनों को शामिल कर इकतीस ग्रीन कॉफी नमूनों का विश्लेषण नमी और कैफीन घटक के लिए किए गए और परिणामों ने दर्शाया कि सभी नमी पी एफ ए द्वारा निर्धारित सीमा के अन्दर थे।

डेटा बेस बनाने के लिए, बी आई एस पैरामीटर्स नामत: ओवन विधि, कुल राख द्वारा नमी घटक और भुनी और पिसी, शुद्ध कॉफी और कॉफी चिकोरी मिश्रण के संयोजन से कैफीन जटल शुद्ध अरेबिका और रोबस्टा कॉफी और शुद्ध भुनी और पिसी चिकोरी के नमूनों को विनिर्माताओं से संग्रहित किए गए। विभिन्न अनुपातों में अरेबिका + रोबस्टा, अरेबिका + चिकोरी, और रोबस्टा + चिकोरी और अरेबिका + रोबस्टा चिकोरी के साथ भिन्न ब्लैण्ड बनाए गए।

तेईस भुनी व पिसी कॉफी नमूनों का विश्लेषण पी एच और अम्लीयता के लिए किया गया। विश्व के भिन्न कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों से छ: भुनी कॉफी नमूनों के जल और एथनोल निस्रव दोनों में कुल अम्लीयता और पी एच के प्राक्कलन किए गए और परिणाम ने दर्शाया कि जल का पी एच और कुल अम्लीयता ने अपनी प्रतिवस्तु की तुलना में अच्छा सहसम्बन्ध दर्शाया।

बी आई एस पैरामीटर्स के लिए शुद्ध घुलनशील कॉफी और घुलनशील कॉफी : चिकोरी मिश्रण परीक्षण पर कार्य के अंश के रुप में, तीन शुद्ध घुलनशील कॉफी और तीन घुलनशील कॉफी: चिकोरी ब्लैण्डेड नमूनों को शामिल कर छ: कॉफी नमूनों को नमी प्रतिशता, कैफीन और कुल राख के लिए जांच की गई। सभी छ: नमूनों में कैफीन घटक बी आई एस द्वारा निर्धारित सीमा के अन्दर था शुद्ध घुलनशील कॉफी में कुल राख घटक बी आई एस द्वारा निर्धारित सीमा के अन्दर था जबकि घुलनशील कॉफी: चिकोरी ब्लैण्डड नमूनों में कुल राख घटक निर्धारित सीमा को पूरा नहीं कर पाए।

✦ ✦ ✦

अध्याय - V

विस्तरण तथा विकास

क) परम्परागत क्षेत्र :-

परंपरागत कॉफी उगाने वाले क्षेत्र में तीन दक्षिणी राज्य आते हैं यथा, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु परम्परागत क्षेत्र में कॉफी अधीन कुल क्षेत्र 3,47,236 हेक्टर हैं जो देश के कुल कॉफी अधीन क्षेत्र 4,18,975 हेक्टर का 84% है परम्परागत क्षेत्र में कुल जोतों की संख्या 1,64,479 है जो कि देशभर के 3,00,390 जोतों का लगभग 55% है ।

परम्परागत क्षेत्र में कॉफी अधीन क्षेत्र :-

वर्ष 2012-13 के दौरान 3 परम्परागत कॉफी उगाने वाले राज्यों में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र और जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है :-

राज्य	रोपित क्षेत्र(हे)			फलन क्षेत्र(हे)			जोतों की संख्या		
	अरेबिका	रोबस्टा	योग	अरेबिका	रोबस्टा	योग	<10 हे	>10हे	योग
कर्नाटक	109003	121330	230333	100323	113063	213386	69367	2005	71372
केरल	4175	81184	85359	3865	80548	84413	77110	275	77385
तमिलनाडु	25939	5605	31544	24461	5535	29996	15379	343	15722
परम्परागत क्षेत्र का योग	**139117**	**208119**	**347236**	**128649**	**199146**	**327795**	**161856**	**2623**	**164479**

2013-14 के लिए मौसम परिस्थिति और फसल उत्पादन:-

अधिकांश कॉफी उगाने वाले क्षेत्रों में मार्च-अप्रैल 2013 के दौरान समय पर और पर्याप्त मात्रा में हुए पुष्पण और समर्थन फुहारों के कारण 2013-14 सीजन के लिए अच्छा पुष्पण और फसल सेट हुआ तत्पश्चात, कॉफी क्षेत्रों ने मई 2013 के दौरान लम्बी अनावृष्टि अवधि का सामना किया जिसके परिणामस्वरुप सफेद तना छेदक में काफी संवृद्धि हुई और अरेबिका पौधों को बहुत हानि। सूखा अवधि के बाद जून से अगस्त 2013 तक असामान्य रुप से भारी और लगातार वर्षा से मानसून आया। भारी वर्षा के परिणामस्वरुप गीली मिट्टी परिस्थितियों के कारण ब्लैक रॉट, स्टॉक रॉट जैसे रोग और फलों का गिरना हुआ। लगातार वारिश ने कॉफी पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक दैनिक कॉफी संक्रियाओं को करने का भी अवसर प्रदान नहीं किया। वर्षा और मलिन मौसम ने फलियों और पौधों के प्रकाश संश्लेषण और नियमित विकास को प्रभावित किया। पूर्वोत्तर मानसून अवधि के दौरान प्रचलित मौसम परिस्थितियाँ फसल विकास के लिए अनुकूल थे।

सम्पूर्ण परिस्थिति और फसल उगाही को देखते हुए परम्परागत क्षेत्र के लिए 2013-14 सीज़न हेतु फसल प्राक्कलन 94,390 मे.ट. अरेबिका और 2,02,160 मे.ट. रोबस्टा को शामिल कर 2,96,550 मे.ट.है। राज्यवार विवरण निम्नानुसार है -

(मात्रा मे.ट. में)

राज्य	उत्पादन प्राक्कलन		
	अरेबिका	रोबस्टा	योग
कर्नाटक	78,440	1,32,660	2,11,100
केरल	2,000	64,675	66,675
तमिलनाडु	13,950	4,825	18,775
परम्परागत क्षेत्र का योग	**94,390**	**2,02,160**	**2,96,550**

नाशिकीट एवं रोग:-

सफेद तना छेदक जो अरेबिका का प्रमुख नाशिकीट है, का आपतन निम्न वृष्टि क्षेत्रों और स्थानीय क्षेत्रों में मध्यम से उच्च था। अधिकांश कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों में भी कॉफी बेरी बोरर का आपतन निम्न था। रोबस्टा पर शॉट होल बोरर जैसे अन्य नाशिकीट और चूषक नाशिकीट का आपतन सामान्यत: निम्न स्तर पर था।

रोगों में, अरेबिका का एक प्रमुख रोग कॉफी पत्ती किट्ट का आपतन निम्न से मध्यम स्तर पर था। ब्लैक रॉट रोग का आपतन सामान्यत: जून से अगस्त 2013 के दौरान उच्च उन्नतांश और भारी वृष्टिपात क्षेत्रों में स्थित कॉफी बागानों में अधिक देखे गए। कॉफी पर डाइ बैक और जड़ रोगों का आपतन निम्न स्तर पर था।

विस्तरण और विकास क्रिया कलापों का अनुश्रवण और समीक्षा:-

- सम्पूर्ण विस्तरण विभाग अनुसंधान निदेशक, सी सी आर आई के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन आता है।
- सचिव, कॉफी बोर्ड, विकास समर्थन स्कीम के कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं।
- हासन स्थित संयुक्त निदेशक (विस्तरण), कर्नाटक के चार उप निदेशक (विस्तरण), सात वरिष्ठ संपर्क अधिकारी और सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तरण/विकास क्रियाकलापों की देखरेख करते हैं।
- कलपेट्टा स्थित संयुक्त निदेशक (विस्तरण) दो उप निदेशक (विस्तरण), आठ वरिष्ठ संपर्क अधिकारी और केरल और तमिल नाडु के सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तरण क्रियाकलापों की देखरेख करते हैं।

विस्तरण क्रियाकलाप:

कॉफी कर्षण के वैज्ञानिक तरीकों पर ज्ञान एवं कुशलता में सुधार लाने की मंशा से प्रौद्योगिकी के अन्तरण हेतु बोर्ड के विस्तरण कार्मिकों ने कॉफी उपजकर्ताओं के साथ मेल जोल बनाए रखा। सामान्यत: उपजकर्ता और विशेषकर छोटे उपजकर्ताओं को प्रौद्योगिकी के अन्तरण हेतु विविध व्यक्तिगत और सामूहिक विस्तरण दृष्टिकोण और साधनों का प्रयोग किया गया। इसके साथ साथ कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता और क्वालिटी में सुधार करने के लिए विकास समर्थन भी दिए गए।

इस सम्बन्ध में अवधि के दौरान किए गए कार्यकलाप और प्रयुक्त हुए केन्द्रित पहुँच सिद्धांतों में व्यक्तिगत सम्पर्क, कॉफी जोतों का संदर्शन, प्रेक्षणों एवं सुझावों को पुष्ट करने हेतु सलाहकारी पत्र जारी करना, संक्रियाओं को प्रभावी रूप से संपन्न करने की कुशलता में सुधार लाने लिए पद्धति निरूपण/ फार्म पर निरूपण आयोजित करना, ग्राम स्तर/सामूहिक बैठकें एवं सेमीनार, किसान भागीदारी पद्धति (एफ पी एम)

के लिए ग्रुप बनाना, उपजकर्ताओं को लेकर सहभागिता कार्यशाला आयोजन, समूह संचार/संपर्क कार्यक्रम, मीडिया मुहिम और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम उल्लेखनीय है जिससे कॉफी उपजकर्ता और कामगारों में दक्षता और ज्ञान के स्तर में उन्नति लाई जा सके।

विस्तरण कार्मिकों ने नाशिकीट एवं रोगों की भरमार का प्रबन्धन एवं अनुश्रवण, फसल का आवधिक मूल्यांकन, बीज कॉफी के प्रापण एवं वितरण आदि क्रिया कलाप चलाए। वर्ष 2013-14 के दौरान चलाए गए विभिन्न विस्तरण क्रिया कलापों का सार निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	क्रिया कलाप	उपलब्धियाँ (सं.)
1.	एस्टेट भेंट	26286
2.	क्षेत्र निरूपण	6311
3.	सलाहकारी पत्र	3106
4.	समूह बैठकें/सेमीनार/ग्राम स्तरीय बैठकें	106
5.	समूह संचार/संपर्क कार्यक्रम	20
6.	मीडिया मुहिम	57
7.	प्रौ.मू.केन्द्रों में कॉफी कर्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	5453
8.	महिला कामगारों/उपजकर्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	994

समूह संचार कार्यक्रम :-

प्रमुख नाशिकीट और रोगों के एकीकृत प्रबन्धन पर छोटे कॉफी उपजकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए कुल 14 समूह संचार कार्यक्रम चलाए गए। पारम्परिक क्षेत्र के विभिन्न जोन में इन कार्यक्रमों के तहत लगभग 873 छोटे उपजकर्ताओं को शिक्षित किया गया।

समूह संपर्क कार्यक्रम :-

परम्परागत क्षेत्र के विभिन्न कॉफी उगाने वाले प्रदेशों में छ: समूह संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि कॉफी कर्षण के उन्नत पद्धतियों पर छोटे उपजकर्ता समूह को शिक्षित किया जा सके। इन कार्यक्रमों में बहुत से क्रियाकलाप सम्मिलित किए गए यथा, अलग अलग एस्टेटों से मिट्टी नमूना इकट्ठा करना, इन नमूनों का विश्लेषण करना और मिट्टी विश्लेषण रिपोर्ट के आधार पर मिट्टी सुधार उपाय तथा खाद प्रयोग करने की मात्रा तय करने की योजना बनाना आदि। इसके अलावा, वैज्ञानिकों एवं विस्तरणकर्ताओं से गठित एक टीम ने एस्टेटों का दौरा किया और कॉफी जोतों के समग्र उन्नति हेतु मूल्यांकन किया और परामर्श दिए। कार्यक्रम के एक भाग के रुप में उस क्षेत्र के उपजकर्ताओं के साथ अन्तर संवाद बैठक हुई। ऐसे छ: समूह संचार कार्यक्रम के तहत 1016 उपजकर्ताओं को सम्मिलित किया गया।

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र (टीईसी) :-

परंपरागत क्षेत्रों के अलग अलग कृषि जलवायवीय क्षेत्रों में स्थापित किए गए बोर्ड के दस प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्रों (टी ई सी) ने कार्य करना जारी रखा और उत्पादन तथा उत्पादकता में उन्नति लाने के लिए प्रत्येक टी ई सी के लिए बनाए गए वार्षिक कार्य योजना के अनुसार समय पर कर्षण संक्रिया को चलाए रखा। ये प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र (टी ई सी), क्षेत्र/स्थान विशिष्ट कृषिकर्म प्रणालियों द्वारा विभिन्न पौधा सामग्रियों के निष्पादन के मूल्यांकन केन्द्र और साथ में प्रशिक्षण तथा बीज उत्पादन केन्द्रों के रूप में कार्य करते रहे ।

विकास समर्थन योजना :-

बोर्ड के विस्तरण कार्मिक, विकास समर्थन स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उपदान आवेदन पत्रों/दावों के पंजीकरण, जाँच, क्रिया-पद्धति एवं संवितरण के कार्य में लगे रहे। कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता और गुणता (क्वालिटी) में उन्नति लाने के लिए पुन: रोपण, जल आवर्धन, गुणता उन्नयन और प्रदूषण उपशमन कार्यों को संचालित करने की दिशा में पारम्परिक क्षेत्र के कॉफी उपजकर्ताओं को उपदान दिए गए।

भारत सरकार की स्वीकृति के अनुसार, विद्यमान लागत मानदण्डों तथा व्यय के पैटर्न रिपोर्ट 31.12.2013 तक विस्तारित किए गए । विभिन्न घटकों के लिए विवरण और उपदान का पैमाना निम्नानुसार हैं :-

1. पुन: रोपण :

संघटित और सहकारी जोतों को छोड़कर जोतों के आकार को ध्यान में रखे बिना उपदान के लिए पात्र एकैक कॉफी उपजकर्ताओं को यह उपदान दिया गया। स्कीम के प्रयोजनार्थ विचार किया गया इकाई लागत अरेबिका के मामले में 1,00,000/- ₹ प्रति हेक्टर तथा रोबस्टा के मामले में 70,000/- ₹ प्रति हेक्टर था। उपदान का पैमाना जोत के आकार के अनुसार बदल जाता था कॉफी क्षेत्र के (i) 2 हेक्टर जोत आकार के मालिक उपजकर्ता को इकाई लागत का 40% (ii) 2 हेक्टर जोत आकार से अधिक और 10 हेक्टर तक के मालिक उपजकर्ता को इकाई लागत का 30% और (iii) 10 हेक्टर से ज्यादा जोत के मालिक उपजकर्ता को 25% देने का प्रावधान है।

2. जल आवर्धन :

20 हेक्टर तक जोत के उपजकर्ता और उपदान के लिए पात्र एकैक उपजकर्ताओं को जल आवर्धन के तहत भिन्न कार्यों के लिए इकाई लागत के 25% की दर बशर्ते कि प्रति जोत अधिकतम उपदान सीमा 4.5 लाख ₹ हो, से उपदान दिया गया। भिन्न क्रिया कलापों के लिए निर्धारित की गई इकाई लागत जोत के आकार के अनुसार बदलती है और प्रति जोत 27,000/- ₹ से 5,00,000/- ₹ के बीच रहती है।

3. गुणता (क्वालिटी) उन्नयन :

20 हेक्टर तक जोत के उपजकर्ता और उपदान के लिए पात्र एकैक उपजकर्ताओं को गुणता उन्नयन योजना के तहत भिन्न कार्यों के लिए इकाई लागत के 20% के दर बशर्ते कि प्रति जोत अधिकतम उपदान सीमा 1.5 लाख ₹ हो, से उपदान दिया गया। भिन्न क्रिया कलापों के लिए निर्धारित की गई इकाई लागत जोत के आकार के अनुसार बदलती है और प्रति जोत 25,000/- ₹ से 4,50,000/- ₹ के बीच रहती है।

4. प्रदूषण उपशमन :

प्रदूषण उपशमन कार्य करने के लिए 20 हेक्टर तक जोत के उपजकर्ताओं को इकाई लागत के 20% की दर बशर्ते कि प्रति जोत अधिकतम उपदान सीमा 80,000 लाख ₹ हो, से उपदान दिया गया। भिन्न क्रिया कलापों के लिए निर्धारित की गई इकाई लागत जोत के आकार के अनुसार बदलती है और प्रति जोत 4,000/- ₹ से 4,00,000/- ₹ के बीच रहती है।

वर्ष 2013-14 के दौरान विभिन्न कार्यों के तहत प्रत्यक्ष उपलब्धियां निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	घटक/कार्य	लाभानुभोगियों/इकाईयों की संख्या	लाभान्वित क्षेत्र हे.में
1.	पुन:रोपण	1150	2291
2.	जल आवर्धन	2981	7461
3.	गुणता उन्नयन	1758	5919
4.	प्रदूषण उपशमन	-	-
	योग		

कॉफी एस्टेट संक्रिया के मशीनीकरण हेतु समर्थन :-

इस स्कीम का उद्देश्य, विशेषकर फार्म श्रमिकों की कमी के सन्दर्भ में सम्बन्धित महत्वपूर्ण फार्म संक्रियाओं को दक्षतापूर्वक करने में उत्पादन और प्रभाविता को सुधारते समय फार्म मशीनरी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु कॉफी उपजकर्ताओं को समर्थन देना है।

विभिन्न आकार वाले जोतों और स्व स स/उपजकर्ता समष्टियों के लिए प्रयोज्य उपदान के पैमाने निम्नानुसार है।

जोतों की श्रेणी	उपदान का पैमाना
20 हे. तक के उपजकर्ता	50% बशर्त 2.00 लाख रूपयों की सीलिंग
20 हे. से ज्यादा के उपजकर्ता	25% बशर्त 4.50 लाख रूपयों की सीलिंग
स्व स स/उपजकर्ता समष्टि	50% बशर्त 5.00 लाख रूपयों की सीलिंग

इस स्कीम के तहत 2013-14 के दौरान, 10345 मशीनरी के लिए समर्थन दिया गया जिससे 9129 उपजकर्ता लाभान्वित हुए।

ख. गैर-परम्परागत क्षेत्र (एन टी ए)-(आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा) :-

क्षेत्र का आबंटन

ख) आन्ध्र प्रदेश (आ प्र) एवं ओडिशा राज्यों में कॉफी कर्षण के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान करने के लिए 1950 के प्रारंभिक वर्षों में कॉफी बोर्ड ने एक तकनीकी साध्यता सर्वेक्षण चलाया । सर्वेक्षण रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के आधार पर, आन्ध्र प्रदेश के वन विभाग ने 1961 में विशाखापट्टनम के एजेन्सी क्षेत्रों में पहली बार वाणिज्यिक कॉफी कर्षण शुरु किया। इन बागानों को बाद में इनके उचित रख-रखाव हेतु आन्ध्र प्रदेश वन विकास निगम लि.(ए पी एफ डी सी)को सौंप दिया गया। 1976 में, एकीकृत जनजाति विकास अभिकरण (आई टी डी ए) ने 'पोडू" या अन्तरण खेती के अभ्यास को रोकने के लिए जनजाति समूह को एक विकास पहल के रुप में कॉफी की शुरुआत की। गैर पारम्परिक क्षेत्र में कॉफी फार्मिंग की सम्भाव्यता को समझते हुए, कॉफी बोर्ड ने IX पंचवर्षीय योजना से आन्ध्र प्रदेश और ओडीशा में कॉफी विकास के लिए अपने समर्थन को क्रियान्वित किया।

गै प क्षे में क्षेत्र का आबंटन

आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा में कॉफी अधीन क्षेत्र और जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

संपर्क क्षेत्र	रोपित क्षेत्र (हे)			फलन क्षेत्र (हे)			जोतों की संख्या		
आन्ध्र प्रदेश	**अरेबिका**	**रोबस्टा**	**योग**	**अरेबिका**	**रोबस्टा**	**योग**	**<10हे**	**>10हे**	**योग**
मिनीमुलूरू	26978	1.0	26979	20355	1.0	20356	65038	1	65039
चिन्तापल्ली(पू)	10027	181	10208	7337	181	7518	17528	2	17530
चिन्तापल्ली(प)	14280	86	14366	11535	86	11621	19741	2	19743
अरक्कूवेली	9790	--	9790	7872	0	7872	21361	1	21362
योग	**61075**	**268**	**61343**	**47099**	**268**	**47367**	**123668**	**6**	**123674**
ओडीशा									
कोरापुट	4066	-	4066	3317	-	3317	3720	20	3740
योग	**4066**	**0**	**4066**	**3317**	**0**	**3317**	**3720**	**20**	**3740**
महायोग	**65141**	**268**	**65409**	**50416**	**268**	**50684**	**127388**	**26**	**127414**

मौसम परिस्थिति और फसल उत्पादन :-

आन्ध्र प्रदेश में 2013-14 सीजन के दौरान कॉफी के विकास के लिए मौसम संतोषजनक और अनुकूल रहा। अप्रैल 2013 के तीसरे सप्ताह में पुष्पण फुहार हुई तथा उसके बाद अप्रैल 2013 के पहले पखवाड़े के दौरान समर्थन फुहारें हुई। इससे सन्तोषजनक पुष्पण और फलों की सेटिंग हुई। जून 2013 में जमा मॉनसून बड़ा सक्रिय रहा। पूरे सीज़न में वृष्टिपात का वितरण संतोषजनक था।

ओडिशा में, 2013-14 सीजन के दौरान कॉफी के विकास के लिए मौसम संतोषजनक और अनुकूल था। मार्च 2013 के दूसरे पखवाड़े के दौरान पुष्पण फुहारें हुई और उसके बाद अप्रैल 2013 में फुहारें हुई। मानसून जून 2013 में सेट हुआ और पूरे सीजन में वृष्टिपात का फैलाव संतोषजनक था।

सम्पूर्ण परिस्थिति और फसल प्राप्ति पर विचार करते हुए 2013-14 सीजन के लिए गै प क्षे हेतु कॉफी का अंतिम प्राक्कलन 7,760 मे.टन था जिसमें 7,690 मे.टन अरेबिका और 70 मे.टन रोबस्टा शामिल है।

नाशिकीट और रोग :-

वर्ष 2013-14 के दौरान नाशिकीट और रोग की किसी प्रमुख उद्रेक की रिपोर्ट नहीं आई। कॉवेरी (एस एल एन 12) एस एल एन 7, एस एल एन 4 (ए) एस एल एन 4(टी) जैसे किट्ट सुग्राही सेलेक्शनों में आशिक पतझड और टहनियों को नष्ट होते देखा गया। ओडीशा में, कॉवेरी जैसे सुग्राही किस्मों में पत्ती किट्ट का आपतन मध्यम स्तर पर पाया गया।

विस्तरण क्रिया कलाप :-

आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा के विस्तरण कार्मिकों द्वारा लिए गए विस्तरण क्रियाकलाप कुछ निर्दिष्ट कार्यो पर केन्द्रित थे। वे थे सम्पर्क एवं कॉफी जोतों की किए गए अनुवर्ती दौरों के जरिए प्रौद्योगिकी का अन्तरण, क्षेत्र निरूपणों का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श, सलाहकारी पत्र जारी करना ताकि जनजाति सेक्टर में कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता और क्वालिटी में सुधार हो।

वर्ष 2013-14 के दौरान गैर परम्परागत क्षेत्र में किए गए विभिन्न विस्तरण क्रियाकलापों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	क्रिया कलाप	उपलब्धियां (सं)
1	एस्टेट संदर्शन	3268
2	विधि निरुपण	815
3	सम्बोधित समूह बैठकें	266
4	परम्परागत कॉफी उपजने वाले क्षेत्रों में अध्ययन दौरा	36
5	क्वालिटी जागरुकता मुहिम	13

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र (टी ई सी) :-

गैर परम्परागत क्षेत्र में दो प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र कार्यरत हैं, एक मिनीमुलूरू (आन्ध्र प्रदेश) और दूसरा कोरापुट (ओडिशा) में है। ये दोनों फार्म बीज कॉफी के उत्पादन केन्द्रों के रूप में कार्य करने के अलावा निरूपण सह प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में कार्य करते रहे।

मिनी कॉफी क्यूरिंग वर्क्स :-

2004-05 के दौरान आन्ध्र प्रदेश के चिन्तापल्ली में स्थापित मिनी कॉफी क्यूरिंग वर्क्स ने आन्ध्र प्रदेश के जन जाति उपजकर्ताओं द्वारा पूलित कच्ची कॉफी के संसाधन को जारी रखा।

गैर परम्परागत क्षेत्र में कॉफी विकास कार्यक्रम :-

वर्ष 2013-14 के लिए गैर पारम्परिक क्षेत्र में कार्यान्वित विभिन्न उपदान स्कीम के अधीन प्रत्यक्ष उपलब्धि निम्नानुसार है :-

कॉफी विस्तारण (क्षे हे में)	3344
क्वालिटी उन्नयन	-
सुखाने वाले यार्ड	1034
बेबी पल्पर्स	250

ग. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एन ई आर) :-

असम के कचर जिले में वर्ष 1953 में कॉफी कर्षण आरंभ किया गया। कॉफी विस्तरण कार्यक्रम प्रारम्भिक रुप से पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के निगमों/विभागों द्वारा किया गया था। क्योंकि कर्षण प्रोत्साहजनक था इसलिए कॉफी बोर्ड ने 1982-1990 के दौरान एक बृहत सर्वेक्षण चलाया और उ पू क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में कॉफी कर्षण हेतु उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान की। इसके बाद, IX योजना अवधि (1997-2002) से कॉफी विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन से बोर्ड सीधे जुड़ गया।

वितरण के क्षेत्र

पूर्वोत्तर राज्यों में कॉफी अधीन क्षेत्र और जोतों की संख्या को बताता विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं	संपर्क क्षेत्र/ राज्य	रोपित क्षेत्र (हे)			फलन क्षेत्र (हे)			जोतों की संख्या		
		अरेबिका	रोबस्टा	योग	अरेबिका	रोबस्टा	योग	<10 हे	>10 हे	योग
1	अरूणाचल प्रदेश		योग	211	-	154	154	179	2	181
2	असम	635	375	1010	388	304	692	989	3	992
3	मणिपुर	225	2	227	22	-	22	206	-	206
4	मेघालय	336	373	709	227	201	428	1074	-	1074
5	मिजोरम	1993	4	1997	627	3	630	3752	3	3755
6	नागालैंड	1584	196	1780	600	50	650	1491	1	1492
7	त्रिपुरा	347	49	396	200	49	249	797	-	797
	योग	**5127**	**1203**	**6330**	**2064**	**761**	**2825**	**8488**	**9**	**8497**

मौसम परिस्थिति और फसल उत्पादन :-

पूर्वोत्तर राज्यों में सामान्य जलवायु ज्यादातर सुस्पष्ट लक्षणों सहित उष्णकटिबन्धीय एवं उप उष्णकटिबन्धीय थी जिसमें लम्बे दिन, उच्च वृष्टिपात, दैनिक तापमान में बदलाव इत्यादि अनुभव हुए। तथापि, पूर्वोत्तर क्षेत्र में बारिश ने कॉफी कर्षण में कोई सीमित करने वाला प्रभाव नहीं डाला।

नाशिकीट और रोग :-

सामान्यत: कुछ जगहों में सफेद तना छेदक और पत्ती किट्ट के हल्के आपतन को छोड़कर पूर्वोत्तर क्षेत्र के कॉफी एस्टेटों में किसी बड़े नाशिकीट और रोग का प्रदुर्भाव नहीं देखा गया।

विस्तरण क्रिया कलाप :-

क्र सं	क्रिया कलाप	उपलब्धियां (संख्या में)
1	एस्टेट संदर्शन	2474
2	विधि निरुपण	1190
3	सम्बोधित समूह बैठकें	314
4	क्वॉलिटी जागरुकता मुहिम	54

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र (टी ई सी) :

पूर्वोत्तर क्षेत्र में चार प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र कार्य कर रहे हैं। ये दिओमली (अरूणाचल प्रदेश), हफलांग (एन सी हिल्स, असम), बुआलपुई (मिजोरम), तुलाकोना (अगरतला, त्रिपुरा) में स्थित हैं। टी ई सी, बुआलपुई, मिजोरम, बीज कॉफी के उत्पादन केन्द्र के साथ साथ निरूपण सह प्रशिक्षण केन्द्र के तौर पर भी सेवाएं प्रदान करता रहा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफी विकास कार्यक्रम के अधीन समर्थन :-

वर्ष के दौरान, कॉफी के उत्पादन और क्वालिटी की समग्र उन्नति के उद्देश्य के साथ बोर्ड ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफी विकास कार्यक्रम के तहत विस्तारण, समेकन और क्वालिटी (गुणता) उन्नयन जैसे अलग अलग कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यकलापों की दिशा में दिए गए समर्थन की प्रत्यक्ष उपलब्धि नीचे प्रस्तुत है :-

क्रियाकलाप	क्षेत्र/इकाई
कॉफी विस्तारण (हे.में)	363
कॉफी का समेकन (हे.में)	88
क्वालिटी उन्नयन	
क) पल्पर्स (इकाई संख्या)	122
ख) सुखाने के यार्ड (इकाई संख्या)	105

उपरोक्त कार्यकलापों के लिए दिए गए वित्तीय समर्थन के अलावा, कॉफी विस्तारण और समेकन कार्यो को सहायता देने के लिए समूह नर्सरियों के जरिए कॉफी पौदों और छाया वृक्ष के पौदों को उगाकर वितरित करने के लिए भी बोर्ड ने समर्थन दिया।

बाजार समर्थन योजना के अन्तगर्त पूर्वोत्तर क्षेत्रों में उत्पादित कॉफी के सम्बन्ध में, जनजाति उपजकर्ताओं से कच्ची कॉफी के संग्रहण, उसके संसाधन, परिवहन और निपटान की लागत को पूरा करने के लिए बोर्ड ने आवश्यक वित्तीय समर्थन प्रदान करना जारी रखा।

मिनी कॉफी क्यूरिंग वर्क्स :-

बुआलपुई में बोर्ड द्वारा स्थापित मिनी कॉफी क्यूरिंग वर्क्स में मिजोरम और त्रिपुरा के उपजकर्ताओं द्वारा पूल की गई कच्ची कॉफी का संसाधन कार्य जारी रहा।

घ. पणधारियों के लिए क्षमता निर्माण :-

कॉफी उद्योग के पणधारियों के क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन किए गए जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

- भारतीय बागान प्रबन्ध संस्थान, बेंगलूर के सहयोग से देश के विभिन्न कॉफी उगाने वाले क्षेत्रों के 233 कॉफी उपजकर्ताओं के लिए 10 पहुँच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पहुंच कार्यक्रम के अधीन लिए गए प्रमुख विषय हैं: (i) कॉफी एस्टेटों में मशीनरी का प्रयोग और उनका रख रखाव (ii) लाभ और धारणीयता हेतु प्रमाणीकृत कॉफी (iii) व्यक्तित्व, कैरियर और सम्बन्ध प्रबन्धन (iv) विस्तरण प्रबन्धन हेतु भागीदारी पहुँच (v) गै प क्षे के लघु उपजकर्ताओं के भविष्य हेतु परिवार कॉफी व्यापार का प्रबन्धन करना (vi) पूर्वोत्तर क्षेत्र के उपजकर्ताओं के भविष्य हेतु परिवार कॉफी व्यापार का प्रबन्धन (vii) कॉफी बाजार और मूल्य रुझान ।
- भारतीय बागान प्रबंध संस्थान, बेंगलूर ने बोर्ड के 143 कार्मिकों के लिए (i) कॉफी में मूल्य श्रृंखला प्रबन्धन (ii)सरकारी संगठनों में प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं (iii) आई टी समर्थ प्रशासनिक प्रणाली (आई टी ई ए एस) प्रणाली और (iv) कॉफी सेक्टर में उद्यम और नई खोज पर 6 लघु अवधि कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- कॉफी बोर्ड के प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्रों में 5453

कॉफी उपजकर्ताओं, एस्टेट कामगारों और पर्यवेक्षण स्टाफ के लाभ के लिए कॉफी खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

- कृषि विश्वविद्यालयों/आई सी ए आर के कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोग से 994 महिला उपजकर्ताओं/ कामगारों के लाभ के लिए महिला विशिष्ट व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- कापी शास्त्र के पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रम और कॉफी भूनने, पीसने और फुटकर विक्रय पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे क्रमश 83 और 72 लाभानुभोगी लाभान्वित हुए।

ङ) कार्य पूँजी ऋणों पर कॉफी उपजकर्ताओं को ब्याज उपदान :-

कॉफी के लिए विकास समर्थन स्कीम के एक भाग के रुप में, बोर्ड ने निम्नलिखित शर्तों पर कार्य पूंजी ऋणों पर उपजकर्ताओं को समान दर पर (5% से ज्यादा नहीं) ब्याज उपदान दिया :

(i) प्रति अरेबिका कॉफी उपजकर्ता को 50,000 ₹ और प्रति रोबस्टा कॉफी उपजकर्ता को 40,000 ₹ की सीलिंग तक सीमित ब्याज उपदान दिया जायगा।

(ii) ब्याज उपदान देने के बाद, ब्याज दर 7% से कम नहीं होना चाहिए।

वर्ष के दौरान 479 उपजकर्ताओं को 52.39 लाख ₹ तक ब्याज उपदान का लाभ प्राप्त हुआ।

✦ ✦ ✦

अध्याय - VI

बाजार विकास और संसाधन हेतु सहायता

एक मजबूत और धारणीय घरेलू कॉफी बाजार में घरेलू कॉफी उपभोग को बढ़ाने और निम्न अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों की अवधियों में उपजकर्ताओं, विशेषकर छोटे उपजकर्ताओं को अच्छा मुनाफा देने की दृष्टि से और मूल्य संवर्धन के लिए अवसर प्रदान करने हेतु भारत सरकार ने निम्नलिखित दो योजनाओं को अनुमोदित किया है :

क. बाजार विकास हेतु स्कीम

ख. कॉफी संसाधन हेतु समर्थन

क. बाजार विकास

इस योजना के दो उप घटक हैं- यथा i) घरेलू प्रोन्नयन एवं ii) बाजार अनुसंधान एवं इंटेलिजंस

i) घरेलू प्रोन्नयन:-

यह जाहिर है कि भारत में कॉफी सेक्टर में दीर्घकालीन धारणीयता हासिल करने के लिए, सुदृढ़ घरेलू बाजार की संवृद्धि महत्वपूर्ण है । सेक्टर में मूल्य सृजित करने के अतिरिक्त, एक सुदृढ़ माँग उत्पादकों के लिए किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के विरूद्ध एक संघातसह बनाने में सहायक होता है। इस सन्दर्भ में, कॉफी रोस्टिंग, ब्रूइंग आदि पर प्रशिक्षण देते हुए उद्यमी निपुणता का विकास करने के साथ सामूहिक मीडिया (टी.वी., रेडियो, पत्रिकाओं) का प्रयोग करते हुए सामान्य प्रोन्नति मुहिमों के जरिए कॉफी/शुद्ध कॉफी पीने के बारे में जागरूकता लाने, उत्सवों में भाग लेने जैसे कार्य करते हुए घरेलू बाजार में संवृद्धि को सहज बनाया जा सकता है।

घरेलू प्रोन्नति नीति, बाजार इन्टेलिजेन्स इकाई द्वारा किए गए बाजार विश्लेषण से प्राप्त हुए सूचनाओं के आधार पर बनती है।

ii) बाजार अनुसंधान और इंटेलिजंस :-

इस घटक को उपजकर्ताओं को वेब के जरिए बाजार रूझान का विशलेषण जुटाने और बोर्ड के विस्तरण नेटवर्क के जरिए इस विश्लेषण का विकीर्णन करने पर फोकस करना है ताकि उपजकर्ता बाजार में अच्छा मूल्य प्राप्त कर सकें। बाजार इन्टेलिजेन्स इकाई द्वारा किए गए कार्यों में वार्षिक फसल प्राक्कलन करते हुए सप्लाई प्राक्कलन, बाजार विश्लेषण, कॉफी पर डेटा बेस का रख-रखाव, घरेलू सूचकांक मूल्य रिपोर्ट, घरेलू खपत और मनोवृत्ति सर्वेक्षण और साथ ही, आवधिक अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत करना शामिल है। घरेलू खण्ड में बाजार विकास हेतु विशेष सूचना एकत्रित करने के लिए घरेलू उपभोग पर आवधिक सर्वेक्षण किए जाते हैं।

घरेलू प्रोन्नतीय क्रियाकलाप:-

घरेलू कॉफी उपभोग के माँग और रुझानों का विश्लेषण आवधिक अध्ययनों के जरिए किया जाता है जो विपणन कार्य नीति की रुप रेखा बनाने के लिए हमें उपयोगी निर्विष्ट प्रदान करता है और इसके आधार पर बोर्ड इन क्षत्रों को पहचानकर घरेलू प्रदर्शनियों में भाग लेता है। पिछले वर्ष बोर्ड ने कॉफी पेय को प्रोन्नत करने के लिए उत्तर, पूव, पश्चिम और दक्षिण भारत जैसे सम्भाव्य क्षेत्रों को पहचानकर जाने माने 46 प्रदर्शनियों में भाग लिया।

कॉफी बोर्ड घरेलू कॉफी उपभोग को आगामी वर्षो में बढ़ाने का लक्ष्य कर रहा है और 2013/14 के दौरान बोर्ड ने निम्नलिखित घरेलू मेलों में भाग लिया।

क्र. सं.	घटना का नाम	अवधि
1	ओबेराय मुम्बई में 44 वाँ सामान्य सभा	21 से 24 अप्रेल 2013
2	व्यापक आरोग्य-2013 - मेला आयुर्वेद, योगा व यूनानी, चण्डीगढ़	10 से 13 मई 2013
3	इण्डिया बेकरी एक्स्पो, चेन्नई	18 से 20 मई 2013
4	कोडईकनाल, त-ना में वार्षिक पुष्प मेला	19 और 20 मई 2013
5	डेक्कन हेराल्ड घटना 2013, बेंगलूर	25 और 26 मई 2013
6	फूड एण्ड होस्पिटालिटी वर्ल्ड 2013 वाइटफील्ड, बेंगलूर	12 से 14 जून 2013
7	9 वॉं फूड व टेक एक्स्पो, 2013 नई दिल्ली	26 से 28 जुलाई 2013
8	एग्रीइन्टेक्स 2013 कोडिशिया, कोयम्बत्तूर, त.ना.	11 से 14 जुलाई 2013
9	दिनामलर एग्री एक्स्पो 2013, वेल्लूर, त.ना	2 से 5 आगस्त 2013
10	12 वॉं कोलकाता फूडटेक 2013 मिलन, कोलकाता	16 से 18 आगस्त 2013
11	5 वॉं संस्करण फूडेक्स 2013, बी आई ई सी, बेंगलूर	23 से 25 आगस्त 2013
12	आई टी पी ओ नैनीताल कार्निवल 2013, नैनीताल, उत्तराखण्ड	8 से 13 आगस्त 2013
13	उपासी कुन्नूर 2013, कुन्नूर, त ना	2 और 3 सितंबर 2013
14	आहार के टी पी ओ 2013, बेंगलूर	6 से 8 सितंबर 2013
15	खाद्य व पेय का 10 वॉं संस्करण, गोआ	19 से 21 सितंबर 2013
16	अन्नपूर्णा 2013, मुम्बई	23 से 25 सितंबर 2013
17	कलियाघई उत्सव 2013, मिदनापुर, प.बं	24 से 28 सितंबर 2013
18	कॉफी उत्सव 2013, चण्डीगढ़	27 से 30 सितंबर 2013
19	एन एन एस 8 वां मेरी दिल्ली उत्सव, नई दिल्ली	4 से 6 अक्तूबर 2013
20	ग्लोबल एग्री कन्नक्ट 2013, पूसा, नई दिल्ली	25 से 27 अक्तूबर 2013
21	एफ आई सी सी आई, आरोग्य, आयुर्वेद, योगा पर व्यापक मेला, लखनऊ, उ प्र	25 से 28 अक्तूबर 2013
22	सी आई आई चण्डीगढ़ मेला 2013 का 18 वॉं संस्करण, चण्डीगढ़	25 से 28 अक्तूबर 2013
23	रेलवे ग्राउण्ड सिलीगुडी प.बं में हिमालयन एक्स्पो	25 से 31 अक्तूबर 2013
24	कृषि मेला 2013, जी के वी के, बेंगलूर	7 से 11 नवंबर 2013
25	बायो फैक 2013, बेंगलूर	14 से 16 नवंबर 2013

26	23 वाँ इण्डिया इन्टेल व्यापार मेला 2013 (आई आई टी एफ) नई दिल्ली	14 से 27 नवंबर 2013
27	चौथा एग्रो टेक 2013, आई टी सी, कोलकाता	28 से 30 नवंबर 2013
28	पी एच डी, पीटेक्स इण्टेल एक्स्पो 2013, अमृतसर, पंजाब	5 से 9 दिसंबर 2013
29	एन्फोकोम 12 जेम्स ऑफ इण्डिया 2013, कोलकाता	5 से 8 दिसंबर 2013
30	फाइन फूड इण्डिय 2013, नई दिल्ली	11 से 13 दिसंबर 2013
31	10 वाँ जतिया सहन्ती उत्सव 2013, कोलकाता, प.बं	11 से 17 दिसंबर 2013
32	छठा ओनाटूकरा एग्री उत्सव 2013, आल्लेप्पी, केरल	26 से 30 दिसंबर 2013
33	37वाँ सुन्दरबन मेला 2014, कोलकाता,प बं	3 से 12 जनवरी 2014
34	80वीं अखिल भारतीय कन्नड साहित्य सम्मेलन, मडिकेरि	7 से 9 जनवरी 2014
35	कॉफी सन्ते, बेंगलूर	11 से 12 जनवरी 2014
36	पहला असम एण्टेल एग्री होर्टी शो 2014, गुवाहाटी, असम	8 से 11 जनवरी 2014
37	क्लासिक विन्टेज कार रैली 2014, कोलकाता	19 जनवरी 2014
38	आई आई सी एफ 2014, बेंगलूर	21 से 25 जनवरी 2014
39	पार्टनरशिप सम्मिट 2014, ताज वेस्ट एण्ड, बेंगलूर	27 से 29 जनवरी 2014
40	एशिया अफ्रिका एग्री व्यापार 2014, नई दिल्ली	4-6 फरवरी 2014
41	सी सी एम सी एच मसाला बोर्ड 2014, कोचिन, केरल	11 से 14 फरवरी 2014
42	इन्दौर फूड एक्स्पो, इन्दौर, म.प्र.	14 से 16 फरवरी 2014
43	5 वाँ विशन राजस्थान 2014, जयपुर राजस्थान	17 से 19 फरवरी 2014
44	रबड़ बैठक 2014, कोचिन, केरल	20 और 21 फरवरी 2014
45	9 वाँ न्यूट्रा इण्डिया सम्मिट 2014, बेंगलूर	12 से 14 मार्च 2014
46	आहार 2014, नई दिल्ली	10 से 14 मार्च 2014

कॉफी सेवन को उस के बारे में जागरुकता के जरिए ही बढ़ाया जा सकता है और इसे समूह मीडिया के साधारण समूह मीडिया मुहिमों जैसे टी वी मुहिम और पुस्तिका, पत्रिका आदि के रुप में प्रिन्ट मीडिया मुहिमों के जरिए किया जाता है। अत: कॉफी पीने के बारे में जागरुकता लाने के लिए इन मुहिमों को प्रभावी रुप से किया जाता है। कॉफी में कैरियर बनाने के लिए युवा पीढी का ध्यान आकर्षित करने के लिए बोर्ड ने विज्ञापन भी रिलीज़ किए हैं जिसमें उपभोक्ता जनता को एन्टीआक्सिडण्ट, टाइप 2 डायबटीज़ और अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी सकारात्मक पहलुओं पर प्रशिक्षित करने के अलावा एक कप्पर, रोस्टर या बारिस्टा बनने के पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

बोर्ड ने दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, बेंगलूर, भोपाल, तिरुमला एवं गुरुवायुर के प्रमुख स्थानों में कार्यरत 13 इण्डिया कॉफी डिपो/ इण्डिया कॉफी हाउसों के जरिए उपभोक्ताओं को शुद्ध कॉफी का अनुभव देने के प्रयास को जारी रखा।

कापी शास्त्र कार्यक्रम

2013-14 के दौरान बोर्ड ने मुख्य कार्यालय, बेंगलूर में चार कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम और नई कोलकाता और मुम्बई में भारतीय बागान प्रबन्धन संस्थान नवीन उद्यमी हेतु केन्द्र (आई आई पी एम - सी आई ई) के सहयोग से दो पहुँच कार्यक्रमों का आयोजन किया ।

कॉफी प्रसंस्करण हेतु समर्थन : मूल्य संवर्धन की दिशा में एक कदम

कॉफी श्रृंखला में कॉफी अर्थ व्यवस्था का 40% उत्पदाक देशों में रहता है जबकि शेष 60% का अधिग्रहण उपभोक्ता देश कर लेते है। वर्षों में उपभोक्ता देशों ने अन्तिम उत्पाद के रुप में कॉफी के प्रसंस्करण, विनिर्माण और विपणन की योग्यता को सुधारा है । कॉफी मूल्य श्रृंखला और बाजार के लगातार विकास के लिए रोस्टिंग, ग्राइंडिंग और पैकेजिंग के नवीनतम प्रौद्योगिकियों को अपनाना अत्यन्त जरुरी है। घरेलू बाजार में कॉफी का प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन रोजगार उत्पन्न करने के अनेक अवसर प्रदान करेगा विशेषकर छोटे और मध्यम उद्यमों के जरिए। चूँकि कॉफी रोस्टिंग, ग्राइंडिंग और पैकेजिंग के क्षेत्रों में आधुनिक प्रौद्योगिकियां पूँजी प्रधान हैं और यह छोटे और मध्यम उद्यमियों (एस एम ई एस) को कॉफी मूल्य संवर्धन क्रिया कलापों का जोखिम लेने से मना करता है। अत: अच्छी क्वालिटी कॉफी पाउडर तैयार करने और पैकेज के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी अपनाने हेतु उद्यमियों को उचित समर्थन देने को आवश्यक समझा गया।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य कॉफी रोस्टिंग, ग्राइंडिंग और पैकेजिंग में उन्नत प्रौद्योगिकियों के समावेशन के जरिए कॉफी उत्पाद की क्वालिटी को बढ़ाना और मूल्य संवर्धन प्राप्त करना है ।

व्यक्ति विशिष्ट, स्वयं सहायता समूह और उपजकर्ता समष्टियां, विपणन सहकारी समितियां, फर्म, सहभागी जो कॉफी रोस्टिंग और ग्राइंडिंग इकाइयों की स्थापना करने और जो वर्तमान इकाइयों को नए स्वचालित और ऊर्जा बचाने वाले मशीनरी से आधुनिकीकृत करना चाहते हैं, योजना के अन्तर्गत लाभों के हकदार हैं।

व्यक्ति विशेष/फार्मों के लिए उपदान दर को कुल लागत के 25% तक और स्वयं सहायता समूहों और अन्य उपजकर्ता समूहों के लिए 40% तक सीमित किया गया है। कुल लागत में मूल लागत के अलावा, मशीनरी सामग्रियां, प्रयोज्य कर, वहन शुल्क, बीमा और कमीशनिगं की लागत शामिल है। अधिकतम उपदान 25.00 लाख. प्रति इकाई तक सीमित है।

निम्नलिखित किसी भी संयोज्य के रोस्टिंग, ग्राइंडिंग और पैकेजिंग मशीनरी उपदान के लिए हकदार है-

1) रोस्टिंग मशीन, ग्राइंडिंग मशीन और पैकेजिंग मशीन

2) रोस्टिंग मशीन और पैकेजिंग मशीन

3) ग्राइंडिंग मशीन और पैकेजिंग मशीन

तथापि, वर्तमान इकाइयों के सम्बन्ध में, उपदान किसी एक प्रकार के मशीन यथा रोस्टिंग, ग्राइंडिंग या पैकेजिंग मशीन के लिए वांछनीय होगा । एक ग्राइंडिंग मशीन या रोस्टिंग मशीन पर उपदान पर तब ही विचार किया जाएगा जब एक कार्यशील पैकेजिंग पहले से विद्यमान है या इसका विपरीत।

वर्ष के दौरान कॉफी संसाधन मशीनरी हेतु समर्थन योजना के अधीन 6 रोस्टिंग इकाइयों का निरीक्षण कर उपदान दिए गए।

✦ ✦ ✦

अध्याय VII

निर्यात संवर्धन

कॉफी निर्यात

निर्यातक पंजीकरण और नवीनीकरण :

31 मार्च 2014 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड में पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 538 थी जब कि 31 मार्च 2013 को यथास्थिति इनकी संख्या 457 थी। इसमें वर्ष 2013-2014 के 81 नए पंजीकरण शामिल हैं।

निर्यात परमिट और आई सी ओ मूल प्रमाणपत्र :

कॉफी बार्ड कॉफी अधिनियम की धारा 20 के अन्तर्गत कॉफी निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी करता है। अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन, लन्दन के मानदण्डों के अनुसार कॉफी बोर्ड कॉफी के पंजीकृत निर्यातकों को निर्धारित आवेदन के जरिए उनके आग्रह पर कॉफी के निर्यात के लिए मूल प्रमाणपत्र भी जारी करता है।

ऑनलाइन निर्यात परमिट आवेदन प्रस्तुत करना :

व्यक्तिगत रुप से तथा ऑन लाइन दोनों के जरिए प्रस्तुत आवेदन के लिए निर्यात परमिट और मूल प्रमाण पत्र जारी किए गए। निर्यात परमिट ऑन लाइन प्रस्तुत करने की सुविधा भारतीय कॉफी के निर्यात हेतु सभी पंजीकृत निर्यातकों को उपयोक्ता आई डी और पास वर्ड देते हुए प्रदान की गई है।

वर्ष के दौरान कॉफी के 160 पंजीकृत निर्यातकों को कुल 10,584 निर्यात परमिट और आई सी ओ मूल प्रमाण पत्र जारी किए गए, 2012-13 के दौरान 9993 निर्यात परमिट जारी किए गए थे । 10,584 परमिटों में से 9210 परमिट भारतीय मूल कॉफी के निर्यात के लिए जारी किए गए और शेष 1374 परमिट कॉफी के पुन: निार्यात के लिए जारी किए गए।

निर्यातकों के साथ अन्तरसंवाद

वर्ष के दौरान कॉफी निर्यातकों और निर्यातक संघ/ स्पेशियालिटी कॉफी संघ के साथ बैठक आयोजित किए गए। बैठकों में निर्यात संवर्धन योजना, अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं, व्यापार मेलों में सहभागिता, क्वालिटी विषय, वित्तीय सहायता आदि से जुड़े विभिन्न पणधारी सम्बन्धित विषयों पर विचार विमर्श किया गया। सभी सम्बन्धित विषयों को उचित हस्तक्षेप और समर्थन हेतु मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

रिपोर्ट और प्रविवरण

कॉफी निर्यात के बारे में मंत्रालय और अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन को भेजने के लिए आवधिक रिपार्ट और विवरण बनाने और प्रस्तुत करने का कार्य संपादित हुआ। इसके अलावा उनके क्रिया कलापों में सहायता देने के लिए निर्यातक समुदाय को सूचना का विकीर्णन किया गया है। अवधि के दौरान एकत्रित किए गए तथा भेजे गए प्रमुख रिपोर्ट और प्रविवरण निम्नानुसार है :-

- बोर्ड के वेबसाईट, सूचना पट्ट और बोर्ड के अधिकारियों को निर्यात निष्पादन पर दैनिक रिपोर्ट।
- गन्तव्य-वार निर्यातों पर मंत्रालय को मासिक रिपोर्ट।
- कॉफी के प्रारंभिक निर्यात पर अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (आई सी ओ) को गन्तव्य स्थान के हिसाब से मात्रा तथा कीमत देते हुए मासिक रिपोर्ट।
- भारत से निर्यातित कॉफी हेतु आई सी ओ द्वारा जारी मूल सम्बन्धी प्रमाण पत्र के बारे में उपलब्ध सांख्यिकीय आँकडों को मासिक आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन को भेजना।

उपरोक्त के अलावा निर्यातकवार, देशवार, किस्म एवं श्रेणीवार निर्यात इत्यादि की रिपोर्टें तैयार की गई।

कॉफी की निर्यात योग्य किस्म और श्रेणी :-

अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (आई सी ओ) के कॉफी क्वालिटी सुधार कार्यक्रम के अनुसार (देखें संकल्प संख्या 420) और परिपत्र सं मार्च/निर्यात/33-बी/2010-11/790 दि: 18.08.2010 के तहत परिचालित मानसूनीकृत कॉफी के विद्यमान मानको में तद्नुरूप संशोधन के तहत कॉफी बोर्ड द्वारा पहचाने गए निर्यात योग्य किस्म व श्रेणियों का विवरण निम्नानुसार है :-

कॉफी की निर्यात योग्य किस्में एवं श्रेणी

किस्म	प्रीमियम श्रेणी	व्यावसायिक श्रेणी	स्पेशियालिटी कॉफी
हरी कॉफी अरेबिका पार्चमेंट (प्लान्टेशन) (धुली अरेबिका)	पी बी बोल्ड ए ए	पी बी,ए,बी, सी*1 बल्क	मैसूर नग्गिट्स एक्सट्रा बोल्ड
अरेबिका चेरी (अनधुली अरेबिका)	पी बी बोल्ड एए.ए	पी बी, ए बी, सी*2 बल्क*3	मानसूनीकृत मलबार ए.ए.ए मानसूनीकृत मलबार ए.ए मानसूनीकृत मलबार ए मानसूनीकृत मलबार अरेबिका ट्रियेज*4
रोबस्टा पार्चमेंट (धुली रोबस्टा)	पी बी बोल्ड ए	पी बी, ए बी, सी, बल्क	रोबस्टा कॉफी रोयाल
रोबस्टा चेरी (अनधुली रोबस्टा)	पी बी बोल्ड एए.ए	पी बी, ए बी, सी, बल्क, क्लीन बल्क	मानसूनीकृत मलबार रोबस्टा ए.ए मानसूनीकृत मलबार रोबस्टा ट्रियेज*4
विविध श्रेणी लिबेरिया एक्सलसिया		 बल्क*5 बल्क*5	
इंस्टेन्ट कॉफी			
रोस्टड कॉफी बीज			
रोस्टड एवं ग्राउण्ड कॉफी			

*1 प्लान्टेशन- सी के लिए अपवाद-आई सी ओ के संकल्प 407/420 के पाद टिप्पणी में वर्णित समतुल्य में सूचित के अनुसार ।

*2 अरेबिका चेरी सी को ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित होना चाहिए।

*3 अरेबिका चेरी बल्क में 10% से कम ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स होना चाहिए।

*4 मानसूनीकृत अरेबिका ट्रिएज व मानसूनीकृत रोबस्टा ट्रिएज को ब्लेक्स, ब्राउन्स व बिट्स रहित होना चाहिए।

*5 रोबस्टा की तरह समान त्रुटि संख्या में।

*6 मानसूनीकृत कॉफी के लिए नमी स्तर 13.0 से 14.5% तक रहना चाहिए।

कॉफी का निर्यात :

2013-14 के दौरान 3,12,454 मे.ट. (पुन: निर्यात के 63,571 मे.ट. को शामिल कर) की मात्रा के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए। इसका मूल्य 4,760.35 करोड ₹। है जो 810.03 यू एस मिलियन डॉलर्स के समतुल्य है और इसका इकाई मूल्य 1,52,353 प्रति मे ट है। जारी किए गए कुल परमिटों में से 2,98,152 मे ट (57,026 मे ट के पुन: निर्यातों को शामिल कर) के लिए प्रावधानिक रुप से निर्यात की संपुष्टि की। इसका मूल्य 4,532.45 करोड ₹ है जो 764.59 यू एस मिलियन डॉलर्स के समतुल्य है और इसका इकाई मूल्य 1,52,018 ₹ प्रति मे.ट. है। वर्ष 2012-13 के दौरान कॉफी का निर्यात 2,99,288 मे.ट. था जिसका मूल्य 855.46 यू एस मिलियन डालर्स है जो 4,552.75 करोड ₹ के समतुल्य है और इसका इकाई मूल्य 1,52,119 ₹ प्रति मे ट है।

2013-14 के दौरान भारत से कॉफी का निर्यात पिछले वर्ष के 104 देशों की तुलनाओं 102 देशों को किया गया जिनमें से इटली, जर्मनी, बेल्जियम रुस संघ, और टर्की 5 प्रमुख आयातक देश हैं।

कॉफी की किस्म	मात्रा मेट्रिक टन में	कुल निर्यात का प्रतिशत
अरेबिका पार्चमेंट	48,055	16.12
अरेबिका चेरी	11,344	3.80
रोबस्टा पार्चमेंट	29,125	9.77
रोबस्टा चेरी	1,24,929	41.90
भुनी कॉफी बीन्स तथा पिसी कॉफी ह.फ.स में	255	0.09
इंस्टेंट/घुलनशील ह.फ.स में	84,444	28.32
योग	**2,98,152**	**100.00**

* ग्रीन बीन (हरी फली) समतुल्य

निर्यातित मात्रा का श्रेणीवार विवरण

क्र सं	ग्रेड का नाम	मात्रा टन में	भारतीय लाख में	यू एस डालर लाख में	इकाई मूल्य	
					प्रति टन	मूल्य यू एस ए / टन
1	प्लान्टेशन -ए	18,766.0	35425.00	598.00	188777.00	3188.00
2	प्लान्टेशन - पी बी	2,298.00	4193.00	70.00	182479.00	3039.00
3	प्लान्टेशन - बी	8,828.0	15152.00	255.00	171638.00	2893.00
4	प्लान्टेशन - सी	4,404.0	6721.00	113.00	152596.00	2573.00
5	प्लान्टेशन - बल्क	1,782.0	3210.00	54.00	180117.00	3020.00

6	मैसूर नग्गिट्स-ई बी	2,130.0	4065.00	69.00	190902.00	3217.00
7	प्लान्टेशन -ए ए	9,839.0	18984.00	324.00	192944.00	3289.00
8	प्लान्टेशन - पीबी बोल्ड	9.0	20.00	0.00	224889.00	4222.00
9	अरेबिका चेरी - ए बी	5,407.0	7977.00	134.00	147535.00	2473.00
10	अरेबिका चेरी - पीबी	58.0	89.00	2.00	154593.00	2600.00
11	अरेबिका चेरी - सी	739.0	896.00	15.00	121139.00	1981.00
12	अरेबिका चेरी - बल्क	126.0	234.00	3.00	185843.00	2727.00
13	मानसूण्ड मलबार - ए ए	4,203.0	9688.00	160.00	30494.00	3810.00
14	मानसूण्ड बासनल्ली	375.0	677.00	11.00	180408.00	3040.00
15	मानसून्ड अरे- ट्रिएज	209.0	269.00	4.00	129233.00	2125.00
16	अरेबिका चेरी - ए ए	142.0	232.00	4.00	163146.00	2788.00
17	अरेबिका चेरी -ए	85.0	140.00	2.00	165253.00	2827.00
18	रोबस्टा पार्चमेन्ट-ए बी	10,346.0	16469.00	282.00	159187.00	2724.00
19	रोबस्टा पार्चमेन्ट - पीबी	1,922.0	2684.00	47.00	139657.00	2469.00
20	रोबस्टा पार्चमेन्ट - सी	1,260.0	1667.00	28.00	132302.00	2242.00
21	रोबस्टा पार्चमेन्ट बल्क	7,229.0	11035.00	189.00	152637.00	2614.00
22	रोबस्टा कापी रोयाल	7,482.0	11759.00	196.00	157165.00	2622.00
23	रोबस्टा पार्चमेन्ट -ए	867.0	1405.00	24.00	162027.00	2736.00
24	रोबस्टा पार्चमेन्ट -पी बी बोल्ड	19.0	39.00	1.00	204479.00	3177.00
25	रोबस्टा चेरी - ए बी	54,258.0	66760.00	1132.00	123041.00	2087.00
26	रोबस्टा चेरी - पीबी	3,372.0	4361.00	75.00	129352.00	2211.00
27	रोबस्टा चेरी - सी	27.0	33.00	1.00	124151.00	2038.00
28	रोबस्टा चेरी - बल्क	3,336.0	3991.00	68.00	119634.00	2046.00
29	रोबस्टा चेरी क्लीन बल्क	11,893.0	14537.00	253.00	122237.00	2126.00
30	मानसून्ड रोबस्टा - ए ए	926.0	1579.00	26.00	170596.00	2812.00
31	मानसून्ड रोबस्टा - ट्रिएज	10.0	12.00	0.00	125258.00	2268.00
32	लिबेरिया बल्क	234.0	322.00	6.00	137268.00	2399.00
33	एक्सेल्सिया बल्क	11.0	58.00	1.00	535185.00	8611.00
34	रोबस्टा चेरी - एए	21,068.0	27204.00	463.00	129123.00	2196.00
35	रोबस्टा चेरी -ए	29,692.0	38364.00	647.00	129206.00	2179.00
36	रोबस्टा चेरी -एएए	103.0	141.00	2.00	136831.00	2258.00
37	इन्स्टेन्ट कॉफी	84,444.0	142139.00	2375.00	168323.00	2812.00
38	भुनी व पिसी कॉफी	193.0	530.00	9.00	275363.00	4678.00
39	भुने कॉफी बीज		184.00	3.00	293876.00	4848.00
	योग :	**2,98,152.0**	**453245.00**	**7646.00**	**152018.00**	**2564.00**

2013-14 के दौरान कॉफी निर्यात का देशवार विवरण
(भारतीय व पुन:निर्यातित कॉफी दोनों. (अनंतिम)

क्र सं	देश का नाम	मात्रा टन में	मूल्य लाख ' में
1	इटली	74,892.0	1,05,940.0
2	जर्मनी	31,094.0	46,207.0
3	बेल्जियम	17,682.0	29,267.0
4	रुस गणराज्य	15,968.0	25,778.0
5	तुर्की	11,848.0	20,242.0
6	जोर्डन	10,335.0	17,183.0
7	स्लोवेनिया	9,478.0	11,502.0
8	इंडोनेशिया	8,963.0	12,744.0
9	लिबेरिया	6,706.0	8,310.0
10	यूक्रेन	6,278.0	11,499.0
11	स्पेन	6,080.0	7,750.0
12	मलेशिया	5,642.0	7,871.0
13	आस्ट्रेलिया	5,487.0	7,933.0
14	सं.रा.अ	5,293.0	8,891.0
15	ग्रीस	5,184.0	6,696.0
16	फिनलैण्ड	5,151.0	8,887.0
17	कुवैत	4,477.0	7,677.0
18	सउदी अरेबिया	4,229.0	7,067.0
19	फ्रांस	4,171.0	7,060.0
20	इज़राइल	3,874.0	5,066.0
21	पूर्तगाल	3,700.0	4,715.0
22	ताइवान	3,139.0	4,192.0
23	स्विट्जरलैण्ड	3,050.0	5,651.0
24	जापान	2,711.0	4,446.0
25	मियानमार		3,609.0
26	सिंगापुर	2,535.0	4,077.0
27	पोलैण्ड	2,478.0	3,584.0
28	सीरिया अरब गणराज्य	2,264.0	3,093.0
29	संयुक्त राज्य	2,203.0	4,137.0
30	संयुक्त अरब अमीरात	2,081.0	3,904.0
31	नीदरलैण्ड्स	1,641.0	2,442.0
32	कोरिया गणराज्य	1,564.0	2,717.0

33	क्रोएशिया		1,578.0
34	मोरोक्को	1,256.0	1,696.0
35	अलजेरिया	1,252.0	1,630.0
36	कैनेडा	1,155.0	1,652.0
37	वियतनाम	984.0	1,370.0
38	अलबेनिया	928.0	1,162.0
39	लाट्विया	887.0	1,811.0
40	बेलारस	882.0	1,773.0
41	मिस्र	807.0	1,053.0
42	सर्बिया	768.0	982.0
43	रोमानिया	702.0	851.0
44	लिथुआनिया	679.0	1,262.0
45	टोगो	643.0	1,421.0
46	डेनमार्क	643.0	772.0
47	रेन इस्लामिक गणराज्य	618.0	1,098.0
48	नायजर	617.0	1,396.0
49	ओमन	580.0	839.0
50	नाइजेरिया	575.0	1,108.0
51	एस्टोनिया	574.0	952.0
52	बेनिन	566.0	1,382.0
53	हंगेरी	564.0	871.0
54	जोर्जिया	557.0	720.0
55	माली	556.0	1,317.0
56	सेनेगल	538.0	1,220.0
57	मोरिटानिया	531.0	1,141.0
58	आस्ट्रिया	442.0	516.0
59	लेबनन	395.0	502.0
60	घाना	380.0	1,000.0
61	उज़बेकिस्तान	356.0	587.0
62	नोरवे	327.0	554.0
63	न्यूजीलैण्ड	302.0	470.0
64	बुर्किना फाज़ो	279.0	675.0
65	चीन	276.0	415.0
66	कोरिया जन गणराज्य	274.0	542.0
67	तुर्कमेनिस्तान	264.0	580.0

68	दक्षिण अफ्रीका	258.0	476.0
69	बंगलादेश	237.0	404.0
70	नेपाल	235.0	891.0
71	कज़ागस्तान	233.0	449.0
72	कीन्या	211.0	384.0
73	कांगो गणराज्य	196.0	453.0
74	स्वीडन	174.0	357.0
75	कतार	127.0	204.0
76	जेक गणराज्य	118.0	229.0
77	इराक	115.0	299.0
78	तुनिशिया	99.0	227.0
79	बलगेरिया		25.0
80	कैमरुन	80.0	171.0
81	स्लोवाकिया	77.0	116.0
82	मोलडोवा	68.0	153.0
83	दुबई	68.0	139.0
84	श्रीलंका	54.0	129.0
85	आयरलैण्ड	48.0	136.0
86	ब्राज़िल	45.0	107.0
87	गिनी	42.0	96.0
88	गबन	39.0	95.0
89	मकाऊ	38.0	46.0
90	न्यू कालेडोनिया	38.0	63.0
91	चाड	37.0	60.0
92	ताहिती	33.0	70.0
93	अरमेनिया		53.0
94	गाम्बिया	29.0	4.0
95	मेक्सिको	27.0	69.0
96	पेरु	18.0	30.0
97	सूडान	18.0	64.0
98	थाइलैण्ड	14.0	24.0
99	बाहरेन	13.0	25.0
100	मालडिव्स	2.0	5.0
101	हांग कांग	1.0	2.0
102	फिलीपिन्स	1.0	1.0
	महा योग	**2,98,152.0**	**4,53,245.0**

2013-14 के दौरान कॉफी निर्यात का देशवार विवरण
(पुन:निर्यातित कॉफी)

क्र सं	देश का नाम	मात्रा टन में	लाख ' में
1	रूस संघ	11,489.0	18,682.0
2	तुर्की	10,623.0	18,474.0
3	इण्डोनेशिया	6,405.0	9,120.0
4	यूक्रेन	3,966.0	7,366.0
5	फिनलैण्ड	2,876.0	4,965.0
6	सं. रा. अ	2,842.0	4,457.0
7	मलेशिया	2,469.0	3,410.0
8	सिंगापुर	2,058.0	3,067.0
9	जापान	1,793.0	2,757.0
10	मियानमार	1,713.0	2,357.0
11	फ्रांस	1,036.0	2,249.0
12	जर्मनी	906.0	1,494.0
13	बेलारस	771.0	1,541.0
14	संयुक्त राज्य	730.0	1,552.0
15	तायवान	660.0	988.0
16	सिरिया गणराज्य	559.0	781.0
17	वियतनाम		776.0
18	लाटविया	545.0	1,082.0
19	पोलैण्ड	425.0	620.0
20	माली	392.0	927.0
21	मौरिटानिया	364.0	806.0
22	उज़्बेकिस्तान	356.0	587.0
23	टोगो	296.0	657.0
24	बेल्जियम	184.0	244.0
25	इरान इस्लाम गणराज्य	180.0	390.0
26	कज़गस्तान	159.0	307.0
27	लिथुआनिया	157.0	273.0
28	कीन्या	153.0	233.0
29	बुर्किना फाज़ो	152.0	362.0
30	नायजर	149.0	326.0
31	नाइजेरिया	143.0	245.0
32	चीन	141.0	224.0
33	सेनेगल	139.0	318.0

34	इटली	126.0	190.0
35	कोंगो गणराज्य	119.0	284.0
36	कोरिया गणराज्य	109.0	216.0
37	इराक	107.0	275.0
38	कुवैत	107.0	220.0
39	जोर्डन	95.0	146.0
40	तुनिशिया	89.0	202.0
41	बेनिन	86.0	193.0
42	कैमरुन	73.0	154.0
43	हंगेरी	67.0	197.0
44	जोर्जिया	63.0	135.0
45	ग्रीस	57.0	98.0
46	तुर्कमेनिस्तान	57.0	125.0
47	नीदरलैण्ड्स	54.0	190.0
48	साऊदी अरेबिया	53.0	96.0
49	ब्राज़िल	45.0	107.0
50	स्वीट्ज़रलैण्ड	45.0	72.0
51	गिनी	40.0	92.0
52	दक्षिण अफ्रीका	33.0	55.0
53	ताहिती	22.0	46.0
54	मालडोवा	22.0	42.0
55	एस्टोनिया	21.0	49.0
56	गबन	20.0	48.0
57	अलजेरिया	18.0	40.0
58	क्रोएशिया	18.0	34.0
59	आस्ट्रिया	18.0	27.0
60	थाइलैण्ड	13.0	22.0
61	बलगेरिया	13.0	21.0
62	अरमेनिया	11.0	16.0
63	गाम्बिया	9.0	19.0
64	स्पेन	9.0	22.0
65	घाना	8.0	21.0
66	संयुक्त अरब अमीरात	6.0	15.0
67	आस्ट्रेलिया	5.0	13.0
68	रोमानिया	5.0	8.0
	महायोग	**57,026.0**	**95,124.0**

2013-14 के दौरान मूल्य संवर्धित कॉफी का निर्यात
(भारतीय व पुन:निर्यातित कॉफी दोनों)

क्र सं	कॉफी की किस्म	मात्रा टन में	मूल्य ₹ लाख में
1	स्पेशियालिटी कॉफी	15,334	28,051
2	घुलनशील, रोस्टड एण्ड ग्राउण्ड कॉफी		1,42,854
	योग	**1,00,034**	**1,70,905**

2013-14 के दौरान प्रमुख 10 निर्यातकों द्वारा कॉफी का निर्यात
(भारतीय व पुन:निर्यातित कॉफी दोनों)

क्र सं	निर्यातक का नाम	मात्रा टन में	मूल्य ₹ लाख में
1	अल्लाना सन्स लिमिटेड	31,246.4	47,644.0
2	सी सी एल प्रोडक्टस् (इंडिया) लि.	30,227.1	49,228.9
3	एन के जी जयन्ती कॉफी प्रा.लि.	24,116.6	33,393.0
4	टाटा कॉफी लि.	19,666.2	34,379.5
5	आई टी सी लि.	18,550.9	26,521.8
6	नेस्ले इण्डिया लि.	16,686.0	27,542.2
7	ओलम एग्रो इंडिया लि.	16,657.1	26,632.1
8	अमेलगमेटिड बीन कॉफी ट्रेडिंग कं लि.	15,058.1	22,619.1
9	एस एल एन कॉफी प्रा.लि.	14,828.4	21,641.1
10	रुची इन्फ्रास्ट्रक्चर लि.	13,676.2	17,543.7
	टॉप 10 योग	2,00,713.0	3,07,145.4
11	अन्य	97,439.2	1,46,099.9
	महायोग	2,98,152.2	4,53,245.3

निर्यात प्रोत्साहन

कॉफी बोर्ड ने XI योजना स्कीम के दौरान "कॉफी का निर्यात संवर्धन" स्कीम के अन्तर्गत कॉफी निर्यातकों को निर्यात प्रोत्साहन प्रदान किया। भारत सरकार ने XI योजना शर्तों के अनुसार 31 दिसम्बर 2013 तक विद्यमान रीतियों के साथ स्कीम को जारी रखने के लिए अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

निर्यात प्रोत्साहन देने के उद्देश्य निम्न हैं।

क) भुनी कॉफी के 1000 ग्राम और इंस्टेंट कॉफी के 500 ग्राम की अधिकत्तम मात्रा रिटेल कंज्यूमर पैक के माध्यम से इंडिया ब्रैंड के रुप में मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात को बढ़ाना।

ख) उच्च मूल्य हरी कॉफी को दूरस्थ बाजारों अर्थात सं रा अ, केनडा, जापान, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड को निर्यात को प्रोत्साहित करना।

उपरोक्त की दृष्टि से 2013-14 के दौरान प्रति किलो 2/- ₹ के वर्तमान दर पर इण्डिया ब्रैण्ड के रुप में मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात और 1/- ₹ के दर पर दूरस्थ बाजारों अर्थात सं रा अ, केनेडा, जापान, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैण्ड को उच्च मूल्य हरी कॉफी के निर्यात के लिए "निर्यात संवर्धन" योजना के अंतर्गत कॉफी निर्यातकों को निर्यात प्रोत्साहन देना जारी हैं।

वर्ष 2013-14 के दौरान इन दो क्रिया कलापों के अन्तर्गत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि निम्नलिखित है :

क्र. सं	घटक	मात्रा मे.ट. में	मूल्य लाख ‘ में
1.	दूरस्थ बाजारों को उच्च मूल्य ग्रीन कॉफी के निर्यात के लिए प्रदत्त प्रोत्साहन	8,650	86.50
2.	इण्डिया ब्रैण्ड के रुप में रिटेल पैक में मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात के लिए प्रदत्त प्रोत्साहन	14,301	285.64

बोर्ड ने इंडिया ब्रैंड्स के रुप में मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात को बढ़ाना और कॉफीज़ ऑफ इण्डिया लोगो के जरिए भारतीय कॉफी की पहचान को सशक्त बनाना जारी रखा। कॉफीस ऑफ इंडिया लोगो, कॉफी के गुणों को छांव मे उगाई, धारणीय और अभायुक्त चित्रित करता है और प्रतीकात्मक रुप से इस सत्य को प्रतिपादित करता है कि भारतीय कॉफी छांव में उगाई जाती है, कॉफी के क्षेत्र दुनिया के 25 जैव विविधतायुक्त क्षेत्रों में से एक है और भारत में उगाई गई कॉफी अपने में कितनी विविध है।

कॉफी बोर्ड पुरस्कार

निर्यात पुरस्कार

भारतीय कॉफी बोर्ड ने कॉफी निर्यातकों को उनके निर्यत निष्पादन विशेषकर स्पेशलिटी, भुनी और घुलनशील कॉफी जैसे मूल्य संवर्धित खण्ड में प्रमुख गन्तव्यों में उनके निर्यात निष्पादन को बढ़ावा देने, प्रोत्साहन देने और उसे बढ़ाने हेतु उनके सर्वोत्तम निष्पादन को पहचानने और सम्मानित करने के लिए 1999-2000 में निर्यात पुरस्कारों की स्थापना की है। 2011 में सर्वोत्तम निर्यातक और दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक के अलावा पुरस्कार के तीसरी श्रेणी में कांस्य पुरस्कार का भी आरम्भ किया है।

वित्तीय वर्ष 2011-12 एवं 2012-13 के लिए निर्यात निष्पादन हेतु 13 व 14 वाँ वार्षिक निर्यात पुरस्कार वितरण (24-01-2014) को आयोजित हुआ। पुरस्कारों में प्रत्येक श्रेणी अर्थात ग्रीन, स्पेशलिटी, इंस्टेन्ट/घुलनशील और भुनी कॉफी और प्रत्येक क्षेत्र अर्थात सं रा अ व कैनडा, यूरोप, रुस और सी आई एस, मध्य पूर्व, और उत्तर अफ्रीका (एम इ एन ए) और दूरस्थ पूर्व में निष्पादन के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य थे।

दो वर्ष 2011-12 व 2012-13 को साथ मिलाकर उन्नीस कम्पनियों को 54 निर्यात पुरस्कार दिए गए। मेसर्स सी सी एल प्रोडक्ट्स (इण्डिया) लि, हैदराबाद ने छः स्वर्ण के साथ अधिकतम स्वर्ण पुरस्कार जीता जबकि मेसर्स अल्लानासन्स लि, मुम्बई ने 3 स्वर्ण.5 रजत और 2 कांस्य पुरस्कारों को शामिल कर अधिकतम 10 पुरस्कार जीते।

54 निर्यात पुरस्कार जीतने वाली उन्नीस कम्पनियाँ निम्न हैं।

क्र.सं	निर्यातक का नाम	पुरस्कार	श्रेणी
1	मेसर्स सी सी एल प्रोडक्टस् (इण्डिया) लि, हैदराबाद	6 स्वर्ण पुरस्कार	- इंस्टेन्ट कॉफी के सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - इंस्टेन्ट कॉफी के सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) - रुस और सी आई एस देशों को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - रुस और सी आई एस देशों को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) - सं रा अ एवं कैनडा क्षेत्रों को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) - सं रा अ एवं कैनडा क्षेत्रों को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
2	मेसर्स अल्लानसन्स लि. मुम्बई	तीन स्वर्ण पुरस्कार	- एम ई एन ए क्षेत्र को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - हरी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) - एम ई एन ए क्षेत्र को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)

		पाँच रजत पुरस्कार	- हरी कॉफी के दूसरे सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - स्पेशलिटी कॉफी को दूसरे सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - सं रा अ और कैनडा क्षेत्र के दूसरे सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) - स्पेशलिटी कॉफी के दूसरे सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) -संराअऔरकैनडाक्षेत्रकेदूसरेसर्वोत्तमनिर्यातक(2012-13)
		दो कांस्य पुरस्कार	-यूरोप क्षेत्र को तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -यूरोप क्षेत्र को तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
3	मेसर्स एन के जी जयन्ती कॉफी प्रा.लि. बेंगलूर	तीन स्वर्ण पुरस्कार	-हरी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -यूरोप क्षेत्र को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -यूरोप क्षेत्र को सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
		एक रजत पुरस्कार	-हरी कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)
		दो कांस्य पुरस्कार	-हरी कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) -स्पेशलिटी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
4	मेसर्स अस्पिनवॉल एण्ड कं लि, मेंगलूर	दो स्वर्ण पुरस्कार	-स्पेशलिटी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -स्पेशलिटी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
5	मेसर्स श्री नरसूस कॉफी कं लि, सेलम	दो स्वर्ण पुरस्कार	-दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
6	मेसर्स कोका कोला प्रा लि, बेंगलूर	एक स्वर्ण पुरस्कार	-भुने बीज और पिसी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)
7	मेसर्स जय केशव एक्सपोर्ट्स प्रा लि, बेंगलूर	एक स्वर्ण पुरस्कार	-भुने बीज और पिसी कॉफी का सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)

8	मेसर्स टाटा कॉफी लि, बेंगलूर	पाँच रजत पुरस्कार दो कांस्य पुरस्कार	-रुस एवं सी आई एस देशों को दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -इस्टेन्ट कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -रुस एवं सी आई एस देशों को दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) -इस्टेन्ट कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) -सं रा अ एवं कैनडा क्षेत्र को कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
9	मेसर्स अमालगामेटड बीन कॉफी ट्रेडिंग कं लि, बेंगलूर	दो रजत पुरस्कार एक कांस्य पुरस्कार	-यूरोप क्षेत्र को कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -यूरोप क्षेत्र को कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) -हरी कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक(2012-13)
10	मेसर्स राम्स एक्ज़िम चेन्नई	दो रजत पुरस्कार	-भुनी बीज एवं पिसी कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) -भुनी बीज एवं पिसी कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
11	मेसर्स नस्ले इण्डिया लि, गुडगाँव	एक रजत पुरस्कार चार कांस्य पुरस्कार	एम ई एन ए क्षेत्र को दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) रुस एवं सी आई एस देशों को तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) इंस्टेन्ट कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12) रुस एवं सी आई एस देशों को तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) इंस्टेन्ट कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
12	मेसर्स वायहान कॉफी लि, सिकन्दराबाद	एक रजत पुरस्कार एक कांस्य पुरस्कार	दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13) दूरस्थ पूर्व क्षेत्र को कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
13	मेसर्स ओलम एग्रो इण्डिया लि, बेंगलूर	एक रजत पुरस्कार	एम ई एन ए क्षेत्र को कॉफी का दूसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)

14	मेसर्स फ्रेश एण्ड आनस्ट केफे लि, चेन्नई	एक कांस्य पुरस्कार	-भुनी व पिसी कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
15	मेसर्स कोथास कॉफी कम्पनी बेंगलूर	एक कांस्य पुरस्कार	-भुनी व पिसी कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)
16	मेसर्स मुद्रेमने कॉफी क्यूरर्स मुडिगेरे	एक कांस्य पुरस्कार	-सं रा अ एवं केनडा क्षेत्र को कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
17	मेसर्स बेलासुरेन्द्र कामत एण्ड सन्स, कडिंजे, करकला	एक कांस्य पुरस्कार	-एम ई एन ए क्षेत्र को कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2012-13)
18	मेसर्स आई टी सी लि, सिकन्दराबाद	एक कांस्य पुरस्कार	-हरी कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)
19	मेसर्स ओम श्री इन्टरनेशनल, मुम्बई	एक कांस्य पुरस्कार	-एम ई एन ए क्षेत्र को कॉफी का तीसरा सर्वोत्तम निर्यातक (2011-12)

फ्लेवर ऑफ इण्डिया - फाइन कप अवाड्र्स -2013

फ्लेवर ऑफ इण्डिया के लिए 4 मार्च 2013 को अरेबिका के 137 नमूनों और रोबस्टा के 84 नमूनों को शामिल कर कुल 221 नमूने प्राप्त हुए। इनका कायिक मूल्यांकन किया गया। कायिक मूल्यांकन के पश्चात 60% अंक प्राप्त 133 अरेबिका नमूने और 80 रोबस्टा नमूनों को शामिल कर कुल 213 नमूने पूर्व-ज्यूरी कप्पिंग के लिए अर्ह रहे।

पूर्व-ज्यूरी कप्पिंग के बाद 60% अंक प्राप्त किए 68 अरेबिका नमूनों और 45 रोबस्टा नमूनों को शामिल कर 113 नमूने राष्ट्रीय ज्यूरी कप्पिंग के लिए अर्ह रहे। राष्ट्रीय ज्यूरी कप्पिंग के पश्चात 20, अरेबिका 6 स्पेशलिटी अरेबिका, 8 रोबस्टा और 6 स्पेशलिटी रोबस्टा को शामिल कर 40 नमूनों को अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी ने कप्पिंग के अन्तिम राउण्ड के लिए चुना।

अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी कप्पिंग

कॉफी बोर्ड ने "फ्लेवर ऑफ इण्डिया द फाइन कप अवार्ड कप्पिंग प्रतियोगिता 2013" के अन्तिम कप्पिंग सत्र का आयोजन 24 जून 2013 को नाइस फ्रांस में 26 से 28 जून 2013 को नियत एस सी ए ई वार्षिक सम्मेलन और प्रदर्शन से पहले किया।

प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा 26 जून 2013 को नाइस, फ्राँस में एस सी ए ई प्रदर्शनी में किया गया। फ्लेवर ऑफ इण्डिया-फाइन कप अवार्ड- कप्पिंग प्रतियोगिता - 2013 के विजेताओं को पुरस्कार 24 जनवरी 2014 को होटल ललित अशोक में आयोजित आई आई सी एफ के दौरान आयोजित "कॉफी अवार्डस नाइट" में वितरित किए गए।

भिन्न श्रेणियों के विजेता -

1) **सर्वोत्तम अरेबिका**
पेड़ाबायलू एस्टेट
आन्ध्र प्रदेश वन विकास निगम लि
विशाखापटनम, आन्ध्र प्रदेश

2) **सर्वोत्तम स्पेशलिटी अरेबिका**
पोआब्स एस्टेट्स (प्रा) लि
अब्राहम जेकब, निदेशक
सीतागुण्ड एस्टेट एण्ड पोस्ट
नेलियमपती, पालक्काड,
केरल

3) **सर्वोत्तम रोबस्टा**
मार्गोल्ली एस्टेट, टाटा कॉफी लि
पोलीबेट्टा, दक्षिण कोडगू - 571215

4) **सर्वोत्तम स्पेशलिटी रोबस्टा**
हार्ले बी एस्टेट, डी एस श्रवणतेजस
कुम्बारडी पोस्ट, सकलेशपुर

बाहय प्रोन्नति

निर्यात संवर्धन के अन्तर्गत, किए गए मुख्य क्रिया कलाप निम्नलिखित पर केन्द्रित थे -

- चुनिन्दा अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य व पेय मेलों, कॉफी संगोष्ठियों एवं प्रदर्शनियों आदि में प्रत्यक्ष रुप से और भारत व्यापार प्रोन्नति संगठन (आई टी पी ओ) दोनों के जरिए नियमित प्रतिभागिता।
- इण्डिया ब्रैण्डिंग को समर्थन देने के लिए इन घटनाओं में भारत की कॉफी को दृश्यता प्रदान करना।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मौजूदगी को पुख्ता करने के लिए वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आयोजित इण्डिया शो में भी कॉफी बोर्ड और कॉफी उद्योग ने भाग लिया।
- चुनिन्दा विदेशी कॉफी सम्बन्धी व्यापार जर्नलों में विज्ञापन रिलीज़ करना।
- विदेशी खरीददार, भारतीय निर्यातक, दूतावास कर्मचारी आदि को शामिल कर विदेश में कॉफी स्वादन सत्र, खरीददार विक्रेता बैठक आदि का आयोजन करना।
- अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं में भारत की कॉफी पर विभिन्न प्रचार और प्रोन्नतीय साहित्य, डी वी डी, फिल्म आदि का परिचालन।

2013-14 के लिए वार्षिक कार्य योजना के भाग के रुप में बोर्ड ने 13 समुद्रपारीय प्रदर्शनियों में भाग लिया। भागीदारी के दौरान, बोर्ड ने भारतीय कॉफी निर्यातकों के सक्रिय अन्तर्निहितता के साथ घटनाओं के साथ-साथ 5 विशेष घटनाओं/कप्पिंग का भी आयोजन किया था।

कॉफी बोर्ड का प्रतिष्ठित घटना - कप्पिंग प्रतियोगिता फ्लेवर ऑफ इण्डिया का समापन भी नाइस, फ्रांस में आयोजित एस सी ए ई विश्व कॉफी संगोष्ठी में हमारी भागीदारी के दौरान किया गया।

2013-14 के दौरान समुद्रपारीय घटनाओं में बोर्ड की भागीदारी

क्र. सं.	मेले का नाम	दिनांक
1.	25 वाँ वार्षिक सम्प्रकाशन और विशेष घटनाओं के साथ-साथ विश्व कॉफी संगोष्ठी, बोस्टन, एम ए, सं रा अ.	11-14 अप्रैल 2013
2.	एस आई ए एल, शांघाई, चीन का 14 वॉ संस्करण खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी	07-09 मई 2013
3.	विशेष घटनाओं के साथ-साथ मेलबोर्न अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी एक्स्पो, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया	23-26 मई 2013
4.	फ्लेवर ऑफ इण्डिया के साथ-साथ एस सी ए ई विश्व कॉफी संगोष्ठी, नाइस, फ्राँस	26-28 जून 2013
5.	भारत सप्ताह उत्सव, बेंगकॉक, थाइलैण्ड	15-18 अगस्त 2013
6.	विश्व खाद्य मास्को, मास्को, रुस	16-19 सितम्बर 2013
7.	यू वेण्ड एण्ड कॉफीना, कोलोन, जर्मनी	19-21 सितम्बर 2013
8.	विश्व घटनाओं के साथ-साथ एस सी ए जे विश्व कॉफी संगोष्ठी, टोक्यो, जापान	25-27 सितम्बर 2013
9.	होस्ट 2013, फियरा मिलानो सिटी, मिलन, इटली	18-22 अक्तूबर 2013
10.	विशेष घटनाओं के साथ-साथ केफे शो, सियोल, कोरिया	21-24 नवम्बर 2013
11.	इण्डिया अड्डा, डावोस, स्वीटजरलैण्ड	23-26 जनवरी 2014
12.	इण्डिया शो, लाहोर, पाकिस्तान	14-16 फरवरी 2014
13.	गल्फ फूड, दुबई	23-27 फरवरी 2014

✦ ✦ ✦

अध्याय - VIII

बाजार अनुसंधान एवं इंटेलिजेन्स

2013-14 के दौरान बोर्ड के बाजार अनुसन्धान एवं इंटेलिजेन्स इकाई ने निम्नलिखित कार्य मदों को निपटाया -

- इकाई ने बाज़ार विश्लेषण के लिए मूल्य, आपूर्ति, मांग और अन्य मूलभूत और तकनीकी घटकों पर महत्वपूर्ण बाज़ार सूचना (वैश्विक एवं भारतीय दोनों) को एकत्रित एवं समेकित करना जारी रखा। इन सूचनाओं को उद्योग के विभिन्न सेक्टर के साथ-साथ सरकार को प्रसारित किया ।
- अवधि के दौरान दैनिक बाजार विश्लेषण देने के दैनिक ई-मेल सूचना सेवा को जारी रखा गया। यह सुविधा विस्तरण विभाग के जरिए उपजकर्ताओं को विस्तारित की गई और वेबसाइट www.indiacoffee.org में पोस्ट की गई और एस एम एस सेवा के जरिए भी संदश भेजे गए।
- वर्ष के दौरान इकाई ने जुलाई 2013- अक्तूबर 2013 जनवरी 2014 और मार्च 2014 के महीनों के लिए कॉफी पर व्यापक डेटा बेस पर चार अंक प्रकाशित किया। कॉफी पर डेटा बेस, नीति बनाने वालों और पणधारियों के लिए उपयोगी है।
- सीज़न 2013-14 और 2014-15 के लिए जोतों के भिन्न श्रेणी और कॉफी प्रान्त/क्षेत्रों में स्तरित अनियमित नमूनाकरण तकनीक का प्रयोग करते हुए फसल प्राक्कलन किए गए।
- 2013-14 के लिए मानसूनोत्तर प्राक्कलन 3,11,500 मे.ट.है (अरेबिका 102,000 मे.ट.और रोबस्टा 209,500 मे.ट.)
- 2012-13 के लिए अन्तिम प्राक्कलन 304,500 मे.ट है (अरेबिका, 102,200 मे.ट. और रोबस्टा 202,300 मे ट)
- 2014-15 के लिए पुष्पणोत्तर प्राक्कलन 3,44,750 मे.ट. है (अरेबिका 105,500 मे.ट. और रोबस्टा 239,250 मे.ट. तथा
- डब्ल्यू टी ओ और कॉफी के व्यापार नीति से सम्बन्धित मामलों पर आर्थिक एवं विश्लेषणात्मक समर्थन प्रदान किया।
- इकाई ने निर्यात अनुभाग के क्रिया कलापों का समन्वयन किया।
- रिपोर्ट अधीन अवधि के दौरान कॉफी बोर्ड वेब साइट www.indiacoffee.org को वर्धित क्षमता, नई आकृति और कॉफी समुदाय द्वारा ब्राउसिंग के लिए उपयोक्ता हितैषी बनाने के लिए नेशनल इनफोर्मेट्रिक सेन्टर, बेंगलूर ने पुन: डिजाइन किया। सरकार की नीति के अनुसार पुन: डिज़ाइन किए गए वेबसाइट को एन आई सी सर्वर पर होस्ट किया गया। पुन: डिज़ाइन किए गए वेबसाइट का उद्घाटन 24 जनवरी 2014 को भारत अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी उत्सव के दौरान वाणिज्य सचिव ने किया। बाजार इन्टेलिजेन्स इकाई ने बोर्ड की वेबसाइट के रख-रखाव के काम को जारी रखा।
- इकाई ने इण्डियन कॉफी अंकों में नियमित 'मार्केट वाच' कॉलम में योगदान दिया।
- इकाई ने घरेलू नीलामी केन्द्र आई सी टी ए को कॉफी के सभी श्रेणियों के लिए साप्ताहिक प्राक्कलित सूचकांक मूल्य प्रदान किया।

- इकाई ने निर्यात और घरेलू कॉफी संवर्धन के क्रिया-कलापों के लिए भी समर्थन प्रदान किया अर्थात।
- नेशनल जोग्रफिकल चैनल द्वारा फिल्म 'कॉफी पारखी' के निर्देशन में समन्वयन किया।
- 'कॉफीज ऑफ इण्डिया पर लघु फिल्म एवं टी वी सी के निर्देशन' हेतु रुचि की अभिव्यक्ति की प्रक्रिया को आरम्भ किया।

विभिन्न विपणन फर्म अर्थात मेसर्स इण्डिया इन्श्यूर जोखिम प्रबन्धन एवं इन्श्यूरेन्स ब्रोकिंग सर्विसस प्रा.लि., मेसर्स यूनाइटेड इण्डिया इन्श्यूरेन्स कं लि. और मेसर्स ब्लैण्ड इन्श्यूरेन्स ब्रोकर्स प्रा.लि. को शामिल कर कृषि बीमा कम्पनी ऑफ इण्डिया लि. के जरिए कर्नाटक, केरल और तमिल नाडू में 2013-14 के दौरान कॉफी के लिए वृष्टि बीमा योजना का कार्यान्वयन किया गया। 2013-14 के दौरान, 1557 हे. के क्षेत्र को आच्छादित कर 751 कॉफी उपजकर्ताओं ने बीमा उत्पाद को खरीदा।

✦ ✦ ✦

क्र सं	योजना/कार्यक्रम का नाम	लक्ष्य	उपलब्धियां
I	**धारणीय कॉफी उत्पादन हेतु अ व वि**		
	1) फसल उत्पादन (मे.ट)	320000	304500
	2) बीज का उत्पादन, मे ट में	5	8.58
	एस्टेट संदर्शनों की संख्या	20000	26286
II	**विकास समर्थन**		
	क)पुनर्रोपण (हे में)	2500	2291
	ख)जल आवर्धन, क्वालिटी उन्नयन व प्रदूषण उपशमन (इकाई में)	4000	4739
	ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफी विकास		
	i) विस्तारण/समेकन (हे में)	500	451
	ii) पल्पर्स/सुखाने वाले यार्ड/ट्रे (सं)	300	227
	घ) गैर परम्परागत क्षेत्र में कॉफी विकास		
	i) विस्तारण/कावेरी का फेसिंग (हे में)	3000	3344
	ii) पल्पर्स/ सुखाने वाले यार्ड (सं)	1000	1284
	ङ) क्षमता निर्माण (लाभानुभोगियों की संख्या)	4000	6978
	च) श्रमिकों को कल्याण समर्थन (सं)	6000	8573
	छ) ब्याज उपदान (लाभानुभोगियों की संख्या)	500	479
III	**बाजार विकास**		
	घरेलू मेले- (सं)	36	46
IV	**उपजकर्ताओं को जोखिम प्रबन्धन**		
	क) <10 हे से आच्छादित करने के लिए प्रस्तावित छोटे उपजकर्ताओं की संख्या	3000	751
	ख) आच्छादित करने के लिए प्रस्तावित कुल कॉफी क्षेत्र हे में	5000	1557
V	**निर्यात संवर्धन**		
	क) कॉफी का निर्यात (मे ट में)	256000	312571
	ख) इण्डियन ब्रैण्ड्स के रुप में मूल्य संवर्धित कॉफी के निर्यात हेतु प्रोत्साहन (मे ट में)	5000	14301
	ग) दूरस्थ बाजारों को उच्च मूल्य कॉफी के निर्यात हेतु प्रोत्साहन (मे ट में)	4500	8649
	घ) समुद्रपारीय व्यापार मेलों में भागीदारी (सं)	13	13
	ङ) खरीददार-विक्रेता बैठक	5	6
VI	**संसाधन हेतु समर्थन** - संसाधन इकाई (सं)	10	6
VII	**कॉफी एस्टेट संक्रियाओं के यंत्रीकरण हेतु समर्थन**		
	यंत्रों की संख्या	8000	10345

अध्याय - IX

लेखा और वित्त

कार्य :

कॉफी बोर्ड का लेखा और वित्त विभाग निम्नलिखित कार्य करने का जिम्मेदार है-

- बजट प्राक्कलनों को तैयार करना और बोर्ड के विभिन्न इकाइयों को बजट का आबंटन।
- निधि आदि के रिलीज से सम्बन्धित विषयों पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वित्त प्रभाग से सम्पर्क रखना।
- बोर्ड के विभिन्न विभागों के लेखों का संकलन और रख रखाव।
- बोर्ड के नकद और अन्य वित्तीय लेन-देन पर प्रभावी नियंत्रण रखना, ताकि संसाधनों के मूल्य दक्ष प्रविस्तार को सुनिश्चित किया जा सके।
- वित्तीय आशय से जुडे सभी मामलों पर सलाह देना।
- बोर्ड के कार्यलयों की आन्तरिक लेखा परीक्षा करना
- पूल विपणन से संबंधित लम्बित मामलों जैसे विक्रय कर मामलों इत्यादि को निपटाना।

2013-14 में भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान

योजना: (लाखों में)

योजना अनुदान	4374.72
उ पू क्षे अनुदान	1284.90
उपदान अनुदान	3925.00

गैर-योजना: (लाखों में)

गैर-योजना अनुदान सामान्य	3775.00
गैर-योजना अनुदान वेतन	940.00

पेंशन :

68.82 करोड ₹ के पेंशन कार्पस का निवेश राष्ट्रीयकृत बैंकों में किया गया और यह वर्तमान दर पर ब्याज कमा रहे हैं। वर्ष में कमाया गया कुल ब्याज 6.43 करोड ₹ था, जिसने आंशिक रूप से पेंशन के विभिन्न वर्गों के 2787 पेंशनधारियों के लिए 38.73 करोड ₹ के पेंशन देयता को निधित किया।

वर्तमान में 01.01.2004 के बाद बोर्ड की सेवा में नियुक्त 105 कर्मचारी नई पेंशन योजना के सदस्य हैं। वर्ष के दौरान सर्वप्रथम पेंशन अदालत का आयोजन किया गया और पेंशन अदालत के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों को निपटाया गया ।

योजना अनुदान 2013-14 के व्यय

12 घटकों के साथ 6 स्कीमों के लिए योजना अनुदान और उपदान का उपयोग निम्न तरीके से हुआ:-

I. धारणीय कॉफी उत्पादन हेतु अ व वि (लाखों में)

	घटक का नाम	व्यय
1	अ व वि प्रौद्योगिकियां	1545.48
2	प्रौद्योगिकी का अन्तरण	722.14
3	अ व वि हेतु बुनियादी विकास	99.46
	योग	**2367.08**

II. विकास सहायता स्कीम (लाखों में)

	घटक का नाम	व्यय
1	पुनर्रोपण पुनर्रोपण	933.96
2	जल आवर्धन, क्वालिटि उन्नयन, प्रदूषण उपशमन	137.55
3	उ.पू.क्षे में कॉफी विकास	490.58
4	गै.प.क्षे और जनजाति सेक्टर में कॉफी विकास	398.84
5	सभी पणधारियों के लिए क्षमता निर्माण	221.10
6	मजदूरों/लघु उपजकर्ताओं के लिए कल्याण समर्थन	193.79
	योग	**2375.82**

III. बाजार विकास (लाखों में)

	घटक का नाम	व्यय
1	घरेलू कॉफी संवर्धन	539.45
2	बाजार अनुसंन्धान	47.10
	योग	**586.55**

IV. निर्यात संवर्धन (लाखों में)

1	निर्यात संवर्धन	375.64

योजना उपदान :

II. विकास सहायता (लाखों में)

	घटक का नाम	व्यय
1	पुनर्रोपण	281.52
2	जल आवर्धन, क्वालिटी उन्नयन, प्रदूषण उपशमन	954.41
3	उ.प.क्षे में कॉफी विकास	130.24
4	गै.प.क्षे और जनजाति सेक्टर में कॉफी विकास	287.47
5	कार्य पूँजी ऋणों पर उपजकर्ताओं को ब्याज उपदान	52.39
6	मशीनीकरण कार्यक्रम	1327.02
	एस सी उप योजना	26.26
	योग	**3059.31**

III.	उपजकर्ताओं के लिए जोखिम प्रबन्धन	23.44
V.	निर्यात संवर्धन	371.94
VI.	संसाधन हेतु सहायता	35.64
	योग	**431.02**
	महायोग	**3490.33**

उपदान व्यय में पिछले वर्षों में किए गए प्रावधान के सम्मुख अंकित किए गए व्यय शामिल हैं।

पूल निधि :

1. क्रय कर/विक्रय कर हेतु प्रावधान

क) केरल के सम्बन्ध में, 44.81 करोड़ ₹ (2.16 करोड़ ₹ का क्रय कर + 42.65 करोड़ ₹ का केन्द्रीय बिक्री कर) की राशि के दावे को केरल उच्च न्यायालय ने मूल्यांकन अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया है ताकि कानूनी तौर पर बोर्ड के दावे को सत्यापित किया जाए और उसको सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बोर्ड ने शीघ्र निपटान के लिए कार्रवाई शुरू कर दिया है।

ख) तमिल नाडू के सम्बन्ध में, कोई भी मांग अदायगी के लिए लम्बित नहीं है। तथापि, देयों के निपटान के सम्बन्ध में वाणिज्यिक कर विभाग, तमिलनाडू से औपचारिक पुष्टिकरण आदेश की अपेक्षा है।

बोर्ड के लेखे तीन सेट में तैयार किए गए हैं यथा, प्राप्तियां और अदायगियां, आय एवं व्यय और तुलन पत्र। इन लेखों की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखापाल द्वारा की जाती है। वर्ष 2013-14 के लिए कॉफी बोर्ड की सामान्य निधि, पूल निधि के प्रमाणीकृत वित्तीय विवरणों की प्रतियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ वर्ष 2013-14 के कॉफी बोर्ड की लेखा परीक्षा रिपोर्ट व वार्षिक वित्तीय विवरण" के रूप में अलग से प्रस्तुत है।

✦ ✦ ✦

संक्षेप	
AIC	भारतीय कृषि बीमा कम्पनी लि.
BSM	बायर सेलर मीट
C/lb	सेन्ट्स/पाउण्ड
CBB	कॉफी बेरी बोरर
CCRI	केन्द्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान
CDRP	कॉफी ऋण राहत पैकेज
CFC	कॉमन फण्ड फॉर कॅमोडिटीस
CIFC	सेन्ट्रो डे इन्वेस्टिगाको ड़ास फेरुजिनस ड़ो केफेरो (कॉफी रस्ट रिसर्च सेंटर)
CFU	कॉलोनी फार्मिंग यूनिट
CIS	कैरियर इंप्रूवमेंट स्कीम
CRSS	कॉफी अनुसंधान उप स्टेशन
C R	कांजेनसिस x रोबस्टा
CST	केन्द्रीय विक्रय कर
DBT	बयोटेक्नालॉजी विभाग
DGFT	महानिदेशक (विदेश व्यापार)
DNA	डी ऑक्सी रिबो न्यूक्लियिक एसिड
EU	यूरोपियन यूनियन
EC	इमाल्सिफाइंग कान्सेन्ट्रेशन
FFS	फार्मर्स फील्ड स्कूल
FPM	फार्मर्स पार्टिसिपेटरी मेथड
FYM	फार्म यार्ड मैन्यूर
GBE	ग्रीन बीन इक्वीवलन्ट
HDT	हाइब्रिडो -डे- टिमोर
IA & AS	इंडियन ऑडिट एण्ड अकाउण्ट्स सर्विस
IAP	इंटरनल ऑडिट पार्टी
IAS	भारतीय प्रशासनिक सेवा
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
ICAR	इंडियन काउंसिल ऑफ अग्रिकल्चरल रिसर्च
ICH	इडिया कॉफी हाउस
ICO	अन्तर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन
ICTA	इंडियन कॉफी ट्रेड असोसिएशन
INM	एकीकृत पोषण प्रबंधन
IPM	एकीकृत नाशिकीट प्रबंधन

IICF	इंडिया इन्टरनेशनल कॉफी फेस्टिवल
IIHR	भारतीय बागबानी अनुसंधान संस्थान
IIPM	भारतीय बागान प्रबंध संस्थान
ITDA	एकीकृत जनजाति विकास अभिकरण
ITPO	इंडिया व्यापार संवर्धन संगठन
IT	इनफार्मेशन टेकनॉलजी, सूचना प्रौद्योगिकी
ITS	इंडियन टेलीफोन सर्विस
Kg/Ha	किलोग्राम/हेक्टर
KGST	केरल जनरल सेल्स टैक्स
MACP	माडिफाइड अश्यूर्ड कैरियर प्रोग्रेशन
MFCS	माडिफाइड फ्लेक्सिबल काम्पलीमेन्टरी स्कीम
MAS	मार्कर असिस्टेड सेलेक्शन
MT	मेट्रिक टन
MTS	मल्टि टास्किंग स्टाफ
NER	पूर्वोत्तर क्षेत्र
NTA	गैर पारम्परिक क्षेत्र
NPK	नाइट्रोजन, फॉस्फेरस, पोटासियम
PB	वेतन बैंड
PFA	प्रीवेंशन ऑफ फूड एडल्टरेशन
PSFT	मूल्य स्थिरीकरण निधि ट्रस्ट
RCRS	क्षेत्रीय कॉफी अनुसंधान स्टेशन
RTI	सूचना का अधिकार
SC	अनुसूचित जाति
SCAA	स्पेशियालिटी कॉफी असोसिएशन ऑफ अमेरिका
SCAE	स्पेशियालिटी कॉफी असोसिएशन ऑफ यूरोप
SCAR	सीक्वेन्स कैरक्टराईस्ड एम्प्लिफाइड रीजन
SEC	सामाजिक आर्थिक वर्ग
SHG	स्वयं सहायता समूह
Sln	सिलेक्शन
SLP	विशेष छुट्टी याचिका
SSP	सिंगल सूपर फॉस्फेट
ST	अनुसूचित जन जाति
SRAP	सीक्वेन्स रिलेटेड एम्पिलफाइड पॉलीमर
STAT	विक्रय कर अपीलेट प्राधिकार

RAPD	रेंडमली एप्पलीफाई पालिमर डालिमार्फिक
R&D	अनुसंधान व विकास
RCMC	रजिस्ट्रेशन सह-सदस्यता प्रमाण पत्र
R & G	रोस्टड एण्ड ग्राउण्ड
RISC	कॉफी के लिए वृष्टि बीमा स्कीम
TEC	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केन्द्र
UAS	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र संघ
UNO	यूनाइटेड नेशन्स आर्गनाइजेशन
WA	रिट अपील
WP	वेटेबल पाउडर
WSB	वाइट स्टेम बोरर
WTO	विश्व व्यापार संगठन

✦ ✦ ✦